



This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit.
The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website
<https://kksu.co.in/>

Digitization was executed by NMM

<https://www.namami.gov.in/>

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi
Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade
Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi
<https://egangotri.wordpress.com/>

M-2726

शिर्षक	ग्रंथकार	विषय	विस्तार (पूर्ण/ अपूर्ण)	टिकाकार	आकार	पृष्ठे	लिपी	सामग्री	Lines per page	Letters per line	Condition & age (शके/विक्रम संवत्)	Additional Particulars / Remark
पंचनाटक	कदाचित्	हस्तिलेख	पूर्ण		3/6	190	संस्कृत	पात्र	10	24		

॥ पंचमाष्टकप्रारंभोयं ॥

प. प्र. ~

॥१॥

श्रीगणेशायनमः॥ ॥हरिःॐ३म्॥ ॥स्तुवे।नरा।दिवः।अस्य।प्रऽसंता।अश्विना।
कुवे।जरमाणः।अर्केः।या।सद्यः।उस्त्रा।विऽउषि।ज्मः।अंतान्।युयूषतः।परि।उरु।व
रसि।ता।यज्ञं।आ।शुचिऽभिः।चक्रमाणा।रथस्य।भानुं।रुरुचुः।रजऽभिः।पुरु।व
रसि।अमिता।मिमाना।अपः।धन्वनि।अति।याथः।अज्जान्।ता।ह।त्यत्।वर्तिः।
यत्।अरध्रं।उग्रा।इत्या।धियः।ऊहयुः।शश्वत्।अश्वेः।मनऽजवेभिः।इषिरेः।शाय
ध्ये।परि।व्यथिः।दाशुषः।मर्त्यस्य।ता।नव्यसः।जरमाणस्य।मन्म।उप।भूषतः।यु
युजानसप्तीइतियुयुजानसप्ती।शुभं।एष्टं।इषं।ऊर्जं।वहंता।होता।यक्षत्।प्रलः।
अध्रक्।युवाना।ता।वल्गूइति।दस्त्रा।पुरुशाकऽतमा।प्रला।नव्यसा।ववसा।
आ।विवासे।या।शंसते।स्तुवते।शंऽभविष्ठा।बभ्रवतुः।गणते।चित्ररातीइतिचित्रऽ
राती॥१॥ ॥ता।भुज्यु।विऽभिः।अत्ऽभ्यः।समुद्रात्।तुग्रस्य।स्तुत्।ऊहयुः।रजऽ

राम

॥१॥

भिः। अरेणुः। भिः। योजनेभिः। भुजंता। पतत्रिः। भिः। अर्णसः। निः। उपः। स्यात्। वि। ज
 युषा। रथ्या। यातं। अद्रिः। श्रुतं। हवं। वृषणा। वध्रिः। मत्याः। दशस्यंतो। शयवे। पिप्यथुः।
 गां। इति। च्यवाना। सुः। मतिं। भुरण्यूइति। यत्। रोदसीइति। प्रः। दिवः। अस्ति। भूम। हे
 ळः। देवानां। उत। मर्त्यः। त्रा। तत्। आदित्याः। वसवः। रुद्रियासः। रक्षः। युजे। तपुः। अ
 घं। दधातायः। ई। राजानो। क्रतुः। था। विः। दधत्। रजसः। मित्रः। वरुणः। चिकेतत्। गं
 भीराय। रक्षसे। हेतिं। अस्य। द्रोघाय। चित्। वचसे। आनवाय। अंतरेः। चक्रेः। तनया
 य। वर्तिः। द्युः। मता। आ। यातं। नृः। वता। रथेन। सनुत्येन। त्यजसा। मर्त्यस्य। वनुष्यतां।
 अपि। शीर्षा। ववृक्तं। आ। परमाभिः। उत। मध्यमाभिः। नियुत्। भिः। यातं। अवमाभिः।
 । अर्वावू। दृक्। स्य। चित्। गोः। मतः। वि। ब्रजस्य। दुरः। वर्त्तं। गृणते। चित्ररातीइति चि
 त्रः। राती॥ २॥ ॥ क। त्या। वल्गूइति। पुरुः। हूता। अद्य। हूतः। न। स्तोमः। अविदत्। न

प. पं. ~
॥ २ ॥

मस्वान्। आ। यः। अर्वाकू। नासत्या। ववर्त्त। प्रेष्ठा। हि। असथः। अस्य। मन्मन्। अरं।
मे। गंतं। सुवनाय। अस्मै। गणाना। यथा। विवाथः। अंधः। परि। हा। त्यत्। वर्त्तिः। याथः।
रिषः। न। यत्। परः। न। अंतरः। तुतुयति। अकारि। वां। अंधसः। वरीमन्। अस्तारि। बर्हिः।
। सुप्रः। अयनतमं। उत्तानः। हस्तः। युवः। युः। ववंद। आ। वां। नक्षंतः। अद्रयः। आं। जनः।
ऊर्ध्वः। वां। अग्निः। अधरेषु। अस्छात्। प्र। रातिः। एति। जूयिनी। घृताची। प्र। होता।
गूर्त्तः। मनाः। उराणाः। अयुक्त। यः। नासत्या। हवीमन्। आधि। त्रिये। दुहिता। सूर्यस्य
। रथं। तस्त्रो। पुरुः। भुजा। शतः। कृतिं। प्र। मायाभिः। मायिना। भूतं। अत्र। नरा। दत्त
ति। जनिमन्। यक्षियानां॥ ३ ॥ ॥ युवं। श्रीभिः। दर्शिताभिः। आभिः। शुभे। पुष्टि। ऊ
हथुः। सूर्यायाः। प्र। वां। वयः। वपुषे। अनु। पत्तन्। नक्षत्। वाणी। सुः। सुता। धिष्ण्या
। वां। आ। वां। वयः। अश्वासः। वहिष्ठाः। अभि। प्रयः। नासत्या। वहंतु। प्र। वां। रथः।

राम
॥ २ ॥

मनः॥ जवाः॥ असर्जि॥ दुषः॥ वृक्षः॥ दुषिधः॥ अनु॥ पूर्वः॥ पुरु॥ हि॥ वां॥ पुरुः॥ भुजा॥ दे
ह्य॥ धेनुं॥ नः॥ दुष॥ पिन्वतां॥ असंक्रां॥ कृतः॥ च॥ वां॥ मा॥ ध्वी॥ इति॥ सु॥ सुतिः॥ च॥ रसाः॥ चो
ये॥ वा॥ अनु॥ रातिं॥ अगमन्॥ उत॥ मे॥ क्र॥ ज्ञे॥ इति॥ पुर॥ यस्थ॥ रघ्वी॥ इति॥ सु॥ मी॥ कृ॥ शतं॥ पे
रुके॥ च॥ पृक्का॥ शांडः॥ दात्॥ हिर॥ णिनः॥ स्मत्॥ दि॥ षीन्॥ दश॥ वशासः॥ अभि॥ साचः॥ क्र
षान्॥ सं॥ वां॥ शता॥ नासत्या॥ सहस्रा॥ अ॥ श्वानां॥ पुरु॥ पंथाः॥ गिरे॥ दात्॥ भरत्॥ वाजा
या॥ वीर॥ नु॥ गिरे॥ दात्॥ हुता॥ रक्षो॥ सि॥ पुरु॥ दंस॥ सा॥ स्युरि॥ तिस्युः॥ ओ॥ वां॥ सु॥ मे॥ वरि॥ म
न॥ सूरि॥ भिः॥ स्यां॥ ॥ ४ ॥ ॥ उत्॥ ऊं॥ इति॥ श्रिये॥ उषसः॥ रोच॥ मानाः॥ अ॥ स्तुः॥ अ॥ पां॥ न॥
ऊर्मयः॥ रुशंतः॥ कृ॥ णोति॥ विश्वा॥ सु॥ पथा॥ सु॥ गानि॥ अ॥ भूत्॥ ऊं॥ इति॥ व॥ स्वी॥ दक्षि॥ णा॥
म॥ घोनी॥ भद्रा॥ दृ॥ दृ॥ स्ते॥ उर्वि॥ या॥ वि॥ भा॥ सि॥ उत्॥ ते॥ शो॥ चिः॥ भान॥ वः॥ द्यां॥ अ॥ प॥ स॥ न॥ आ
विः॥ वक्षः॥ कृ॥ णु॥ षे॥ शु॥ भ॥ माना॥ उषः॥ दे॥ वि॥ रोच॥ माना॥ महः॥ भिः॥ व॥ द॥ इति॥ सी॥ अ॥ रु॥ णा॥ सः॥

उत्तेवयश्चिद्वसुते०

प. पं. ~
॥३॥

रुशंतः। गावः। सुभगां। उर्विया। प्रथानां। अप। ईजते। शूरः। अस्ताऽइव। शत्रून्। बाध
ते। तमः। अजिरः। न। वोक्ता। सुगा। उत। ते। सुपथा। पर्वतेषु। अवाते। अपः। तरसि।
स्वभानोदतिस्वभानो। सा। नः। आ। वह। एथुऽयामन्। रूषो। रयिं। दिवः। दुहितः। इष
यथ्ये। सा। आ। वह। या। उषऽभिः। अवाता। उषः। वर। वहसि। जोषं। अनु। त्वे। दिवः। दु
हितः। या। ह। देवी। पूर्वऽदूतो। मंहना। दर्शिता। भूः। वा। ५॥ ॥ एषा। स्या। नः। दुहिता। दि
वः। जाः। क्षितीः। उच्छंती। मानुषीः। अज्ञीगरिति। या। भानुना। रुशता। राम्यासु। अज्ञा
यि। तिरः। तमसः। चित्। अक्तून्। वि। तत्। ययुः। अरुणयुक्। निः। अश्वेः। चित्रं। भांति
। उषसः। चंद्रऽरथाः। अग्रं। यज्ञस्य। बृहतः। नयंतीः। वि। ताः। बाधंते। तमः। ऊर्म्यायाः।
अवः। वाजं। इषं। ऊर्जं। वहंतीः। नि। दाशुषे। उषसः। मर्त्याय। मघोनीः। वीरऽवत्। पत्य
मानाः। अवः। धात। विधते। रत्नं। अद्य। इदा। हि। वः। विधते। रत्नं। अस्ति। इदा। वीराय।

राम
॥३॥

दाशुर्वे। उषसः। इदा। विप्राय। जरते। यत्। उक्था। नि। स्म। माऽवते। वहथ। पुरा।
 चित्। इदा। हि। ते। उषः। अद्रिसानो इत्यद्रिऽसानो। गोत्रा। गर्वा। अंगिरसः। गृणाति।
 वि। अर्केणा। विभिदुः। ब्रह्मणा। च। सत्या। नृणां। अश्ववत्। देवऽहूतिः। उच्छु। दिवः।
 दुहितरिति। प्रलऽवत्। नः। भरद्वाजऽवत्। विधते। मघोनि। सुऽवीरं। रयिं। गृणाते। रि
 राहि। उरुऽगाया। अधि। धेहि। श्रवः। नः॥ ६ ॥ ॥ वपुः। नु। तत्। चिकितुषे। चित्।
 अस्तु। समानं। नाम। धेनु। पत्यमानं। मर्तेषु। अन्यत्। दोहसे। पीपाय। सकृत्। शुक्रं। दु
 दुहे। एश्विः। ऊधः। ये। अग्नयः। न। शोशुचन्। इधानाः। द्विः। यत्। त्रिः। मरुतः। ववधतं
 । अरेणवः। हिरण्ययासः। एषां। साकं। नृम्योः। पौंस्येभिः। च। भूवन्। रुद्रस्य। ये। मीकु
 षः। संति। पुत्राः। यान्। वोदति। नु। दाधृविः। भरज्ये। विदे। हि। माता। मुहः। मुही। सा। सा
 । इत्। एश्विः। सुभ्वे। गर्सी। आ। अधात्। नाये। ईषते। जनुषः। अया। नु। अंतरिति। संतः।

नास्यवर्तननरुता

व. पं. ~

॥ ४ ॥

ताके वंगोपुत्तु

अवद्यानि। पुनानाः। निः। यत्। दुक्ते। शुचयः। अनु। जोषं। अनु। श्रिया। तन्वं। उक्ष मा
णाः। मक्ष। न। येषु। दोहसे। चित्। अयाः। आ। नाम। धृष्टु। मारुतं। दधानाः। न। ये। स्तो
नाः। अयासः। मद्रा। नु। चित्। सुऽदानुः। अव। यासत्। उग्रान्। ॥ ॥ ते। इत्। उग्राः
। शर्वसा। धृष्टु। सेनाः। उमेइति। युजंत। रोदसीइति। सुमेकेइति। सुमेकेइति। सुमेके।
अध। स्म। एषु। रोदसी। स्वऽशोचिः। आ। अमवत्। सु। तस्मै। न। रोकः। अनेनः। वः।
मरुतः। यामः। अस्तु। अनश्वः। चित्। यं। अजति। अरथीः। अनवसः। अनसीशुः। र
जः। तूः। वि। रोदसीइति। पथ्याः। याति। साधन। नु। अस्ति। मरुतः। यं। अवथ। वा
जः। सातो। न। यं। अपुऽसु। सः। व्रजं। इत्ती। पार्थे। अध। द्योः। प्र। चित्रं। अर्कं। गृणते। तु
राय। मारुताय। स्वऽतवसे। भूरध्वं। ये। सहसि। सहसा। सहते। रेजति। अग्ने। पृथिवी
। मखेभ्यः। विषिऽमंतः। अध्वरस्यऽइव। दिद्युत्। तषुऽव्यवसः। जुह्वः। न। अग्नेः। अ

राम

॥ ४ ॥

र्वत्रयः। धुनयः। न। वीराः। भ्राजतः। जन्मानः। मरुतः। अष्टष्टाः। तं। वृधंतं। मारुतं। भ्रा
 जतः। ऋष्टिः। ऋतस्य। स्तुतुं। हवसा। आ। विवासि। दिवः। शर्धीय। शुचयः। मनीषाः। गिर
 यः। न। आपः। उग्राः। अस्पधन॥ ८ ॥ ॥ विश्वेषां। वः। सतां। ज्येष्ठः। तमा। गीः। भिः। मि
 त्रावरुणा। ववृधध्ये। सं। या। रश्माः। इव। यमतुः। यमिष्ठा। द्वा। जनान्। असमा। बाहुः।
 भिः। स्त्रैः। द्रुयं। मत्। वां। प्र। स्तृणीति। मनीषा। उप। प्रिया। नमसा। बर्हिः। अष्ट। यंतं। नः।
 मित्रावरुणौ। अष्टष्टं। बर्हिः। यत्। वां। वस्तुथं। सुदानूदिति सुः। दानूदत्तिसुः। सन्। आ
 । यातं। मित्रावरुणा। सुः। शस्ति। उप। प्रिया। नमसा। द्रुयमाना। सं। यौ। अप्नः। स्थः। अ
 पसा। इव। जनान्। श्रुधिः। यतः। चित्। यततः। महिः। त्वा। अश्वः। न। या। वाजिना। पूत
 बंधूदिति पूतः। बंधू। ऋता। यत्। गर्भः। अदितिः। भरध्ये। प्र। या। महिः। महंता। जाय
 माना। घोरा। मर्तीयः। रिषवे। नि। दीधरिति दीधः। विश्वे। यत्। वां। मंहना। मंहमानाः।

प. पं. ~
॥ ५॥

क्षत्रं। देवासः। अदधुः। सः। जोषाः। परि। यत्। भूथः। रोदसी इति। चित्। उवः इति। संति।
स्पशः। अदध्वासः। अमूराः॥ ८॥ ॥ ता। हि। क्षत्रं। धारयेथे इति। अनु। धून्। दंहेथे इ
ति। मानुं। उपमात्। इव। द्योः। दृक्। नक्षत्रः। उत। विश्वः। देवः। भूमिं। आ। अतान्। द्या
। धासिना। आयोः। ता। विग्रं। धेथे इति। ज्वरं। एणाधे। आ। यत्। सयः। सः। भृतयः। ए
णंति। न। मृष्टते। युवतयः। अवताः। वि। यत्। पयः। विश्वः। जिन्वा। भरंते। ता। जिह्वया
। सदे। आ। इदं। सुः। मेधाः। आ। यत्। वां। सत्यः। अरतिः। क्रुते। भूत्। तत्। वां। महिः। त्वं
। घृतः। अन्नौ। अस्तु। युवं। दाशुषे। वि। चयिषुं। अंहः। प्र। यत्। वां। मित्रावरुणा। सूर्धन्।
प्रिया। धाम। युवः। धिता। मिनंति। न। ये। देवासः। ओहसा। न। मर्त्ताः। अयज्ञः। साचः। अ
प्यः। न। पुत्राः। वि। यत्। वाचं। कीस्तासः। भरंते। शंसंति। के। चित्। निः। विदः। मनानाः। आ
त्। वां। ब्रवाम। सत्यानि। उक्था। नकिः। देवेभिः। यतथः। महिः। त्वो। अवोः। इत्था। वां। छ

राम
॥ ५॥

दिवः। अभिषे। युवोः। मित्रावरुणो। अस्कृधोयु। अनु। यत्। गावः। स्फुरान्। क्रजियं। ध
 स्तु। यत्। रणे। वषणं। युनजन्॥१०॥ ॥ श्रुषी। वां। यज्ञः। उत्स्यतः। सुजोषाः। मनु
 श्वत्। वृक्तः। बर्हिषः। यज्ञध्ये। आ। यः। इंद्रावरुणो। दुषे। अद्य। महे। सुम्नाय। महे।
 आ। ववर्त्तत्। ता। हि। श्रेष्ठा। देवः। ताता। तुजा। शूरानां। शविष्ठा। ता। हि। भूतं। मघोनां
 । मंहिष्ठा। तुविः। शुष्मा। क्रतेन। वृत्रः। तुरा। सर्वः। सेना। ता। गृणीहि। नमस्येभिः। शूरेः।
 सुमेभिः। इंद्रावरुणा। चकाना। वज्रेण। अन्यः। शवसा। हन्ति। वृत्रं। सिसक्ति। अन्यः।
 वृजनेषु। विप्रः। ग्नाः। च। यत्। नरः। च। ववर्धन्त। विश्वे। देवासः। नरा। स्वः। गृत्तीः। प्र।
 एभ्यः। इंद्रावरुणा। महिः। त्वा। द्यौः। च। पृथिवि। भूतं। उवीरुति। सः। इत्। सुः। दानुः।
 स्वः। वान्। क्रतुः। वा। इंद्रा। यः। वां। वरुणा। दाशति। त्मन्। इषा। सः। द्विषः। तरेत्। दास्वा
 न्। वंसत्। रयिं। रयिः। वतः। च। जनान्॥११॥ ॥ यं। युवं। दाशुः। अध्वराय। देवा। रयिं। ध

प.पं.~
॥६॥

त्यः। वसुः। मंतं। पुरुः। शुं। अस्मेदति। सः। इंद्रावरुणौ। अपि। स्यात्। प्र। यः। भनक्ति। वनु
षां। अशस्तीः। उत। नः। सुः। त्रात्रः। देवः। गोपाः। सूरिः। भ्यः। इंद्रावरुणा। रयिः। स्यात्। येषां
। शुष्मः। एतनासु। सद्धान्। प्र। सद्यः। घुम्ना। तिरते। तत्तुरिः। नु। नः। इंद्रावरुणा। गणाना
। एत्तं। रयिं। सोऽश्रवसाय। देवा। इत्या। गणंतः। महिनस्य। शर्धः। अपः। न। नावा। इंद्रः। इ
ता। तरेम। प्र। सं। राज्ञे। बृहते। मन्म। नु। प्रियं। अर्च। देवाय। वरुणाय। सः। प्रथः। अयं। यः।
उवर्इति। महिना। महिः। व्रतः। ऋत्वा। विः। भाति। अजरः। न। शोचिषा। इंद्रावरुणा। सु
तः। पो। इमं। सुतं। सोमं। पिबतं। मद्यं। धृतः। व्रता। युवोः। रथः। अध्वरं। देवः। वीतये। प्रति
। स्वसरं। उप। याति। पीतये। इंद्रावरुणा। मधुमत्सुतमस्य। वृक्षः। सोमस्य। वृषणा। जा। वृषे
थां। इंद्रं। वां। अंधः। परिः। सिक्तं। अस्मेदति। आः। सद्यः। अस्मिन्। बर्हिषि। माटयेथां॥१२॥ ॥
सं। वां। कर्मणा। सं। इषा। हिनोमि। इंद्राविष्णुइति। अपसः। पारे। अस्या। जुषेथां। यज्ञं। द्रविणं।

राम
॥६॥

आवा मश्वी सो

वधत्तं। अरिष्टैः। नः। पृथिःभिः। पारयन्ता। या। विश्वासां। जनितारा। मतीनां। इंद्रा विष्णु इ
 ति। कुलशः। सोमःधानः। प्र। वां। गिरः। शस्यमानाः। अवन्तु। प्र। स्तोमासः। गीयमानासः। अ
 र्केः। इंद्रा विष्णु इति। मदपती इति मदः पती। मदानां। आ। सोमं। मातं। द्रविणो इति। दधा
 ना। सं। वां। अंजंतु। अक्तुःभिः। मतीनां। सं। स्तोमासः। शस्यमानासः। उक्थेः। न। अभिमातिः
 सहः। इंद्रा विष्णु इति। सधः। मादः। वहन्तु। जुवेथां। विश्वा। हवना। मतीनां। उप। ब्रह्माणि।
 शणुतं। गिरः। मे। इंद्रा विष्णु इति। तत्। पनयाय्यं। वां। सोमस्य। मदे। उरु। चक्रमाथे इति। अ
 कृणुतं। अतरिष्टं। वरीयः। अप्रथतं। जीवसे। नः। रजांसि। इंद्रा विष्णु इति। हविषा। ववधा
 ना। अग्रः। अहाना। नमसा। रातः। हव्या। घृतसुती इति घृतः। आसुती। द्रविणं। धत्तं। अस्मे
 इति। समुद्रः। स्थः। कुलशः। सोमःधानः। इंद्रा विष्णु इति। विवतं। मध्वः। अस्या। सोमस्य।
 दस्त्रा। जवरः। एणोथां। आ। वां। अंधांसि। मदिराणि। अगमन्। न। हवं। मे। उभा। जिग्यथुः।

प.पं.२
॥७॥

न।परा।जयेथेइति।न।परा।जिग्ये।कतरः॥चन।एनोः॥इंद्रः॥च।विष्णोइति।यत्।अप
स्पधेथा।त्रेधा।सहस्रं।वि।तत्।ऐरयेथा॥१३॥ ॥घृतवतीइतिघृतऽवती।भुवनानां।
अभिऽश्रिया।उर्वरइति।एथ्वीइति।मधुदुधेइतिमधुऽदुधे।सुऽपेशसा।द्यावाएथिवीइ
ति।वरुणस्याधर्मणा।विस्कभितेइतिविऽस्कभिते।अजरेइति।भूरिऽरेतसा।असंश्वंतीइ
ति।भूरिधारेइतिभूरिऽधारे।पर्यस्वतीइति।घृतं।दुहातेइति।सुऽकृते।शुचिऽव्रतेइतिशु
चिऽव्रते।राजंतीइति।अस्या।भुवनस्यारोदसीइति।अस्मेइति।रेतः॥सिंचतं।यत्।मनुऽ
हितं।यः।वां।ऋजेवै।क्रमणाय।रोदसीइति।मर्त्तः।ददाश।धिषणेइति।सः॥साधति।प्र
।प्रऽजाभिः।जायते।धर्मणः।परि।युवोः।सिक्ता।विषुऽरूपाणि।सऽव्रता।घृतेन।द्यावा
एथिवीइति।अभिवृतेइत्यभिऽवृते।घृतऽश्रिया।घृतऽएचा।घृतऽवृधा।उर्वरइति।ए
थ्वीइति।होतऽवृथे।पुरोहितेइतिपुरऽहिते।तेइति।इत्।विप्राः।ईळते।सुम्न।इष्ट

राम
॥७॥

उदुष्यदेवः०

ये। मधु। नः। द्यावा एधि वी इति। मिमिक्षतां। मधुऽश्रुता। मधुदुघे इति मधुऽदुघे। मधुव्रते
इति मधुऽव्रते। दधाने इति। यज्ञं। द्रविणां। च। देवता। महि। श्रवः। वाजं। अस्मे इति। सुऽवीर्य
। ऊर्जं। नः। द्यौः। च। एधि वी। च। पिन्वतां। पिता। माता। विश्वऽविदा। सुऽदंससा। संरराणे इ
ति संऽरराणे। रोदसी इति। विश्वऽशंभुवा। सनिं। वाजं। रथिं। अस्मे इति। सं। इन्वतां॥१४॥
॥०॥ हिरण्यया। वाटू इति। अयंस्त। सर्वनाय। सुऽऋतुः। घृतेन। पाणी इति। अभि। प्रुष्टुते।
मरवः। युवा। सुऽदक्षः। रजसः। विऽधर्मणि। देवस्य। वयं। सवितुः। सवीमनि। श्रेष्ठे। स्याम।
वसुनः। च। दावने। यः। विश्वस्य। द्विऽपदः। यः। चतुऽपदः। निऽवेशने। प्रऽसवे। च। असि।
भूमनः। अदब्धेभिः। सवितरिति। पायुऽभिः। त्वं। शिवेभिः। अद्या। परि। पाहि। नः। गयं। हि
रण्यऽजिह्वः। सुविताय। नव्यसे। रक्ष। माकिः। नः। अघऽशंसः। ईशत। ०। दमूनाः। हिर
ण्यऽपाणिः। प्रतिऽदोषं। अस्मात्। अयः। हनुः। यजतः। मंद्रऽजिह्वः। आ। दाशुषे। सुवति।

प. पं. ५
॥ ८ ॥

भूरि। वामं। उत्। ऊं इति। अयान्। उपवक्ताऽइव। बाहू इति। हिरण्यया। सविता। सुऽ
प्रतीका। दिवः। रोहं। सि। अरुहत्। एधिव्याः। अरीरम। पतयत्। कत्। चित्। अश्वं। वा
मं। अद्य। सवितः। वामं। ऊं इति। श्वः। दिवेऽदिवे। वामं। अस्मभ्यं। सवीः। वामस्य। हि।
क्षयस्य। देव। भूरः। अया। धिया। वामऽभाजः। स्याम॥ १५ ॥ ॥ इंद्रासोमा। महि। तत्। वां
। महिऽत्वं। युवं। महानि। प्रथमानि। चक्रथुः। युवं। सूर्य। विविदथुः। युवं। स्वः। विश्वा। तं
मांसि। अहत्। निदः। च। इंद्रासोमा। वासयथः। उषसं। उत्। सूर्य। नयथः। ज्योतिषा। स
ह। उष। द्यौ। स्वभथुः। स्वभनेन। अप्रथत्। एधिवी। मातरं। वि। इंद्रासोमो। अहिं। अ
पः। परिऽस्थां। हथः। वृत्रं। अनु। वां। द्यौः। अमन्यत्। प्र। अर्णसि। ऐरयत्। नदीनां। आ।
समुद्राणि। पप्रथुः। पुरुषि। इंद्रासोमा। पक्वं। आमासु। अंतः। नि। गवां। इत्। दधथुः
। वक्षणासु। जगृभथुः। अनपिऽनद्धं। आसु। रुशत्। चित्रासु। जगतीषु। अंतरिति। इंद्रा

राम
॥ ८ ॥

सोमा॥ युवं॥ अंग॥ तरुत्रं॥ अपत्यऽसाचं॥ श्रुत्यं॥ रराथेइति॥ युवं॥ शुष्मं॥ नर्यं॥ चर्षणिऽ
 भ्यः॥ सं॥ विव्यथुः॥ एतनाऽसह॥ उग्रा॥ १६ ॥ ॥ यः॥ अद्रिऽभित॥ प्रथमऽजाः॥ ऋतऽवा
 ॥ बृहस्पतिः॥ आंगिरसः॥ हविष्मान्॥ द्विबर्हऽज्मा॥ प्राघर्मऽसत्॥ पित॥ नः॥ आ॥ रोदसी
 इति॥ वृषभः॥ रोरवीति॥ जनाय॥ चित्॥ यः॥ ईवते॥ ऊंइति॥ लोकं॥ बृहस्पतिः॥ देवऽहूतो॥ च
 कर्॥ घ्नन्॥ वृत्राणि॥ वि॥ पुरः॥ दर्दरीति॥ जयन्॥ शत्रून्॥ अमित्रान्॥ एतऽसु॥ सहन्॥ बृह
 स्पतिः॥ सं॥ अजयत्॥ वसूनि॥ महः॥ ब्रजान्॥ गोऽमतः॥ देवः॥ एषः॥ अपः॥ सिसासन॥ स्वः
 ॥ अप्रतिऽइतः॥ बृहस्पतिः॥ हति॥ अमित्रे॥ अकैः॥ १७ ॥ ॥ सोमोरुद्रा॥ धारयेथां॥ अ
 सुर्यं॥ प्र॥ वां॥ इष्टयः॥ अरं॥ अश्रुवंतु॥ दमेऽदमे॥ सप्त॥ रत्ना॥ दधाना॥ शं॥ नः॥ भूतं॥ द्विऽप
 दे॥ शं॥ चतुः॥ पदे॥ सोमोरुद्रा॥ वि॥ वृहतं॥ विषूची॥ अमीवा॥ या॥ नः॥ गया॥ आऽविवेश॥ आ
 रे॥ बाधेथां॥ निः॥ ऋतिं॥ पराचैः॥ अस्मेइति॥ भद्रा॥ सोश्रवसानि॥ संतु॥ सोमो॥ युवं॥ एतानि॥
 रुद्रा

प. पं. २

॥ ५॥

अस्मेइति। विश्वा। तनूषु। भेषजानि। धनं। अव। स्यतं। मुंचतं। यत्। नः। अस्ति। तनूषु। व
हं। कृतं। एनः। अस्मत्। तिग्मः। आयुधो। तिग्महेतुइति। तिग्मः। हेतुः। सुः। शेवो। सोम। रुद्रो
। इह। सु। मृकतं। नः। प्र। नः। मुंचतं। वरुणस्य। पाशात्। गोपायतं। नः। सुः। मनस्यमाना॥ १८॥
॥ ॥ जमीमृतस्यऽइव। भवति। प्रतीकं। यत्। वमः। याति। सः। मदां। उपः। स्ते। अनाविद्धया। त
न्वा। जय। त्वं। सः। त्वा। वर्मणः। महिमा। विपत्तुः। धन्वना। गाः। धन्वना। आजिं। जयेम।
धन्वना। तीव्राः। सः। मदः। जयेम। धनुः। शत्रोः। अपः। कामं। वृणोति। धन्वना। सर्वाः। प्रः
दिशः। जयेम। वक्ष्यंतीऽइव। इत्। आ। गनी। गंति। कर्णः। प्रिया। सरवायं। परिः। सस्वजाना
। योषाऽइव। शिंक्ते। विः। तता। अधि। धन्वन्। ज्या। इयं। समने। पारयंती। तेइति। आचरंती
इत्याऽचरंती। समनाऽइव। योषा। माताऽइव। पुत्रं। विभृतां। उपः। स्ते। अप। शत्रून्। विध्य
तां। संविदानेइति। सं। विदाने। आलः। इति। इमेइति। विस्फुरंतीइति। विः। स्फुरंती। अमित्रान्।

राम

॥ ५॥

बद्धीनां। पिता। बटुः। अस्य। पुत्रः। विश्वा। कृणोति। समना। अवऽ गत्य। इषुऽ धिः। सं
 काः। एतनाः। च। सर्वाः। एष्टे। निऽ नृद्वः। जयति। प्रऽ सूतः॥१२॥ ॥ रथे। तिष्ठन्। नयति। वा
 जिनः। पुरः। यत्रऽ यत्र। कामयते। सुऽ सारथिः। असीशूनां। महिमानं। पनायत। मनः। पश्वा
 त्। अनु। यच्छंति। रश्मयः। तीत्रान्। घोषान्। कृण्वते। वषऽ पाणायः। अश्वाः। रथेभिः। स
 ह। वाजयंतः। अवऽ क्रामंतः। प्रऽ पदैः। अमित्रान्। क्षिणंति। शत्रून्। अनपऽ व्ययंतः। रथऽ
 वाहनं। हविः। अस्य। नाम। यत्र। आयुधं। निऽ हितं। अस्य। वर्म। तत्र। रथं। उप। शर्म।
 सदेम। विश्वाहा। वयं। सुऽ मुनस्यमानाः। स्वादुऽ संसदः। पितरः। वयऽ धाः। कृष्टेऽ श्रितः
 शक्तिऽ वतः। गभीराः। चित्रऽ सेनाः। इषुऽ बलाः। अमृधाः। सतऽ वीराः। उरवः। व्रातऽ स
 हाः। ब्राह्मणासः। पितरः। सोम्यासः। शिवेइति। नः। द्यावा। एधि। वीइति। अनेहसा। पूषा। नः।
 पातु। दुऽ इतात्। कृतऽ वृधः॥ २० ॥ ॥ सुऽ पूर्ण। वस्ते। मृगः। अस्याः। दंतः। गोभिः। संऽ न

रक्षा०

प. पं. ८

॥ १० ॥

द्वा। पतति। प्रऽसूता। यत्र। नरः। सं। च। वि। च। द्रवैति। तत्र। अस्मभ्यं। इषवः। शर्म। यंसन
। ऋजीते। परि। वृद्धिः। नः। अश्मा। भवतु। नः। तनूः। सोमः। अधि। ब्रवीतु। नः। अदितिः।
शर्म। यच्छतु। आ। जंघंति। सानु। एषा। जघनान्। उप। क्षिप्यते। अश्वऽअजनि। प्रऽचे
तसः। अश्वान्। समत्। सु। चोदय। अहिः। इव। भोगैः। परि। एति। वाङ्मं। ज्यायाः। हेतिं।
परि। बाधमानः। हस्तऽघ्नः। विश्वा। वयुनानि। विद्वान्। पुमान्। पुमांसं। परि। पातु। वि
श्वतः। आलऽअक्ता। या। रुरुऽशीलः। अथोदति। यस्याः। अयः। मुखं। इदं। पर्जन्यऽ
रेतसे। इषे। देव्ये। बृहत्। नमः॥ ११॥ ॥ अवाऽसृष्टा। परा। पत। शरव्ये। ब्रह्मऽसंशि
ते। गच्छ। अमित्रान्। प्र। पद्यस्व। मा। अमीषा। कं। चन। उत्। शिषः। यत्र। बाणाः। संऽ
पतति। कुमारः। विशिरवाऽइव। तत्र। नः। ब्रह्मणाः। पतिः। अदितिः। शर्म। यच्छतु। वि
श्वाहा। शर्म। यच्छतु। मर्माणि। ते। वर्मणा। दद्यामि। सोमः। त्वा। राज्ञा। अमृतेन। अ

राम

॥ १० ॥

नु। वस्ता। उरोः। वरीयः। वरुणः। ते। कृणोतु। जयंतं। त्वा। अनु। देवाः। मदंतु। यः। नः। स्वः।
 अरणः। यः। च। निह्यः। जिघांसति। देवाः। तं। सर्वे। धूर्वतु। ब्रह्म। वर्म। मर्म। अंतरं॥ २२॥
 ॥ इति मंडलं ॥ ॥ अग्निं। नरः। दीधितिभिः। अरण्योः। हस्तं। च्युती। जनयंत।
 प्र। शस्तं। दूरेऽदृशं। गृहं। पतिं। अथर्यु। तं। अग्निं। अस्ते। वसवः। नि। ऋणवन्। सु। प्रति
 चक्षे। अवसे। कुतः। चित्। दक्षाय्यः। यः। दमे। आस। नित्यः। प्र। इद्धः। अग्ने। दीदिहि। पु
 रः। नः। अजस्रया। सूम्या। यविष्ठ। त्वां। शश्वंतः। उप। यंति। वाजाः। प्र। ते। अग्नयः। अ
 ग्निऽभ्यः। वरं। निः। सु। वीरासः। शोशुचंत। द्यु। मंतः। यत्र। नरः। सं। आसते। सु। जाताः।
 दाः। नः। अग्ने। धिया। रयिं। सु। वीरं। सु। अपत्यं। सहस्य। प्र। शस्तं। न। यं। यावा। तरति
 । यातुऽमावान्॥ २३ ॥ ॥ उप। यं। एति। युवतिः। सु। दक्षं। दोषा। वस्तोः। हविष्मती। घृ
 तावी। उप। स्वा। एनं। अरमतिः। वसुऽयुः। विश्वाः। अग्ने। अप। दह। अरातीः। येभिः। तपः

प.पं. ~
॥ ११ ॥

भिः। अदहः। जरूथं। प्र। निः। स्वरं। चातयस्व। अमीवां। आ। यः। ते। अग्ने। इधुते। अनीकं।
वसिष्ठ। शुक्रं। दीदिवः। पार्वक। उतोइति। नः। एभिः। स्तवथैः। इह। स्याः। वि। ये। ते। अग्ने।
भोजिरे। अनीकं। मर्त्तीः। नरः। पित्र्यासः। पुरुत्रा। सुः। मर्त्ताः। इह। स्याः। इमे। नरः। रत्रः। ह
लेषु। शूराः। विश्वाः। अदेवीः। अभि। संतु। मायाः। ये। मे। धिर्ये। पुनयंत। प्रः। शस्तां। ॥ २४ ॥
मा। शूने। अग्ने। नि। सदाम। नृणां। मा। अशेषसः। अवीरता। परि। त्वा। प्रजाः। वतीषु। दुर्या
सु। दुर्य। यं। अश्वी। नित्यं। उप। याति। यज्ञं। प्रजाः। वतं। सुः। अपत्यं। क्षर्यं। नः। स्वः। जन्म
ना। शेषसा। ववृधानं। पाहि। नः। अग्ने। रक्षसः। अजुष्टात्। पाहि। धूर्तेः। अरुषः। अघः। योः
। ला। युजा। एतना। यून्। अभि। स्यां। सः। इत्। अग्निः। अग्नीन्। अति। अस्तु। अन्यान्। यत्र।
वाजी। तनयः। वीकुः। पाणिः। सहस्रः। पाथाः। अक्षरः। सं। एति। सः। इत्। अग्निः। यः। वनु
व्यतः। निः। पाति। सं। एद्धारं। अहंसः। उरुष्यात्। सुः। जति। सः। परि। चरेति। वीराः। ॥ २५ ॥

राम
॥ ११ ॥

अयं । सः । अग्निः । आऽहुतः । पुरुऽत्रा । यं । ईशानः । सं । इत् । इंधे । हविष्मान् । परि । यं । एति
 । अध्वरेषु । होता । त्वेदति । अग्ने । आऽहवनानि । भूरि । ईशानासः । आ । जुहुयाम । नित्या । उ
 भा । कृपंवतः । वहतूदति । मियेधे । इमोदति । अग्ने । वीतऽतमानि । हव्या । अजस्रः । वक्षि । देवऽ
 तातिं । अष्ट । प्रति । नः । ई । सुरभीणि । व्यंतु । मा । नः । अग्ने । अवीरते । परा । दाः । दुऽवाससे । अ
 मतये । मा । नः । अस्थे । मा । नः । क्षुधे । मा । रक्षसे । ऋतवः । मा । नः । दमे । मा । वने । आ । जुहुर्याः
 । नु । मे । ब्रह्माणि । अग्ने । उत् । शशाधि । त्वे । देव । मघवत् । भ्यः । सुसुदः । राते । स्याम । उभया
 सः । आ । ते । यूयं । पात । स्वस्ति । भिः । सदा । नः ॥ २६ ॥ ॥ त्वं । अग्ने । सुऽहवः । रणवऽसंदृक् ।
 सुऽदीती । सूनोदति । सहसः । दिदीहि । मा । त्वेदति । सचा । तनये । नित्ये । आ । धक् । मा । वीरः ।
 अस्मत् । नर्यः । वि । दासीत् । मा । नः । अग्ने । दुऽमृतये । सचा । एषु । देवऽइहेषु । अग्निषु । प्र ।
 वोचः । मा । ते । अस्मान् । दुऽमतयः । भूमात् । चित् । देवस्य । सूनोदति । सहसः । नशंत । सः । मर्तः ।

प. पं.

॥१२॥

अग्ने। सुऽअनीक। रेवान्। अमर्त्ये। यः। आऽजुहोति। हव्यं। सः। देवता। वसुऽवर्नि।
दधाति। यं। सूरिः। अथऽ। एषुमानः। एति। महः। नः। अग्ने। सुवितस्य। विद्वान्। र
यिं। सूरिऽभ्यः। आ। वह। बृहंतं। येन। वयं। सहसाऽवन्। मदेम। अविऽक्षितासः। आ
युषा। सुऽवीराः। तु। मे। ब्रह्माणि। अग्ने। उत्तर। शशाधि। त्वं। देव। मघवत्सभ्यः। सुसू
दः। रातो। स्याम। उभयासिः। आ। ते। यूयं। पात। स्वस्तिऽभिः। सदा। नः॥ २७॥

॥ इति पंचमाष्टके प्रथमोऽध्यायः॥ ॥ ॐ॥ ॥ जुषस्व। नः।
संऽइधं। अग्ने। अद्य। शोच। बृहत्। यजतं। धूमं। ऋणवन्। उप। स्पृश। दिव्यं। सानु।
सूयेः। म। रश्मिऽभिः। ततनः। सूर्यस्य। नराशंसस्य। महिमानं। एषां। उप। स्तोषाम।
यजतस्य। यज्ञैः। ये। सुऽऋतवः। शुचयः। धियंऽधाः। स्वदंति। देवाः। उभयानि। हव्या
। ईळेन्यं। वः। असुरं। सुऽदर्शं। अंतः। दूतं। रोदसा इति। सत्यऽवाचं। मनुष्यत्। अग्निं।

राम

॥१२॥

मनुना। संऽइंद्रं। सं। अध्वराय। सदा। इत्। महेम। सपर्यवः। भरमाणाः। अभिऽनु। प्र।
चंजते। नमसा। बर्हिः। अग्नौ। आऽजुह्वनाः। घृतऽएषु। एषत्। वत्। अध्वर्यवः। हवि
षा। मर्जयध्वं। सुऽआध्यः। वि। दुरः। देवऽयंतः। अशिऽश्रयुः। रथऽयुः। देवऽताता। पूर्व
इति। शिशुं। न। मातरा। रिहाणेइति। सं। अग्रुवः। न। समनेषु। अंजन्॥ १ ॥ ॥ उत।
योषणेइति। दिव्येइति। महीइति। नः। उषसानक्त। सुदुघाऽइव। धेनुः। बर्हिऽसदा
। पुरुहूतेइति। पुरुऽहूते। मघोनीइति। आ। यज्ञियेइति। सुविताय। श्रयेतां। विप्रा। य
ज्ञेषु। मानुषेषु। कारुइति। मन्ये। वां। जातऽवेदसा। यज्ञध्ये। ऊर्ध्वे। नः। अध्वरं। हुतं।
हवेषु। ता। देवेषु। वनथः। वार्याणि। ॥ २ ॥ ॥ अग्निं। वः। देवं। अग्निऽभिः। सऽजोषाः
। यज्ञिषु। हुतं। अध्वरे। रुणुध्वं। यः। मर्त्येषु। निऽध्रुविः। सतऽवा। तपुऽमूर्धा। घृतऽ
अन्नः। पावकः। प्रोथत्। अश्वः। न। यवसे। अविष्यन्। यदा। महः। संऽवरणात्। वि।

आभारंती ४ क्रु क

आदेस्यकानोअनुवातिशोचि

प. पं. २
॥१३॥

अस्मत्। न। अध। स्म। ते। व्रजते। कृष्ण। अस्ति। उत्। यस्य। ते। नवऽजातस्य। वृष्टः। अग्ने
। चरति। अजराः। इधानाः। अरु। द्यं। अरुषः। धूमः। एति। स। दूतः। अग्ने। ईयसे। हि। देवा
न। वि। यस्य। ते। एथिव्यां। पातः। अश्रेत। तषु। यत्। अन्ना। संऽअवृत्त। जंक्षेः। सेनाऽइव। सु
ष्टा। प्रऽसितिः। ते। एति। यवं। न। दस्म। जुक्ता। विवेक्षि। तं। इत्। दोषा। तं। उषसि। यविष्ठं। अ
ग्निं। अत्यं। न। मर्जयंत। नरः। निऽशिशानाः। अतिथिं। अस्या। योनौ। इदिय। शोचिः। आऽ
हुतस्य। वृष्टः॥ ३ ॥ ॥ सुऽसंदृक्। ते। सुऽअनीक। प्रतीकं। वि। यत्। रुक्मः। न। रोचसे
। उपाके। दिवः। न। ते। तन्यतुः। एति। शुष्मः। चित्रः। न। सूरः। प्रति। चक्षि। भानुं। यथा।
वः। स्वाहा। अग्नये। दाशेम। परि। इकासिः। दूतवत्ऽभिः। च। हव्यैः। तेभिः। नः। अग्ने
। अमितेः। महऽभिः। शतं। पूऽभिः। आयसीभिः। नि। पाहि। याः। वा। ते। संति। दाशुर्व।
अष्टष्टाः। गिरः। वा। याभिः। नृऽवतीः। उरुष्याः। ताभिः। नः। सूनोइति। सहसः। नि। पा

राम
॥१३॥

युयं०

हि। स्मत्। सूरिन्। जरितृन्। जातः वेदः। निः। यत्। पूताः इव। स्वः धितिः। शुचिः। गात्र। स्वया।
रूपा। तन्वा। रोचमानः। आ। यः। मात्रोः। उशेन्यः। जनिष्ट। देवः यजुषा य। सुः क्रतुः। पावकः। ए
ता। तः। अग्ने। सो भगा। दिदीहि। अपि। क्रतुं। सुः चेतस। वतेम। विश्वा। सोतः भ्यः। गृणते
। च। संतु० ॥ ४ ॥ ॥ प्रावः। शुक्राय। भानवे। भरध्वं। हव्यं। मतिं। च। अग्नये। सुः पूतं। यः।
देव्यानि। मानुषा। जनूंषि। अंतः। विश्वानि। विघ्नना। जिगाति। सः। गृत्सः। अग्निः। तरुणः
। चित्। अस्तु। यतः। यविष्ठः। अजनिष्ट। मातुः। सं। यः। वना। युवते। शुचिः। दन्। भूरि। चित्
। अन्ना। सं। इत्। अग्नि। सद्यः। अस्य। देवस्य। सं। सदि। अनीके। यं। मर्त्तासः। श्येतं। जगुभ्रे।
नि। यः। गृक्षं। वीरुषेयी। उवोर्वा। दुः। ओक्। अग्निः। आयवे। शुशोच। अयं। कविः। अक
विषु। प्रचेताः। मर्त्तेशु। अग्निः। अमृतः। नि। धायि। सः। मा। नः। अत्रि। जुङ्गुरः। सहस्वः। स
दा। त्वेदति। सुः मनसः। स्याम। आ। यः। योर्नि। देवः दृतं। ससाद। कत्वा। हि। अग्निः। अमृतान्।

प. पं. २
॥ १४ ॥

वसन्ते

एतानो

अतरीत्। तं। ओषधीः। च। वनिनः। च। गर्भं। भूमिः। च। विश्वः। धायसं। विभर्ति॥ ५ ॥ ॥ ईशो।
हि। अग्निः। अमृतस्य। भूरः। ईशो। रायः। सुः। वीर्यस्य। दातोः। मा। त्वा। वयः। सहसा। वन। अवी
रः। मा। अमृतवः। परि। सदा। मा। अदुवः। परि। सद्यः। हि। अरणस्य। रेवणः। नित्यस्य। रायः।
पतयः। स्याम। न। शेषः। अग्ने। अन्यः। जातं। अस्ति। अवेतानस्य। मा। पथः। वि। दुष्टः। नहि। ग्र
भाय। अरणः। सुः। शेवः। अन्यः। उदर्यः। मनसा। मंतवे। ऊंइति। अधः। चित्। ओक्। पुनः। इ
त्। सः। एति। जा। नः। वाजी। अश्वीषाट्। एतु। नव्यः। ॥ ६ ॥ ॥ प्र। अग्नये। तवसे। भरध्वं।
गिरं। दिवः। अरतये। एधिव्याः। यः। विश्वेषां। अमृतानां। उपः। स्ते। वैश्वानरः। वृधे। जागृ
वत्। भिः। एष्टः। दिवि। धारि। अग्निः। एधिव्यां। नेता। सिंधूनां। वृषसः। स्त्रियानां। सः। मा
नुषीः। अभि। विशः। वि। भाति। वैश्वानरः। वृधानः। वरेण। त्वत्। भिया। विशः। आयन्।
असिङ्गीः। असमनाः। जहतीः। भोजनानि। वैश्वानर। पूरवे। शोशुचानः। पुरः। यत्। अग्ने।

राम
॥ १४ ॥

दूरयन्। अदीदेः। तव। त्रिऽधातु। पृथिवी। उत। द्यौः। वैश्वानर। व्रतं। अग्ने। सचंत। त्वं। भा
 सा। रोदसी इति। आ। ततथ। अजस्त्रेण। शोचिषा। शो शुचानः। त्वां। अग्ने। हरितः। वावशा
 नाः। गिरः। सचंते। धुनयः। घृताचीः। पति। कृष्टीनां। रथ्यं। रयीणां। वैश्वानर। उषसा। केतुं।
 अङ्गु। ॥ ७ ॥ ॥ त्वेदति। असुर्य। वसवः। नि। ऋण्वन्। क्रतुं। हि। ते। मित्रऽमहः। जुषते। त्वं।
 दस्यन्। ओकसः। अग्ने। आजः। उरु। ज्योतिः। जनयन्। आर्यायासः। जायमानिः। परमे। विऽ
 ओमन्। वायुः। न। पार्थः। परि। पासि। सद्यः। त्वं। भुवना। जनयन्। अभि। क्रन्। अपत्याय। जा
 तऽवेदः। दशस्यन्। तां। अग्ने। अस्मे इति। इषं। आ। ईरयस्व। वैश्वानर। द्युऽमर्ता। जातऽवेदः
 । यया। राधः। पिन्वसि। विश्वऽवार। पृथु। श्रवः। दाशुषे। मत्याय। तं। नः। अग्ने। मघवन्। भ्यः
 । पुरुऽक्षुं। रयिं। नि। वार्जं। श्रुत्यं। युवस्व। वैश्वानर। महि। नः। शर्म। यष्टु। रुद्रेभिः। अग्ने। वसुऽ
 भिः। सऽजोषाः। ॥ ८ ॥ ॥ प्र। सं। राजः। असुरस्य। प्र। शंसि। पुंसः। कृष्टीनां। अनुऽमाद्यस्य।

प. पं. २
॥१५॥

इंद्रस्यऽ इव । प्र । तवसः । कृतानि । वंदे । दारुं । वंदमानः । विवक्मि । कविं । केतुं । धासिं । भा
तुं । अद्रेः । द्विचंति । शं । राज्यं । रोदस्योः । पुरं । दरस्य । गीः । सिः । आ । विवासे । अग्नेः । व्रता
नि । पूव्या । महानि । नि । अक्रतून् । ग्रथिनः । मृध्रऽ वाचः । पणीन् । अश्रद्धान् । अवृधान् ।
अयज्ञान् । प्र । प्र । तान् । दस्यून् । अग्निः । विवाय । पूर्वः । चकार । अपरान् । अयज्यून् । यः ।
अपाचीने । तमसि । मदतीः । प्राचीः । चकार । नृऽ तमः । शन्वीभिः । तं । ईशानं । वस्वः । अ
ग्निः । गृणीषे । अनानतं । दमयतं । एतन्यून् । यः । देह्यः । अनमयत् । वधऽ स्नेः । यः । अ
र्यऽ पत्नीः । उषसः । चकार । सः । निऽ रुध्यः । नहुषः । यद्वः । अग्निः । विशः । चक्रे । बलिऽ
हृतः । सहऽ भिः । यस्य । शर्मन् । उप । विश्वे । जनासः । एवैः । तस्युः । सुऽ मतिः । सिक्षमा
णाः । वैश्वानरः । वरं । आ । रोदस्योः । आ । अग्निः । ससाद । पित्रोः । उपऽ स्तु । आ । देवः ।
इदे । बुध्या । वसूनि । वैश्वानरः । उत् । इता । सूर्यस्य । आ । समुद्रात् । अवरात् । आ । पर

राम
॥१५॥

स्मात् आ । अग्निः । इदे । दिवः । आ । एथिव्याः ॥ २ ॥ ॥ प्र । वः । दिवं । चित् । सहस्रानं । अ
 ग्निं । अश्वं । न । वाजिनं । दिवे । नमः । भिः । नव । नः । दूतः । अध्वरस्य । विद्वान् । तमना । देवे
 षु । विविदे । मितः । दुः । आ । याहि । अग्ने । पथ्याः । अनु । स्वाः । मंद्रः । देवानां । सरव्यं । जुषा
 णः । आ । मानु । शुष्यैः । नदयन् । एथिव्याः । जंसेभिः । विश्वं । उशधक् । वनानि । प्राचीनः
 । यज्ञः । सुधितं । हि । बर्हिः । प्रीयति । अग्निः । ईक्षितः । न । होता । आ । मातरा । विश्ववा
 रे इति विश्वः । वरि । दुवानः । यतः । यविष्ठ । जज्ञिषे । सुशेवः । सद्यः । अध्वरे । रथिरं । ज
 नेत । मानुषासः । विः । वेतसः । यः । एषां । विशां । अधायि । विशपतिः । दुरोणे । अग्निः । मं
 द्रः । मधुः । वचाः । क्रतुः । वा । असदि । वृतः । वद्विः । आ । जगन्वान् । अग्निः । ब्रह्मा । नृः
 सरने । विः । धन्ता । द्यौः । वा । यं । एथिवी । ववधाते इति । आ । यं । होता । यजति । विश्वः । वा
 रं । एते । द्युमेभिः । विश्वं । आ । अतिरंत । मंत्रं । ये । वा । अरं । नर्याः । अतक्षन् । प्राये । विशः ।

प. पं. २

॥१६॥

तिरंतः। श्रोषमाणाः। आ। ये। मि। अस्य। दीर्घयन्। ऋतस्य। नु। त्वां। अग्ने। ईमहे। वसिष्ठाः।
ईशानं। स्तनोइति। सहसः। वस्मना। इषं। स्तोतुभ्यः। मघवतुभ्यः। आनट। ०॥१०॥ ॥इं
धे। राजा। स। अर्यः। नमः। भिः। यस्य। प्रतीकं। आऽकुत। घृतेन। नरः। हव्येभिः। ईळते। सऽ
बाधः। आ। अग्निः। अग्रे। उषसां। अशोचि। अयं। कुंडति। स्यः। सुऽमहान्। अवेदि। होता।
मंद्रः। मनुषः। यद्गः। अग्निः। वि। भाः। अकरित्यकः। ससृजानः। पृथिव्यां। कृष्णऽपविः।
ओषधीभिः। ववक्षे। कया। नः। अग्ने। वि। वसः। सुऽवृत्तिं। कां। कुंडति। स्वधां। ऋणवः। श
स्यमानः। कदा। भवेम। पतयः। सुऽदत्र। रायः। वतारः। दुस्तरस्य। साधोः। प्रऽप्र। अयं। अग्निः।
भरतस्य। शरणे। वि। यत्। सूर्यः। न। रोचते। बृहत्। भाः। अभि। यः। पूरुं। एतनासु। तस्थे
। द्युतानः। देव्यः। अतिथिः। शुशोच। असन्। इत्। त्वेइति। आऽहवनानि। भूरि। भुवः। वि
श्वेभिः। सुऽमनाः। अनीकैः। स्तुतः। चित्। अग्ने। शरणिवधे। गणानः। स्वयं। वर्धस्व। तन्वं। सुऽ

राम

॥१६॥

नृत्वा

जात। इदं। वचः। शतः। साः। संः। सहस्रं। उत। अग्नये। जनिषीष्ट। द्विः। वहीः। नै। युः। मत्। अ
मीवः। चार्तनं। रक्षः। हा। नै॥ ११॥ ॥ अबोधि। जारः। उषसां। उपः। स्थात। होता। मद्रः। कविः
तमः। पावकः। देधाति। केतुं। उभयस्य। जंतोः। हव्या। देवेषु। द्रविणं। मुहत्सु। सः। सुः। क्रतुः।
यः। वि। दुरः। पुणीनां। पुनानः। अर्कं। पुरुः। भोजसं। नः। होता। मद्रः। विशां। दमूनाः। तिरः। तमः।
दृष्टे। राम्याणां। अमूरः। कविः। अदितिः। विवस्वान्। सुः। संसत्। मित्रः। अतिथिः। शिवः।
नः। चित्रः। भानुः। उषसां। भाति। अग्रे। अयां। गर्भः। प्रः। स्वः। आ। विवेश। ईळेन्यः। वः। मनु
षः। युगेषु। समनः। गाः। अशुचत्। जातः। वेदाः। सुः। सदृशा। भानुना। यः। विः। भाति। प्रति। गा
वः। संः। इधानं। बुधंत। अग्ने। याहि। इत्यं। मा। रिषण्यः। देवान्। अष्ट। ब्रह्मः। दत्ता। गणेन।
सरस्वती। मरुतः। अश्विना। अपः। यक्षि। देवान्। रुल्। धेयाय। विश्वान्। त्वां। अग्ने। संः। इ
धानः। वसिष्ठः। जरूथं। हन्। यक्षि। राये। पुरं। धिं। पुरुः। नीथा। जातः। वेदः। जरस्व। नै॥ १२॥

प. पं. २

॥१७॥

॥ ॥ उषः । न । जारः । एथु । पाजः । अश्रेत । दविद्युतत । दीद्यत । शो शुचानः । वृषा । हरिः । शु
चिः । आ । भाति । भासा । धियः । हिन्वानः । उशतीः । अजीगरिति । स्वः । न । वस्तोः । उषसा । अरो
चि । यज्ञ । तन्वानाः । उशिजः । न । मन्म । अग्निः । जन्मानि । देवः । आ । वि । विद्वान् । इवत् । इतः ।
देवः । याव । वनिष्ठः । अछ । गिरः । मतरयः । देवः । यंतीः । अग्नि । यंति । इविण । भिक्षमाणाः । सुः
संदर्श । सुः । प्रतीक । सुः । अंच । हव्यः । वाह । अरति । मानुषाणां । इंद्र । नः । अग्ने । वसुः । भिः । सुः
लोषाः । रुद्र । रुद्रेभिः । आ । वह । बृहंत । आदित्येभिः । अदिति । विश्वः । जन्या । बृहस्पति । क्र
क्रेभिः । विश्वः । वारं । मंद्र । होतार । उशिजः । यविष्ठ । अग्नि । विशः । ईळते । अध्वरेषु । सः ।
हि । क्षपाः । वान् । अश्ववत् । रयीणां । अतंद्रः । इतः । यज्ञथाय । देवान् ॥१३॥ ॥ महान् । अ
सि । अध्वरस्य । प्रः । केतः । न । क्रते । त्वत् । अमृताः । मादयंते । आ । विश्वेभिः । सः । रथं । याहि । दे
वेः । नि । अग्ने । होता । प्रथमः । सद । इहात्वा । ईळते । अजिरं । इत्याय । हविष्मंतः । सद । इत् ।

राम

॥१७॥

अग्निरीशे बृहतो

मानुषासः। यस्य। देवैः। आ। असदः। बर्हिः। अग्ने। अहानि। अस्मे। सुऽदिना। भवंति। त्रिः। चि
त्र। अक्तेः। प्र। चिकितुः। वसूनि। त्वेदति। अंतः। दाशुषे। मर्त्याय। मनुष्यत। अग्ने। इह। यक्षि। दे
वान्। भवानः। इतः। अभिशस्तिऽपावा। ०। अध्वरस्य। अग्निः। विश्वस्य। हविषः। कृतस्य। कर्तुं।
हि। अस्य। वसवः। जुषत। अथ। देवाः। दधिरे। हव्यऽवाह। आ। अग्ने। वह। हविः। अद्याय। देवा
न्। इह। ५। ज्येष्ठासः। इह। मादयन्ता। इमं। यज्ञ। दिवि। देवेषु। घेहि। ०॥१४॥ ॥ अगन्म। मुहा। नम
सा। यविष्ठ। यः। दीदाय। संऽइहः। स्वे। दुरोणे। चित्रऽभानुं। रोदसीइति। अंतः। उवइति। सुऽआ
कृतं। विश्वतः। प्रत्यं च। सः। मङ्गा। विश्वा। दुः। इतानि। सङ्कान्। अग्निः। स्रवे। दमे। आ। जातऽ
वेदाः। सः। नः। रक्षिषत। दुः। इतत। अवद्यात। अस्मान्। गृणतः। उत। नः। मघोनः। त्वं। वरुणाः।
उत। मित्रः। अग्ने। त्वां। वर्धति। मतिऽनिः। वसिष्ठाः। त्वेदति। वसु। सुऽसननानि। संतु। ०॥१५॥
॥ ॥ प्र। अग्नये। विश्वऽशुचे। धियंऽधे। असुरऽघ्ने। मन्मा। धीतिं। भरध्वं। भरे। हविः। न। बर्हि

प. पं. २

॥१८॥

वि। प्रीणानः। वैश्वानराय। यतये। मतीनां। त्वं। अग्ने। शोचिषा। शोशुचानः। आ। रोदसीइति। अ
एणाः। जायमानः। त्वं। देवान्। अभिःशस्तिः। अमुं चः। वैश्वानर। जातः वेदः। महिःत्वा। जातः।
यत्। अग्ने। भुवना। वि। अरव्यः। पशून्। न। गोपाः। इर्यः। परिः। ज्मा। वैश्वानर। ब्रह्मणे। विंद। गा
तुं। ॥१६॥ ॥ संऽइधा। जातः वेदसे। देवाय। देवदूतिः। भिः। हविः। भिः। शुक्रः। शोचिषे। नमस्वि
नः। वयं। दाशेम। अग्नये। वयं। ते। अग्ने। संऽइधा। विधेम। वयं। दाशेम। सुः। सुती। यजत्र। वयं
। घृतेन। अध्वरस्य। होतः। वयं। देव। हविषा। भद्रः। शोचि। आ। नः। देवेभिः। उप। देवः। दूतिः। अग्ने
। याहि। वर्षट्। कृतिः। जुषाणः। तुष्यं। देवाय। दाशतः। स्याम। ॥१७॥ ॥ उपऽसद्याय। मीकृषे।
आस्ये। जुहुत। हविः। यः। नः। नेदिष्ठं। आप्यं। यः। पंच। वर्षणीः। अभि। निः। ससाद। दमेऽदमे। न
सः। नः। वेदः। अमात्यं। अग्निः। रक्षतु। विश्वतः। उत। अस्मान्। पातु। अहसः। नवां। नु। स्तोमं। अ
ग्नये। दिवः। श्येनाय। जीजनं। वस्वः। कुवित्। वनाति। नः। स्पार्हाः। यस्य। श्रियः। दृशे। रयिः। वी

राम

॥१८॥

क विगृह्यतिरुषा

रऽवतः। यथा। अग्रे। यज्ञस्य। शोचतः॥१८॥ ॥ सः। इमां। वेतु। वषट्। कृतिं। अग्निः। जुष
 त। नः। गिरः। यज्ञिष्ठः। हव्यः। वाहनः। नि। त्वा। नक्ष्य। विश्वते। द्युः। मंतं। देव। धीमहि। सुऽवीर
 अग्ने। आऽ। द्रुत। क्षपः। उस्त्रः। च। दीदिहि। सुऽअग्नयः। त्वया। वर्य। सुऽवीरः। त्वं। अस्मऽयुः। उ
 प। त्वा। सातये। नरः। विप्रसिः। यंति। धीतिऽभिः। उप। अक्षरा। सहस्रिणी। अग्निः। रक्षसि। सिध
 ति। शुक्रऽशोचिः। अमर्त्यः। शुचिः। पावकः। ईदृजः॥१९॥ ॥ सः। नः। राधांसि। आ। भर। ईशानः।
 सहस्रः। यहोइति। भगः। च। दातु। वार्य। त्वं। अग्ने। वीरऽवत। यशः। देवः। च। सविता। भगः। दितिः
 च। दाति। वार्य। अग्ने। रक्ष। नः। अंहसः। प्रति। स्म। देव। रिषतः। तपिष्ठेः। अजरः। दह। अध।
 मही। नः। आयसी। अनाधृष्टः। नृऽपीतये। पूः। भव। शतऽभुजिः। ०। दोषाऽवस्तः। अघऽयतः
 दिवा। नक्तं। अदास्य॥२०॥ ॥ एना। वः। अग्नि। नमसा। ऊर्जः। नपातं। आ। द्रुवे। प्रियं। चे
 तिष्ठं। अरतिं। सुऽअध्वरं। विश्वस्य। दूतं। अमृतं। सः। योजते। अरुषा। विश्वऽमोजसा। सः। दुद्रवत।

त्वं नः पातये सो

प. पं. २

॥१८॥

वंहिरं लघा अ

मुऽआहुतः। मुऽब्रह्मा। यज्ञः। मुऽशमी। वसूनां। देवं। राधः। जनानां। उत्। अस्य। शोचिः। अस्था
त। आऽजुह्वानस्य। मीकृषः। उत्। धूमासः। अरुषासः। दिविऽस्पृशः। सं। अग्निऽइधते। नरः।
तं। त्वा। इतं। कृणमहे। यशः। तमं। देवान्। आ। वीतये। वह। विश्वा। सूनो इति। सहसः। मर्तः।
भोजनं। रास्व। तत्। यत्। त्वा। ईमहे। त्वं। अग्ने। गृहऽपतिः। त्वं। होता। नः। अध्वरे। त्वं। पो
ता। विश्वऽवार। प्रऽचेताः। यक्षि। वेषि। च। वार्ये। कृधि। रत्नं। यज्ञमानाय। सुक्रतो इति। मुऽक्र
तो। न। आ। नः। ऋते। शिशीहि। विश्वे। ऋत्विजं। मुऽशंसः। यः। च। दक्षते॥ ११॥ ॥ त्वे इति।
अग्ने। मुऽआहुतः। प्रियासः। सतु। सूरयः। यंतारः। ये। मघऽवानः। जनानां। ऊर्वन्। दयंत। गो
नो। येषां। इळा। घृतऽहस्ता। दुरोणे। आ। अपि। प्राता। निऽसीदति। तान्। त्रायस्व। सहस्य।
द्रुहः। निदः। यच्छानः। शमी। दीर्घऽश्रुतः। सः। मंद्रया। च। जिह्वया। वक्त्रिः। आसा। विदुऽतरः।
अग्ने। रयिं। मघवत्। भ्यः। नः। आ। वह। हव्यऽदाति। च। स्रूय। ये। राधांसि। ददति। अश्व्या।

राम

॥१८॥

मघा॥ कामेन॥ श्रवसः॥ महः॥ तान्॥ अंहसः॥ पिण्डि॥ पत्तः॥ भिः॥ त्वं॥ शतं॥ पूः॥ भिः॥ यविष्य
देवः॥ वः॥ द्रविणः॥ दाः॥ पूर्णा॥ विवृष्टि॥ आ॥ सिन्ध॥ उत्त॥ वा॥ सिन्ध॥ उत्त॥ वा॥ एणध्व॥ आत्
इत्त॥ वः॥ देवः॥ ओहते॥ त॥ होतारं॥ अध्वरस्य॥ प्रचेतसं॥ वर्द्धि॥ देवाः॥ अकृण्वत॥ दधाति
रत्नं॥ विधत्ते॥ सु॥ वीर्यं॥ अग्निः॥ जनाय॥ दाशुषे॥ २२ ॥ ॥ अग्ने॥ भव॥ सु॥ समिधा॥ सं॥ इ
द्धः॥ उत्त॥ वर्द्धिः॥ उर्विया॥ वि॥ स्तृणीता॥ उत्त॥ द्वारः॥ उशतीः॥ वि॥ श्रयंता॥ उत्त॥ देवान्॥ उशतः
॥ आ॥ वह॥ इह॥ अग्ने॥ वीहि॥ हविषा॥ यक्षि॥ देवान्॥ सु॥ अध्वरा॥ कृणुहि॥ जात॥ वेदः॥ सु॥
अध्वरा॥ करति॥ जात॥ वेदाः॥ यक्षत॥ देवान्॥ अमृतान्॥ पिप्रयत॥ च॥ वंस्व॥ विश्वा॥ वार्याणि
प्रचेतइति॥ प्रचेतः॥ सत्याः॥ भवंतु॥ आ॥ शिषः॥ नः॥ अद्या॥ त्वा॥ ऊंइति॥ ते॥ इधिरे॥ हव्यः
वाहे॥ देवासः॥ अग्ने॥ ऊर्जः॥ आ॥ नपातं॥ ते॥ ते॥ देवाय॥ दाशतः॥ स्याम॥ महः॥ नः॥ रत्नं॥ वि
द्धः॥ इयानः॥ २३ ॥ ॥ त्वेइति॥ ह॥ यत्॥ पितरः॥ सित॥ नः॥ इद्र॥ विश्वा॥ वामा॥ जरिता

प. पं. २

॥ २० ॥

रः। असन्वन्। त्वेइति। गावः। सुऽदुघाः। त्वेइति। हि। अश्वः। त्वं। वसु। देवऽयते। व
निष्ठः। राजाऽइव। हि। जनिऽभिः। क्षेपि। एव। अव। द्युऽभिः। अभि। विदुः। कुविः। स
नृ। पिशा। गिरः। मघऽवन्। गोभिः। अश्वैः। त्वाऽयतः। शिशीहि। राये। अस्मान्। इ
माः। ऊंइति। त्वा। पस्पृधानासः। अत्र। मंद्राः। गिरः। देवऽयंतीः। उप। स्त्रुः। अवचि।
ते। पथ्या। रायः। एतु। स्याम। ते। सुऽमतौ। इंद्र। शर्मन्। धेनुं। न। त्वा। सुऽयवसे।
दुधुक्षन्। उप। ब्रह्मणि। मसृजे। वसिष्ठः। त्वां। इत्। मे। गोऽपतिं। विश्वः। आ
ह। आ। नः। इंद्रः। सुऽमतिं। गंतु। अछु। अर्णसि। चित्। पप्रथाना। सुऽदासे। इंद्रः।
गाधानि। अकृणोत्। सुऽपारा। शर्धतिं। शिम्युं। उचथस्य। नव्यः। शापं। सिंधूनां। रम
अकृणोत्। अशस्त्रीः॥ २४ ॥ ॥ पुरोक्ताः। इत्। तुर्वशः। यक्षुः। आसीत्। राये। मेत्स्या॥ २५ ॥
सः। निऽशिताः। अपिऽइव। श्रुष्टिं। चक्रुः। भृगवः। द्रुह्यवः। च। सरवा। सरवायं। अत

रत्न। विष्टोः। आ। पक्थासः। भलानसः। भनंत। आ। अलिनासः। विष्ठाणिनः। शिवा
 सः। आ। यः। अनयत्। सधः। माः। आर्यस्य। गव्या। तत्सुः। भ्यः। अजगन्। युधा। नृन्। दुः।
 आध्यः। अदितिं। स्त्रिवयंतः। अचेतसः। वि। जगत्त्रे। परुष्णी। मद्रा। अविब्यक्। एधि
 वी। पत्यमानः। पशुः। कविः। अशायत्। चायमानः। ईयुः। अर्थं। न। निः। अर्थं। परुष्णी।
 आशुः। वन। इत्। अभिः। पित्वं। जगाम। सुः। दासे। इंद्रः। सुः। तुकनि। अमित्रनि। अरधय
 त्। मानुषे। वध्रिः। वान्वः। ईयुः। गावः। न। यवसात्। अगोपाः। यथाः। कृतं। अभि। मि
 त्रं। चितासः। एभिः। गावः। एभिः। निप्रेवितासः। श्रुष्टिं। चक्रुः। निः। युतः। रंतयः। च।
 ॥२५॥ ॥ एकं। च। यः। विंशतिं। च। श्रवस्या॥ वैकर्णयोः। जनानि। राजा। नि। अस्तरि
 त्यस्तः। दस्मः। न। सद्यन्। नि। शिशाति। बर्हिः। शूरः। सर्गं। अकृणोत्। इंद्रः। एषा। अ
 धं। श्रुतं। कवर्षं। वृद्धं। अशुः। सु। अनु। द्रुह्यु। नि। वृणाक्। वज्रः। बाहुः। वृणानाः। अत्र। स

प. पं. २
॥ २१ ॥

ख्याय। सरव्य। त्वाऽयंतः। ये। अमदन्। अनु। त्वा। वि। सद्यः। विश्वा। दृंहितानि। एषां। इंद्रः।
पुरः। सहसा। सप्त। दर्दरिति दर्दः। वि। आनवस्य। तत्सवि। गयं। भाक्। जेषा। पूरुं। विद
थे। मृध्रऽवाचं। नि। गव्यवः। अनवः। द्रुह्यवः। च। षष्टिः। शता। सुसुपुः। षट्। सहस्रा। ष
ष्टिः। वीरासः। अधि। षट्। दुवः। यु। विश्वा। इत्। इंद्रस्य। वीर्या। कृतानि। इंद्रेण। एते। तत्स
वः। वेविषाणाः। आपः। न। सृष्टाः। अधवंत। नीचीः। दुः। मित्रासः। प्रकलऽवित्। मिमानाः।
जदुः। विश्वानि। भोजना। सुऽदासे॥ २६ ॥ ॥ अर्धं। वीरस्य। शतऽपां। अनिंद्रं। परा। श
र्धतं। नुनुदे। अभि। क्षां। इंद्रः। मन्युं। मन्युऽम्यः। मिमाय। भेजे। पथः। वर्त्तनिं। पत्यमानः।
आध्रेण। चित्। तत्। ऊंइति। एकं। चकार। सिंध्य। चित्। पेल्वेन। जघान। अव। स्रक्तीः। वे
श्या। अदश्चत्। इंद्रः। प्र। अयच्छत्। विश्वा। भोजना। सुऽदासे। शश्वंतः। हि। शत्रवः। ररधुः।
ते। भेदस्य। चित्। शर्धतः। विंद। रंधिं। मर्त्तनि। एनः। स्तुवतः। यः। कृणोति। तिग्मं। तस्मिन्।

राम
॥ २४ ॥

नि। जहि। वज्रं। इंद्र। आवर्त। इंद्र। यमुना। तत्सवः। च। प्र। अत्र। भेदं। सर्वः। ताता। मुषायत्
 । अजासः। च। शिग्रवः। यक्षवः। च। बलिं। शीर्षाणि। जभ्रुः। अश्व्यानि। न। ते। इंद्र। सुः। म
 तयः। न। रायः। संऽचक्षे। पूर्वाः। उषसः। न। नूलाः। देवकं। चित्। मान्यमानं। जघंथा। अ
 व। त्मना। बृहतः। शंबरं। भेत्॥ २७ ॥ ॥ प्र। ये। गृहात्। अममदुः। त्वाऽया। पराऽशरः।
 शतऽयातुः। वसिष्ठः। न। ते। भोजस्य। सरव्यं। मृषंत। अधः। सूरिऽभ्यः। सुऽदिना। वि। उ
 घ्नान्। द्वेदति। नप्तुः। देवऽवतः। शतेदति। गोः। द्वा। रथा। वधूऽमंता। सुऽदासः। अहर्नु।
 अग्ने। पैजऽवनस्य। दानं। होताऽइव। सद्यः। परि। एमि। रिषन्। चत्वारः। मा। पैजऽव
 नस्य। दानाः। स्मत्ऽदिष्टयः। वृशानिनः। निरेके। क्रुज्जासः। मा। एथि विऽस्थाः। सुऽ
 दासः। लोकं। लोकाय। श्रवसे। वहंति। यस्य। श्रवः। रोदसीदति। अंतः। उर्वीदति। शीर्षेऽ
 शीर्षे। विऽवभाज। विऽभक्ता। सप्त। इत्। इंद्रं। न। स्रवतः। गृणंति। नि। युध्यामधिं। अ

प. पं. २

॥ २२ ॥

वंह लयदिदु

शिशान्। अभीके। इमं। नरः। मरुतः। सश्चत। अनु। दिवः। दासं। न। पितरं। सु। दासः। अ
विष्टन। ऐजः। वनस्य। केतं। दुः। नशं। क्षत्रं। अजरं। दुवः। यु॥ २८ ॥ ॥ यः। तिग्मः। शृंगः।
वृषभः। न। भीमः। एकः। कृष्टीः। व्यवयति। प्र। विश्वाः। यः। शश्वतः। अदाशुभः। गयस्य
। प्र। यन्ता। असि। सुस्विः। तराया। वेदः। ॥ ॥ कुत्सं। आवः। शुश्रूषमाणः। तन्वा। स। मर्ये। दा
सं। यत्। शुष्मं। कुर्यवं। नि। अस्मे। अरंधयः। आर्जुनेयाया। शिक्षन्। त्वं। धृष्टो इति। धृष
ता। वीतः। हव्यं। प्र। आवः। विश्वाभिः। ऊतिः। भिः। सु। दासं। प्र। पौरुः। कुत्सिं। त्रसदस्यु। आ
वः। क्षेत्रं। साता। वृत्रः। हत्येषु। पूरुं। त्वं। नृः। भिः। नृः। मनः। देवः। वीतो। भूरीणि। वृत्रा।
हरिः। अश्वः। हंसि। त्वं। नि। दस्यु। चुमुनिं। धुनिं। च। अस्वापयः। दधीतये। सु। हंतुं। तव।
व्योलानि। वज्रः। हस्त। तानि। नव। यत्। पुरः। नवतिं। च। सद्यः। निः। वेशने। शतः। तमा।
अविवेपीः। अहन्। च। वृत्रं। नमुचिं। उत। अहन्॥ २२ ॥ ॥ ॥ ॥ जोज्जनानि। रातः। हव्याय।

राम

॥ २५ ॥

सनातातदंद्

राशुर्वे। सुऽदामे। वृह्ये। ते। हरीइति। वृषणा। युनज्मि। व्यंतु। ब्रह्माणि। पुरुऽशाक। वाजं।
 मा। ते। अस्यां। सहसाऽवनू। परिह्ये। अधाय। भूम। हरिऽवः। पराऽदे। त्रायस्व। नः। अरुके
 भिः। वस्तुयेः। तवा। प्रियासः। सूरिषु। स्याम। प्रियासः। इत्। ते। मघऽवनू। अभिह्ये। नरः।
 मदेम। शरणे। सरवायः। नि। तुर्वशं। नि। याद्व। शिशिहि। अतिथिऽग्वाय। शंस्ये। कुरिष्यन्।
 सद्यः। चित्। नु। ते। मघऽवनू। अभिह्ये। नरः। शंसति। उक्थऽशसः। उक्था। ये। ते। हवे
 भिः। वि। पणीन्। अदशिनू। अस्मान्। वृणीष्व। युज्याय। तस्मै। एते। स्तोमाः। नरां। नृऽत
 म। तुभ्यं। अस्मद्भ्यंचः। ददतः। मघानि। तेषां। इंद्र। वृत्रऽह्ये। शिवः। भूः। सरवा। च। शूरः।
 अविता। च। नृणां। नु। इंद्र। शूर। स्तवमानः। ऊती। ब्रह्मऽजूतः। तन्वा। ववृधस्व। उपानः।
 वाजान्। मिमीहि। उप। स्तीन्। ॥ ३० ॥

॥ इति पंचमाष्टके द्वितीयोऽध्यायः ॥

॥ ॐ ॥ ॥ उग्रः। जज्ञे। वीर्याय। स्वधाऽवान्। चक्रिः। अपः। नर्यः। यत्। क

प.पं.३
॥२३॥

रिष्यन्। जग्मिः। युवा। नृः। सदनं। अवः। भिः। ज्ञाता। नः। इंद्रः। एनसः। महः। चित्र। हंता।
वृत्रं। इंद्रः। शशुवानः। प्र। आवीत। नु। वीरः। जरितारं। ऊती। कर्त्ता। सुः। दासे। अहं। वै।
ऊदति। लोकं। दाता। वसु। मुकुः। आ। दाशुषे। भूत। युधाः। अनर्वा। खजः। कृत्। सम
तः। वा। शरः। सत्राषाट्। जनुषा। ई। अषाकूः। वि। आसे। इंद्रः। एतनाः। सुः। ओजाः। अधः।
विश्वं। शत्रुः। यंतं। जघान। उसेइति। चित्र। इंद्रः। रोदसीइति। महिः। त्वा। आ। पप्राथ। तवि
षीभिः। तुविष्मः। नि। वज्रं। इंद्रः। हरिः। वान्। मिमिक्षन्। सं। अधसा। मदेषु। वै। उवोन्व।
वृषा। जजान। वृषणं। रणाय। तं। ऊदति। चित्र। नारी। नर्यं। सस्रव। प्रायः। सेनाः। नीः। अ
धः। नृः। भ्यः। अस्ति। इनः। सत्वा। गोः। एषणः। सः। धृष्टुः॥ १ ॥ ॥ नु। चित्र। सः। भ्रेषते।
जनः। न। रेषत्। मनः। यः। अस्या। घोरं। आः। विवसि। यज्ञेः। यः। इंद्रे। दधते। दुर्वासि।
क्षयत्। सः। राये। कृतः। पाः। कृते। जाः। यत्। इंद्रः। पूर्वः। अपराय। शिक्षन्। अयत्। ज्यायान्।

राम
॥२३॥

कनीयसः। देष्टुं। अमृतः। इत्। परि। आसीत्। दूरं। आ। वित्र। वित्र्यं। भर। रयिं। नः। यः। ते। इं
 द्र। प्रियः। जनैः। दद। शत्रु। असत्। निरेके। अद्रिः। वः। सर्वा। ते। वयं। ते। अस्या। सुः। मतो। चनि
 षाः। स्याम। वस्तुथे। अघ्नतः। नृः। पीतो। एषः। स्तोमः। अचिक्रदत्। वृषा। ते। उत। स्तामुः। म
 घः। वन्। अक्रपिष्ट। रायः। कामः। जरितारं। ते। आ। अगन्। त्वं। अंग। शक्र। वस्वः। आ। शकः।
 नः। सः। नः। इंद्र। त्वः। यताये। दुषे। धाः। त्मना। च। ये। मघः। वानः। जुनंति। वस्वी। सुते। जरित्रे
 । अस्तु। शक्तिः॥ १०॥ २॥ ॥ असावि। देवं। गोः। ऋजीकं। अंधः। नि। अस्मिन्। इंद्रः। जनुषा। इं
 । उवोच। बोधा। मसि। त्वा। हरिः। अश्व। यज्ञेः। बोध। नः। स्तोमं। अंधसः। मदेषु। प्रायंति। यज्ञं
 । विपर्ययति। बर्हिः। सोमः। मादः। विदधे। दुध्राः। वाचः। नि। ऊंइति। भ्रियंते। यशसः। गृप्तात्। आ
 । दूरेः। उपवृः। वृषणः। नृः। सार्वः। त्वं। इंद्र। स्रवितवै। अपः। करितिकः। परि। स्थिताः। अहिना
 । शूर। पूवरः। त्वत्। वावक्रे। रथ्यः। न। धेनाः। रेजंति। विश्वो। रुत्रिमाणि। भीषा। भीमः। विवेष। आ

प.पं.३
॥२४॥

सुधेभिः। एषां। अपांसि। विश्वा। नर्याणि। विद्वान्। इंद्रः। पुरः। जहृषाणाः। वि। दूधोत्। वि।
वज्रं। हस्तः। महिना। जघान। न। यातवः। इंद्र। जूजुवुः। नः। न। वंदेना। शविष्ठा। वेद्याभिः।
सः। शर्धत्। अर्यः। विषुणस्य। जंतोः। मा। शिश्रः। देवाः। अपि। गुः। क्रतं। नः॥ ३ ॥ ॥ अभि।
क्रत्वा। इंद्र। भूः। अध। जमन्। न। ते। विव्यक्। महिमानं। रजांसि। स्विन। हि। वृत्रं। शवसा।
जघंथे। न। शत्रुः। अंतं। विविदत्। युधा। ते। देवाः। चित्ते। असुर्याय। पूर्वे। अनु। क्षत्राय
। ममिरे। सहांसि। इंद्रः। मघानि। दयते। विः। सह्य। इंद्र। वाजस्य। जोदुवंत। सातो। की
रिः। चित्। हि। त्वां। अवसे। जुहाव। ईशानं। इंद्र। सीमंगस्य। शूरेः। अवः। बभूथ। श
तं। ऊते। अस्मेदति। अभिः। क्षत्तुः। त्वाः। वतः। वस्तुता। सरवायः। ते। इंद्र। विश्वह। स्याम
। नमः। वृधासः। महिना। तरुत्र। वन्वंतु। स्म। ते। अवसा। सं। ईके। अभिः। इति। अर्यः।
वनुषा। शवांसि। ॥४॥ ॥ पिव। सोमं। इंद्र। मंदतु। त्वा। यं। ते। सुसाव। हरिः। अश्व। अ

राम
॥२४॥

सनइंद्रक

द्विः। सीतुः। बाहुः। भ्यां। सुः यतः। न। अवी। यः। ते। मदः। युज्यः। चारुः। अस्ति। येन। वृत्रा
 नि। हरिः। अश्वः। हंसि। सः। त्वां। इंद्र। प्रभुवसो इति प्रभुः वसो। ममत्तु। बोध। सु। मे। मघः
 वन्। वाचं। आ। इमां। यां। ते। वसिष्ठः। अर्चति। प्रः शक्तिं। इमा। ब्रह्म। सधः। मादे। जुषस्व
 । श्रुधि। हव। विः। पिपानस्य। अद्रेः। बोध। विप्रस्य। अर्चतः। मनीषां। हृष। दुवांसि। अं
 तमा। सचा। इमा। न। ते। गिरः। अपि। मृष्ये। तुरस्य। न। सुः। स्तुति। असुर्यस्य। विद्वान्। स
 दा। ते। नाम। स्वः। यशः। विवस्मि॥ ५॥ ॥ भूरि। हि। ते। सवना। मानुषेषु। भूरि। मनीषी।
 हवते। त्वां। इत्। मा। आरे। अस्मत्। मघः वन्। ज्योक्ते। करितिकः। तुभ्य। इत्। इमा। सव
 ना। शूर। विश्वो। तुभ्ये। ब्रह्माणि। वर्धना। हृणोमि। त्वं। नृः। निः। हव्यः। विश्वधा। असि
 । नु। चित्। नु। ते। मन्यमानस्य। इस्मा। उत। अश्रुवन्ति। महिमानं। उग्र। न। वीर्यं। इंद्र। ते।
 न। राधः। ये। च। पूर्वे। ऋषयः। ये। च। नूलाः। इंद्र। ब्रह्माणि। जनयंत। विप्राः। अस्मे इति।

प. पं. ३

॥२५॥

ते। संतु। सरव्या। शिवानि। ०॥ ६ ॥ ॥ उत्तर। ऊं इति। ब्रह्माणि। ऐरत। श्रवस्या। इंद्र। सऽमर्ये। म
हय। वसिष्ठ। आ। यः। विश्वानि। शर्वसा। ततान। उपऽश्रोता। मे। ईवतः। वचांसि। अर्यामि।
घोषः। इंद्र। देवऽजांसिः। इरज्यंत। यत्। शुरुधः। विऽवाचि। नहि। स्व। आयुः। चिकिते। ज
नेषु। तानि। इत्। अंहंसि। अति। पर्वि। अस्मान्। युजे। रथं। गोऽएषणं। हरिऽभ्या। उप। ब्र
ह्माणि। जुजुषाणं। अस्तुः। वि। बाधिषास्यः। शेदसीदति। महिऽत्वा। इंद्रः। वज्राणि। अ
प्रति। जघन्वान्। आपः। चित्। पिप्युः। स्तर्यः। न। गावः। नक्षन्। क्रतं। जरितारः। ते। इंद्र।
याहि। वायुः। न। निऽयुतः। नः। अन्। त्वं। हि। धीभिः। दयसे। वि। वाजान्। ते। त्वा। मदाः। इं
द्र। मादयंतु। शुष्मिणं। नुविऽराधसं। जरित्रे। एकः। देवऽत्रा। दयसे। हि। मत्तन्। अस्मिन्।
शूर। सर्वने। मादयस्व। एव। इत्। इंद्रं। वृषणं। वज्रऽबाहुं। वसिष्ठासः। अभि। अर्चति
। अर्केः। ०॥ ७ ॥ ॥ ०। सदनै। ०। नृऽभिः। पुरुऽहूत। प्र। याहि। असः। यथा। नः। अवित्ता। व

राम

॥२५॥

धे। च। ददः। वस्तुनि। ममदः। च। सोमैः। गृहीतं। ते। मनः। इंद्र। द्विः बर्हीः। सुतः। सोमः। परिः। सि
 क्ता। मधूनि। विसृष्टः। धेना। भरते। सुः वृत्तिः। इयं। इंद्र। जोडुवती। मनीषा। आ। नः। दिवः। आ।
 एथिव्याः। ऋजीषिन्। इदं। बर्हिः। सोमः। पेयाय। याहि। वहंतु। त्वा। हरयः। मद्र्यं च। आगूषं।
 अद्य। तवसा। मदाय। आ। नः। विश्वाभिः। ऊतिः। भिः। सुः जोषाः। ब्रह्म। जुषाणः। हरिः। अश्व
 । याहि। वरीरुजत। स्थविरेभिः। सुः शिप्र। अस्मेदति। दधत्। वृषणं। शुष्मं। इंद्र। एषः। स्तोमः।
 महे। उग्राय। वाहे। धुरिः। इवा। अत्यः। न। वाजयन्। अधायि। इंद्र। त्वा। अयं। अर्कः। इंद्र। व
 स्तूनां। दिविः। इवा। द्या। अधि। नः। श्रोमंतं। धाः। एवा। नः। इंद्र। वार्यस्य। पूर्यि। प्र। ते। मही। सुः
 मतिं। वेविदाम। इषं। पिन्व। मघवत्। भ्यः। सुः वीरं। ॥ ८ ॥ ॥ आ। ते। महः। इंद्र। ऊती। उग्र
 । सुः मन्यवः। यत्। सं। अरंत। सेनाः। पताति। दिद्युत्। नर्यस्य। बाह्वोः। मा। ते। मनः। विष्वद्वक्
 । वि। चारीत्। नि। दुः। गो। इंद्र। श्रुथिहि। अमित्रान्। अभि। ये। नः। मर्त्तसिः। अमंति। आरे। तं।

प.पं.३
॥२६॥

शंसं। कृणुहि। निनित्सोः। आ। नः। भर। सं। भरणां। वसूनां। शतं। ते। शिपिन्। ऊतयः। सु। दा
से। सहस्रं। शंसाः। उत। रातिः। अस्तु। जहि। वधः। वनुषः। मर्त्यस्य। अस्मे इति। कृन्त। अधि
रत्नं। च। धेहि। त्वाऽवतः। हि। इंद्र। क्रत्वे। अस्मि। त्वाऽवतः। अविनुः। शूर। शतौ। विश्वा। इत।
अहनि। तविषीऽवः। उग्र। ओकः। कृणुष्व। हरिऽवः। न। मर्द्धः। कुत्साः। एते। हरिऽअश्वाया।
शर्यं। इंद्रे। सहः। देवऽजूतं। इयानाः। सत्रा। कृधि। सु। हनो। शूर। वृत्रा। वयं। तरुत्राः। सनुया
म। वाज। ॥ २ ॥ ॥ न। सोमः। इंद्र। असुतः। ममादा। न। अब्रह्मणाः। मघऽवानं। सुतासः।
तस्मै। उक्थं। जनये। यत्। जुजोषत्। नृऽवत्। नवीयः। शृणवत्। यथा। नः। उक्थेऽउक्थे।
सोमः। इंद्र। ममादा। नीथेऽनीथे। मघऽवानं। सुतासः। यत्। इं। सऽबाधः। पितरं। न। पुत्राः। स
मानऽदक्षाः। अवसे। हवते। चकार। ता। कृणवत्। नूनं। अन्या। यानि। ब्रुवन्ति। वेधसः। सु
तेषु। जनीऽइव। पतिः। एकः। समानः। नि। ममृजे। पुरः। इंद्रः। सु। सर्वाः। एवातं। आहुः। उ

शम
॥२६॥

त। शृण्वे। इंद्रः। एकः। विभक्ता। तरणिः। मघानां। मिथुः। तुरः। ऊतयः। यस्य। पूवः। अ
 स्मेदति। भद्राणि। सश्वत। प्रियाणि। एव। वसिष्ठः। इंद्रः। ऊतये। नृन्। कृष्णीनां। वृषसं। सुते। गृ
 णाति। सहस्रिणः। उपानः। माहि। वाजान्। ॥ १०॥ ॥ इंद्रः। नरः। नेमः। धिता। हवते। यत्। पार्थः।
 युनजते। धियः। ताः। शरः। नृः। साता। शर्वसः। चकानिः। आ। गोः। मति। वृजे। भज। त्वानः। यः।
 इंद्रः। शुष्मः। मघः। वन। ते। अस्ति। शिखः। सखिः। भ्यः। पुरुः। दूत। नृः। भ्यः। त्व। हि। दृक्। मघः। व
 न्। विचेताः। अप। वृधि। परिः। वृतां। न। राधः। इंद्रः। राजा। जगतः। चर्षणीनां। अधि। क्षमि। वि
 षुः। रूपं। यत्। अस्ति। ततः। ददाति। दाशुषे। वस्मनि। वीदत्। राधः। उपः। सुतः। चित्। अर्वाकु
 नु। चित्। नः। इंद्रः। मघः। वा। सः। दूती। दानः। वाजं। नि। यमते। नः। ऊती। अनूना। यस्य। दक्षि
 णा। पीपाय। वामं। नृः। भ्यः। अभिः। वीता। सखिः। भ्यः। नु। इंद्रः। राये। वरिवः। कृधि। नः। आ। ते। म
 नः। ववत्याम। मघाय। गोः। मत्। अश्वः। वत्। रथः। वत्। व्यतः। ॥ ११॥ ॥ ब्रह्म। नः। इंद्रः। उपाया

प.पं.३
॥२७॥

हि। विद्वान्। अर्वचिः। ते। हरयः। संतु। युक्ताः। विश्वे। चित्। हि। त्वा। विऽहवन्त। मर्त्ताः। अस्माकं।
इत्। शृणुहि। विश्वंऽइन्वा। हवं। ते। इंद्र। महिमा। वि। आनट्। ब्रह्म। यत्। पासि। शवसिन्। कृ
षीणां। आ। यत्। वज्रं। दधिषे। हस्ते। उग्र। घोरः। सन्। कृत्वा। जनिष्ठाः। अषाकः। तवा। प्रऽनीती
। इंद्र। जोदुवानान्। सं। यत्। नृन्। न। रोदसीइति। निनेथ। महे। क्षत्राय। शवसे। हि। जज्ञे। अ
तृत्तुजिं। चित्। तृत्तुजिः। अशिश्नत्। एभिः। नः। इंद्र। अहऽभिः। दशस्यादुऽमित्रासः। हि। क्षि
तयः। पर्वते। प्रति। यत्। चष्टे। अनृतं। अनेनाः। अव। हिता। वरुणाः। मायी। नः। सात्। वोचेम
। इत्। इंद्रं। मघऽवानं। एनं। महः। रायः। राधसः। यत्। ददत्। नः। यः। अर्वतः। ब्रह्मऽकृतिः।
अविष्ठः॥०॥१२॥ ॥अयं। सोमः। इंद्र। तुभ्यं। मुन्वे। आ। तु। प्र। याहि। हरिऽवः। तत्। ओकाः।
पिब। तु। अस्या। सुऽसुतस्य। चारोः। ददः। मघानि। मघऽवन्। इयानेः। ब्रह्मन्। वीर। ब्रह्मन्।
कृतिं। जुषाणाः। अवर्चिनः। हरिभिः। याहि। तूर्यं। अस्मिन्। ऊर्त्ति। सु। सर्वने। मादयस्व। उ

राम
॥२७॥

प। ब्रह्माणि। शृणवः। इमा। नः। का। ते। अस्मि। अरं। कृतिः। सु। उक्तेः। कदा। नूनं। ते। मघः
 वन्। दाशेम। विश्वाः। मतीः। आ। ततने। त्वा। या। अध। मे। इंद्र। शृणवः। हवा। इमा। उतो। इ
 ति। घाते। पुरुष्याः। इत्। आसने। येषां। पूर्वेषां। अष्टणोः। ऋषीणां। अध। अहं। त्वा। मघः वन्
 । जोहवीमि। त्वं। नः। इंद्र। अस्मि। प्र। मतिः। पिता। इव। ॥ १३ ॥ ॥ आ। नः। दिव। शर्वसा। या
 हि। शुष्मिन्। भव। वृधः। इंद्र। रायः। अस्या। महे। नृम्याय। नृपते। सु। वज्र। महि। क्षत्रा
 य। पौंस्याय। शूर। हवन्ते। ऊइति। त्वा। हव्यं। वि। वाचि। तनूषु। शूराः। सूर्यस्य। सातो।
 त्वं। विश्वेषु। सेन्यः। जनेषु। त्वं। वृत्राणि। रुंधय। सु। हंतु। अहं। यत्। इंद्र। सु। दिना। वि।
 उच्छान्। दधः। यत्। केतुं। उप। मं। समत्। सु। ति। अग्निः। सीदत्। असुरः। न। होता। ऊ
 वानः। अत्र। सु। भगाय। देवान्। वयं। ते। ते। इंद्र। ये। न। देव। सवन्त। शूर। ददतः। मघा
 नि। यत्। सूरिभ्यः। उप। मं। वरुथं। सु। आशुवः। जरणां। अश्रवन्त। ॥ १४ ॥ ॥ प्र। वः। इ

प. पं. ३
॥२८॥

द्राय। मादनं। हरिः। अश्वाय। गायत। सर्वायः। सोमः। पात्रे। शंस। इतर। उक्थं। सुः। दाने
वे। उत्त। द्युक्षं। यथा। नरः। चक्रम। सत्यः। राधसे। त्वं। नः। इंद्र। वाजः। युः। त्वं। गव्युः। श
तक्रतो। इति। शतः। क्रतो। त्वं। हिरण्यः। युः। वसो। इति। ॥०॥ अभि। प्रा। नौनुमः। वृषन्। वि
द्धि। तु। अस्य। नः। वसो। इति। मा। नः। निदे। च। वक्तवे। अर्यः। रं। धीः। अरा। गो। त्वे। इति।
अपि। क्रतुः। मम। त्वं। वर्म। असि। सः। प्रथः। पुरः। योधः। च। वृत्रः। हन्। त्वया। प्रति। ब्रु
वे। युजा॥ १५॥ ॥ महान्। उत्त। असि। यस्य। ते। अनु। स्वधावरी। इति। स्वधाः। वरी।
सहः। मन्त्राते। इति। इंद्र। रोदसी। इति। तं। त्वा। मरुत्वती। परि। भुवत्। वाणी। सः। याव
री। नक्षमाणा। सह। द्युभिः। ऊर्ध्वसिः। त्वा। अनु। इंद्रवः। भुवन्। द्रुसं। उपा। द्यवि।
सं। ते। नमंत। कृष्यः। ॥०॥ महिः। वधे। भरध्वं। प्र। चेतसे। प्रा। सुः। मति। कृणुध्वं। विशः।
पूर्वः। प्रा। वर। वर्षणिः। प्राः। उरुः। व्यचसे। महिने। सुः। वृत्ति। इंद्राय। ब्रह्म। जनयंत।

राम
॥२८॥

विप्राः। तस्य। व्रतानि। न। मिनंति। धीराः। इंद्र। वाणीः। अनुत्तः। मन्युं। एव। सत्रा। रा
 जानं। दधिरे। सहधौ। हरिः। अश्वाय। बर्हय। सं। आपीन्॥ १६॥ ॥ मोदति। सु। त्वा।
 वाघतः। चन। अरे। अस्मत्। नि। रीरमन्। आरात्तात्। चित्। सधः। मार्द। नः। आ। गहि
 इह। वा। सन्। उप। श्रुधि। इमे। हि। ते। ब्रह्मः। हतः। सुते। सचा। मधौ। न। मधः। आस
 ते। इंद्र। कामं। जरितारः। वसुः। यवः। रथे। न। पार्द। आ। दधुः। रायः। कामः। वज्रः। हस्त
 सुः। दक्षिणं। पुत्रः। न। पितरं। कुवे। इमे। इंद्राय। सुन्विरे। सोमासः। दधिः। आशिरः।
 तान्। आ। मदीय। वज्रः। हस्त। पीतये। हरिः। भ्यां। याहि। ओकः। आ। श्रवत्। श्रुत्। क
 र्पः। इयते। वसूनां। नु। चित्। नः। मर्धिषत्। गिरः। सद्यः। चित्। यः। सहस्राणि। शता।
 ददत्। नकिः। दित्संत। आ। मिनत्॥ १७॥ ॥ सः। वीरः। अप्रतिः। स्कुतः। इंद्रेण। शू
 शुवे। नृः। निः। यः। ते। गभीरा। सबनानि। वृत्रः। हन्। सुनोति। आ। च। धावति। भव। व

प. पं. ३
॥ २८ ॥

रुथं। मघऽवन्। मघोनां। यत्। संऽअज्ञासि। शर्धतः। वि। त्वाऽहतस्य। वेदनं। भजेम
हि। आ। दुऽनशः। भर। गयं। सुनोत। सोमऽपान्ने। सोमं। इंद्राय। वाजिणे। पचत। पक्तीः।
अवसे। कणुध्वं। इत्। एणन्। इत्। एणते। मयः। मा। स्त्रेधत। सोमिनः। दक्षत। महे। कणु
ध्वं। राये। आऽतुजे। तरणिः। इत्। जयति। क्षेति। पुष्यति। न। देवासः। कवल्लवे। नकिः।
सुऽदासः। रथं। परि। आसान। शीरमत्। इंद्रः। यस्य। अविता। यस्य। मरुतः। गमत्। सः। गोऽ
मति। ब्रजे ॥ १८ ॥ ॥ गमत्। वाजं। वाजयन्। इंद्र। मर्त्यः। यस्य। त्वं। अविता। भुवः। ०। र
थानां। अस्माकं। शूर। नृणां। उत्। इत्। नु। अस्य। रिच्यते। अंशः। धनं। न। जिग्युषः। यः
। इंद्रः। हरिऽवान्। न। दक्षति। तं। रिपः। दक्षं। दधाति। सोमिनि। मंत्रं। अरवर्वं। सुऽधि
तं। सुऽपेशं। दधात। यज्ञियेषु। आ। पूर्वः। वन। प्रऽसितयः। तरंति। तं। यः। इंद्रे। कर्म
णा। भुवत्। कः। तं। इंद्र। त्वाऽवमुं। आ। मर्त्यः। दधर्वति। श्रद्धा। इत्। ते। मघऽवन्। पार्ये।

राम
॥ २८ ॥

दिवि। वाजी। वाजं। सिसासति। मघोनः। स्म। वृत्रऽहत्येषु। चोदयाये। ददति। प्रिया। वसु।
 तव। प्रऽनीती। हरिऽअश्व। सूरिऽभिः। विश्वो। तरेम। दुऽइता॥१२॥ ॥ तव। इत्। इंद्र। अव
 मं। वसु। त्वं। पुष्यसि। मध्यमं। सत्रा। विश्वस्य। परमस्य। राजसि। नकिः। त्वा। गोषु। वृषव
 ते। त्वं। विश्वस्य। धनऽदाः। असि। श्रुतः। ये। इं। भवति। आजयः। तव। अयं। विश्वः। पुरुऽद्रुन
 । पार्थिवः। अवस्युः। नाम। भिक्षते। यत्। इंद्र। यावतः। त्वं। एतावत्। अहं। ईशीय। स्तोतारं।
 इत्। दिधिषेया। रदवसो। इतिरदऽवसो। न। पापऽत्वाय। रासीय। शि क्षेयं। इत्। महऽयते। दि
 वेऽदिवे। रायः। आ। कुहचितऽविदे। नहि। त्वत्। अन्यत्। मघऽवन्। नः। आप्यं। वस्यः। अस्ति।
 पिता। चन। तरणिः। इत्। सिसासति। वाजं। पुरं। ध्या। युजा। आ। वः। इंद्रं। पुरुऽद्रुतं। नमे। नि
 रा। नेमिं। तष्टाऽइवा। सुऽद्रु॥२०॥ ॥ न। दुऽस्तुती। मर्त्यः। विंदते। वसु। न। स्नेधंतं। रयिः। नश
 त्। सुऽशक्तिः। इत्। मघऽवन्। तुष्यं। माऽवति। देष्मं। यत्। पार्यं। दिवि। अभि। त्वा। शूर। नोनुमः।

प.पं.२
॥३०॥

अदुग्धाःऽइव। धेनवः। ईशानं। अस्य। जगतः। स्वःऽदृशं। ईशानं। इंद्र। तस्सुषः। न। त्वाऽ
वान्। अन्यः। दिव्यः। न। पार्थिवः। न। ज्ञातः। न। जतिष्यते। अश्वऽयंतः। मघऽवन्। इंद्र। वा
जिनः। गव्यंतः। त्वा। हवामहे। अभि। सतः। तत्। आ। भर। इंद्र। ज्ञायः। कनीयसः। पुरुऽ
वसुः। हि। मघऽवन्। सनात्। असि। भरेऽभरे। च। हव्यः। परा। नुदस्व। मघऽवन्। अमि
त्रान्। सुऽवेदा। नः। वसु। वृधि। ०। भव। वृधः। सरवीनां। इंद्र। क्रतुं। नः। आ। भर। पिता।
पुत्रेभ्यः। यथा। शिक्ष। नः। अस्मिन्। पुरुऽद्रुत। यामनि। जीवाः। ज्योतिः। अशीमहि। मर
। नः। अज्ञाताः। वृजनाः। दुःऽआध्यः। मा। अशिवासः। अव। क्रमुः। त्वया। वयं। प्रऽवतः।
शश्वतीः। अपः। अति। शूर। तरामसि॥ २१ ॥ ॥ श्वित्यं चः। मा। दक्षिणातःऽ कपर्दः। धि राम
यंऽजिन्वासः। अभि। हि। प्रऽमंदुः। उत्। तिष्ठन्। वेचे। परि। बर्हिषः। नृन्। न। मे। दूरात्।
अवितवे। वमिष्ठाः। दूरात्। इंद्र। अनयन्। आ। सुतेन। तिरः। वैशंतं। अति। पातं। उग्रं। पा

॥३०॥

शऽद्युम्नस्य। वायतस्य। सोमात्। सुतात्। इंद्रः। अवृणीत। वसिष्ठान्। एव। इत्। नु। कं।
 सिंधुं। एभिः। ततार। ०। भेदं। एभिः। जघान। ०। दाशऽराज्ञे। सुऽदासं। प्र। आवत्। इंद्रः।
 ब्रह्मणा। वः। वसिष्ठाः। जुष्टी। नरः। ब्रह्मणा। वः। पितृणां। अक्षं। अव्ययं। न। किल।
 रिषाथ। यत्। शक्वेरीषु। बृहता। रवेण। इंद्रे। शुभ्रां। अदधात्। वसिष्ठाः। उत्। द्यां। इव। इ
 त्। तृह्यऽजः। नाथितासः। अदीधयुः। दाशऽराज्ञे। रतासः। वसिष्ठस्य। स्तुवतः। इंद्रः। अ
 श्रोत्। उरुं। तत्सुऽभ्यः। अकृणोत्। ऊंइति। लोकं॥ २२ ॥ ॥ इंद्राः। इव। इत्। गोऽअर्ज
 नासः। आसन्। परिऽच्छिन्नाः। भरताः। अर्षकासः। अभवत्। च। पुरः। एता। वसिष्ठः।
 आत्। इत्। तत्सूनां। विशः। अप्रथंत। त्रयः। कृण्वन्ति। भुवनेषु। रेतः। तिस्रः। प्रऽजाः। आ
 र्षः। ज्योतिः। अग्राः। त्रयः। घमसिः। उवसं। सचते। सर्वान्। इत्। तान्। अनु। विदुः। व
 सिष्ठाः। सूर्यस्य। इव। वक्षथः। ज्योतिः। एषां। समुद्रस्य। इव। महिमा। गभीरः। वातस्य।

प.पं.३
॥३१॥

इव। महिमा। गभीरः। वातस्यऽइव। प्रऽजवः। न। अन्येन। स्तोमः। वसिष्ठाः। अनुऽएत
वे। वः। ते। इत्। निण्यं। हृदयस्य। प्रऽकेतैः। सहस्रऽवल्शं। अभि। सं। चरति। यमेन। ततः। प
रिऽधिं। वयंतः। अश्वरसः। उप। सेदुः। वसिष्ठाः। विऽद्युतः। ज्योतिः। परि। संऽजिहानं। मि
त्रावरुणा। यत्। अपश्यतां। त्वा। तत्। ते। जन्म। उत्। एकं। वसिष्ठ। अगस्त्यः। यत्। त्वा। विशः।
आऽजभार॥२३॥ ॥उत्। असि। मेत्रावरुणः। वसिष्ठ। उर्वेश्याः। ब्रह्मन्। मनसः। अधि।
जातः। द्रष्टुं। स्कन्तं। ब्रह्मणा। दैव्येन। विश्वे। देवाः। पुष्करे। त्वा। अददंत। सः। प्रऽकेतः। उ
भयस्य। प्रऽविद्वान्। सहस्रऽदानः। उत्। वा। सऽदानः। वयिष्यन्। अश्वरसः। परि। जज्ञे।
वसिष्ठः। सत्रे। ह। जातौ। इषिता। नमः। भिः। कुंसे। रेतः। सिसिचतुः। समानं। ततः। ह। मानः
। उत्। इयाय। मध्यात्। ततः। जातं। ऋषिं। आहुः। वसिष्ठ। उक्थऽभृतं। सामऽभृतं। विभ
र्ति। ग्रावाणं। विभ्रत्। प्र। वदाति। अग्रे। उप। एन। आध्वं। सुऽमनस्यमानाः। आ। वः। गच्छा

राम
॥३१॥

ति। प्रऽतुदः। वसिष्ठः॥२४॥ ॥ प्र। शुक्रा। एतु। देवी। मनीषा। अस्मत्। सुऽतुदः। रथः। न। वाजी
 विदुः। एथिव्याः। दिवः। जनित्रं। शृण्वति। आपः। अधो। क्षरतीः। आपः। चित्। अस्मै। पिन्व
 त। पृथ्वीः। वृत्रेषु। शूराः। मंसते। उग्राः। आ। धूः। सु। अस्मै। दधात। अश्वान्। इंद्रः। न। वज्री
 हिरण्यऽबाहुः। अभि। प्र। स्थात। अहऽद्व। यज्ञं। याताऽद्व। पत्नन्। त्मना। हिनोत। त्मना
 समत्। सु। हिनोत। यज्ञं। दधात। केतुं। जनाय। वीरं। उत्। अस्या। शुष्मात्। भानुः। न। आर्त।
 विभर्त्ति। भारं। एथिवी। न। भूम। द्यामि। देवान्। अयातुः। अग्ने। साधन्। ऋतेन। धिय
 दधामि। अभि। वः। देवी। धिये। दधिध्वं। प्रा। वः। देवऽत्रा। वाचं। दृणुध्वं। ओ। चष्टे। आसां। पा
 थः। नदीनां। वरुणः। उग्रः। सहस्रं। वक्षाः॥२५॥ ॥ राजा। राष्ट्रानां। पेशः। नदीनां। अनुत्त
 अस्मै। क्षत्रं। विश्वऽआयु। अविष्टोदति। अस्मान्। विश्वासु। विश्नु। अद्यु। दृणोत। शंसं। नि
 नित्सोः। वि। एतु। दिद्युत्। द्विषां। अशेवा। युयोत। विघ्नकु। रपः। तनूनां। अवीत्। नः। अग्निः।

प.पं.३
॥३२॥

हव्यऽअत्र। नमःऽभिः। प्रेषः। अस्मे। अधायि। स्तोमः। सऽजूः। देवेभिः। अपां। नपातं। सरवा
य। रुध्वं। शिवः। नः। अस्तु। अपऽजां। उक्थेः। अहिं। गृणीवे। बुध्ने। नदीनां। रजःऽसु। सी
दन्। ०। मा। यज्ञः। अस्य। सिधत्। ऋतऽयोः। उत। नः। एषु। नृषु। श्रवः। धुः। प्र। राये। यत्तु। श
र्धतिः। अर्यः। तर्पति। शत्रुं। स्वः। ना। भूमं। महाऽसेनासः। अमेभिः। एषां। आ। यत्तु। नः। पत्नीः
। गर्मति। अष्ट। त्वष्टा। सुऽपाणिः। दधानु। वीरान्॥ २६॥ ॥ प्रति। नः। स्तोमं। त्वष्टा। जुषे
त। स्यात्। अस्मेदति। अरमति। वसुऽयुः। ता। नः। रासन। रतिऽसाचः। वसूनि। ०। वरून्नी
भिः। सुऽशरणः। नः। अस्तु। त्वष्टा। सुऽदत्रः। वि। दधानु। रायः। तत्तु। नः। रायः। पर्वताः। तत्तु
। नः। आपः। तत्तु। रातिऽसाचः। ओषधीः। उत। द्यौः। वनस्पतिभिः। पृथिवी। सऽजोषाः।
उभेदति। रोदसीदति। परि। पासतः। नः। अनु। तत्तु। उक्थेदति। रोदसीदति। जिहातां। अ
नु। युक्षः। वरुणः। इंद्रऽसरवा। अनु। विश्वे। मरुतः। ये। सहासः। रायः। स्याम। धरुणं। धि

राम
॥३२॥

यथै। तत्। नः। इंद्रः। वरुणः। मित्रः। अग्निः। आपः। ओषधीः। वनिनः। जुषंत। शर्मन्। स्या
 म। मरुतां। उपऽस्ते। ॥ २० ॥ ॥ शं। नः। इंद्राग्नी इति। भवतां। अवऽभिः। शं। नः। इंद्राव
 रुणा। रातऽहव्या। शं। इंद्रासोमा। सुविताय। शं। योः। शं। नः। इंद्रा पूषणा। वाजऽसाती। शं
 । नः। भगः। शं। ऊं इति। नः। शंसः। अस्तु। शं। नः। पुरऽधिः। शं। ऊं इति। संतु। रायः। शं। नः। स
 त्यस्य। सुऽयमस्य। शंसः। शं। नः। अर्यमा। पुरुऽजातः। अस्तु। शं। नः। धाता। शं। ऊं इति। धत्ता
 । नः। अस्तु। शं। नः। उरूची। भवतु। स्वधाभिः। शं। रोदसी इति। बृहती इति। शं। नः। अद्रिः।
 शं। नः। देवानां। सुऽहवानी। संतु। शं। नः। अग्निः। ज्योतिः। अनीकः। अस्तु। शं। नः। मित्रा
 वरुणौ। अश्विनौ। शं। शं। नः। सुऽकृतां। सुऽकृतानि। संतु। शं। नः। इषिरः। अभि। वातु। वा
 तः। शं। नः। द्यावापृथिवी इति। पूर्वऽद्वेतो। शं। अंतरिक्षं। दृश्ये। नः। अस्तु। शं। नः। ओषधीः
 । वनिनः। भवतु। शं। नः। रजसः। पतिः। अस्तु। जिष्णुः॥ २८ ॥ ॥ शं। नः। इंद्रः। वसुऽभिः। दे

प. पं. ३

॥३३॥

वः। अस्तु। शं। आदित्येभिः। वरुणः। सुः। शंसः। शं। नः। रुद्रः। रुद्रेभिः। जलाघः। शं। नः। त्वष्टा।
गनाभिः। इह। शृणोतु। शं। नः। सोमः। भवतु। ब्रह्मा। शं। नः। शं। नः। ग्रावाणः। शं। ऊं इति। सं
तु। युजाः। शं। नः। स्वरूपाः। मितयः। भवतु। शं। नः। प्रः। स्वः। शं। ऊं इति। अस्तु। वेदिः। शं। नः।
सूर्यः। उरुः। चक्षुः। उत्तर। एतु। शं। नः। चतस्रः। प्रः। दिशः। भवतु। शं। नः। पर्वताः। ध्रुवयः। भव
तु। शं। नः। सिंधवः। शं। ऊं इति। संतु। आपः। शं। नः। आदितिः। भवतु। व्रतेभिः। शं। नः। भवतु।
मरुतः। सुः। अर्काः। शं। नः। विष्णुः। शं। ऊं इति। पूषा। नः। अस्तु। शं। नः। भवित्रः। शं। ऊं इति। अ
स्तु। वायुः। शं। नः। देवः। सविता। त्रायमाणः। शं। नः। भवतु। उषसः। विः। भातीः। शं। नः। पर्ज
न्यः। भवतु। प्रः। जाभ्यः। शं। नः। क्षेत्रस्य। पतिः। अस्तु। शं। नः। ॥२८॥ ॥ शं। नः। देवाः। विश्वः।
देवाः। भवतु। शं। सरस्वती। सह। धीभिः। अस्तु। शं। अभिः। सान्वः। शं। ऊं इति। रातिः। सान्वः।
शं। नः। दिव्याः। पार्थिवाः। शं। नः। अप्याः। ०। पतयः। भवतु। शं। नः। अर्वतः। शं। ऊं इति। संतु।

राम

॥३३॥

गावः। शं। नः। ऋभवंः। सुऽकृतः। सुऽहस्ताः। शं। नः। भवंतु। पितरः। हवेषु। शं। नः। अजः। एकऽ
 पातः। देवः। अस्तु। शं। नः। अहिः। बुध्न्यः। शं। समुद्रः। शं। नः। अपां। नपातः। पेरुः। अस्तु। शं।
 नः। एभिः। भवतु। देवऽगोपा॥०॥ जुषंत। इदं। ब्रह्म। क्रियमाणं। नवीयः। शृण्वतु। नः। दिव्याः
 । पार्थिवासः। गोऽजाताः। उताये। यज्ञियासः। ये। देवानां। यज्ञियाः। यज्ञियानां। मनोः। यज्ञत्राः
 । अमृताः। कृतऽज्ञाः। ते। नः। रासंतं। उरुऽगायं। अद्या॥०॥ ३०॥ ॥ इति पंचमाष्ट
 के तृतीयोऽध्यायः॥ ॥ॐ॥ ॥ प्र। ब्रह्म। एतु। सदनान्। कृतस्य। वि। रश्मिऽ
 भिः। ससृजे। सूर्यः। गाः। वि। सानुना। एथिवी। सस्त्रे। उवशे। एथु। प्रतीकं। अधि। आ। ईधे। अ
 ग्निः। इमां। वां। मित्रवरुणा। सुऽवृत्तिं। इषां। न। कृण्वे। असुरा। नवीयः। इनः। वां। अन्यः। प
 दऽवीः। अर्द्धः। जनैः। च। मित्रः। यतति। ब्रुवाणः। आ। वातस्य। प्रजतः। रते। इत्याः। अपी
 पयंत। धेनवः। ना। मूदाः। महः। दिवः। महः। दिवः। सदनै। जार्यमानः। अर्चिः। कदत्। वृषभः। स

प. पं. ४
॥३४॥

स्मिन्। ऊर्ध्वन्। गिरा। यः। एता। युनजंत। हरीइति। ते। इंद्र। प्रिया। सुऽरथा। शूर। धा
यूइति। प्र। यः। मन्युं। शिरक्षतः। मिनाति। आ। सुऽऋतुं। अर्यमणं। ववृत्या। यजंते।
अस्य। सरव्यं। वयः। च। नमस्विनः। स्वे। ऋतस्य। धामन्। वि। एक्षः। वावधे। नऽभिः
। स्तवानः। इदं। नमः। रुद्राय। प्रेष्ठं॥ १ ॥ ॥ आ। यत्र। साकं। यशसः। वावशानाः।
सरस्वती। सप्तथी। सिंधुऽमाता। याः। सुखयंत। सुऽदुघाः। सुऽधाराः। अभि। स्वेन। प
यसा। पीप्यानाः। उता। त्ये। नः। मरुतः। मंदसानाः। धियं। तौक। च। वाजिनः। अवंतु
। मा। नः। परि। ख्यत्। अक्षरा। चरंती। अवीवृधन्। युज्यं। ते। रयिं। नः। प्र। वः। मही।
अरमतिं। कृणुध्वं। प्र। पूषणं। विदथ्यं। न। वीरं। भर्गं। धियः। अवितारं। नः। अस्थाः
। सातो। वाजं। रातिऽसाव्। पुरं। धिं। अद्य। अयं। वः। मरुतः। श्लोकः। एतु। अद्य। वि
ष्टुं। निसिक्तऽपां। अवः। भिः। उत। प्र। जाये। गृणते। वयः। धुः। ०॥ २॥ ॥ आ। वः। वा

राम
॥३४॥

हिष्ठः। वहतु। स्तवध्वै। रथः। वाजाः। ऋभुक्षणाः। अमृक्तः। अभि। त्रिः। एष्टेः। सर्वनेषु
 । सोमैः। मदे। सुः। शिप्राः। महः। भिः। एणध्वं। घूयं। हारलं। मघवतः। सु। धृत्य। स्वः। दृ
 शः। ऋभुक्षणाः। अमृक्तं। स। यज्ञेषु। स्वधाः। वतः। पिबध्वं। वि। नः। राधांसि। मतिः। भिः
 । दयध्वं। उवोचिथ। हि। मघः। वनः। देष्टु। महः। अर्भस्य। वसुनः। विः। भागे। उभा। ते।
 पूर्णा। वसुना। गभस्तीदिति। न। सूतता। नि। यमते। वसव्या। त्वं। इंद्र। स्वः। यशाः। ऋभु
 क्षाः। वाजः। न। साधुः। अस्तं। एषि। ऋक्का। वयं। नु। ते। दाभ्वांसः। स्याम। ब्रह्म। कृ
 ष्वंतः। हरिः। वः। वसिष्ठाः। सनिता। असि। प्रः। वतः। दाशुषे। चित्। याभिः। विवेषः।
 हरिः। अश्व। धीभिः। ववन्म। नु। ते। पुज्याभिः। ऊती। कदा। नः। इंद्र। रायः। आ। दश
 स्येः॥ ३ ॥ ॥ वासयसिः। इव। वेधसः। त्वं। नः। कदा। नः। इंद्र। वचसः। बुबोधः। अस्त
 । तात्या। धिया। रयिं। सुः। वीर। पृक्षः। नः। अर्वा। नि। उहीति। वाजी। अभि। यं। देवी। निः।

तु। अनु। तत्। नः। ज्ञाः पतिः। मंसीष्ट। रत्नं। देवस्य। सवितुः। इयानः। भगं। उग्रः। अवसे। जो
 हवीति। भगं। अनुग्रः। अध। याति। रत्नं। शं। नः। भवंतु। वाजिनः। हवेषु। देवः ताता। मितः
 इवः। सुः अर्काः। जं भयंतः। अहिं। रुकं। रक्षांसि। सनेमि। अस्मत्। युयवन्। अमीवाः। वा
 जेः वाजे। अवत। वाजिनः। नः। धनेषु। विप्राः। अमृताः। ऋतः ज्ञाः। अस्य। मध्वः। पिव
 त। मादयध्वं। तप्ताः। यात। पथिः। देवः यानेः॥ ५॥ ॥ ऊर्ध्वः। अग्निः। सुः मतिः। वस्वः
 । अश्रेत। प्रतीची। जूर्णिः। देवः तातिं। एति। नेजाते इति। अद्री इति। रथ्याः इव। पंथाः। ऋ
 तं। होता। नः। इषितः। यजाति। प्र। ववृजे। सुः प्रयाः। बर्हिः। एषा। आ। विश्वती इवेति विश्व
 तीः इव। बीरिटे। इयाते इति। विशां। अक्तोः। उषसः। पूर्वः हूतो। वायुः। पूषा। स्वस्तये। नि
 युत्वान्। जमयाः। अत्रे। वसवः। रत। देवाः। उरो। अंतरिक्षे। मर्जयंत। शुभ्राः। अर्वाक्। पथः
 । उरुः जयः। रुणुध्वं। श्रोत। दूतस्य। जग्मुषः। नः। अस्य। ते। हि। यज्ञेषु। यज्ञियासः। ऊमाः।

प. पं. ४
॥३६॥

सधःस्थं। विश्वे। अभि। संति। देवाः। तान्। अध्वरे। उशतः। यक्षि। अग्ने। श्रुष्टी। भगं। नास
त्या। पुरं। धिं। आ। अग्ने। गिरः। दिवः। आ। पृथिव्याः। मित्रं। वह। वरुणां। इंद्रं। अग्निं। आ। अ
र्यमणं। अदितिं। विष्णुं। एषां। सरस्वती। मरुतः। मादयंतां। ररे। हव्यं। मतिः। भिः। यज्ञियांना
। नक्षत्रं। कामं। मर्त्यनां। अमिन्वन्। धातं। रयिं। अविः। दस्यं। सदाः। सां। सक्षीमहि। युज्ये
भिः। नु। देवैः। नु। रोदसीइति। अभिस्तुतेइत्यभिः। स्तुते। वसिष्ठेः। ऋतः। वानः। वरुणाः
। मित्रः। अग्निः। यच्छंतु। चंद्राः। उपः। मं। नः। अर्कं। ॥ ६ ॥ ॥ ओइति। श्रुष्टिः। विदध्या
। सं। एतु। प्रति। स्तोमं। दधीमहि। तुराणां। यत्। अद्य। देवः। सविता। सुवाति। स्याम। अस्य
। रत्निनः। विः। भागे। मित्रः। तत्। नः। वरुणाः। रोदसीइति। च। द्युः। भक्तं। इंद्रः। अर्यमा। ददा
तु। दिदेष्टु। देवी। अदितिः। रेक्णः। वायुः। च। यत्। नियुवैतेइतिनिः। युवैते। भगः। च। सः
। इत्। उग्रः। अस्तु। मरुतः। सः। शुष्मी। यं। मर्त्यं। एषत्। अश्वाः। अवाथ। उत। इं। अग्निः। स

राम
॥३६॥

रस्वती॥ जुनेति॥ न॥ तस्य॥ रायः॥ परिः एता॥ अस्ति॥ अयं॥ हि॥ नेता॥ वरुणः॥ कृतस्य॥ मित्रः॥
 राजानः॥ अर्यमा॥ अर्पः॥ धुरिति धुः॥ सु॥ हवा॥ देवी॥ अदितिः॥ अनर्वा॥ ते॥ नः॥ अंहः॥ अ
 ति॥ पर्वन्॥ अरिष्टान्॥ अस्य॥ देवस्य॥ मी॥ कृषः॥ व्याः॥ विष्णोः॥ एषस्य॥ प्र॥ भृथे॥ हविः॥ भिः॥
 विदे॥ हि॥ रुद्रः॥ रुद्रियं॥ महि॥ त्वं॥ यासिष्टं॥ वर्तिः॥ अश्विनो॥ इरा॥ वत्॥ मा॥ अत्र॥ पूषन्॥ आ
 घृणो॥ इरस्यः॥ वरुत्री॥ यत्॥ राति॥ सान्वः॥ च॥ रासन्॥ मयः॥ भुवः॥ नः॥ अर्वतः॥ नि॥ पातु॥ वृष्टिं॥
 परि॥ ज्मा॥ वातः॥ ददातु॥ ॥ ७ ॥ ॥ प्रातः॥ अग्निं॥ प्रातः॥ इंद्र॥ हवामहे॥ प्रातः॥ मित्रावरुणा
 प्रातः॥ अश्विनी॥ प्रातः॥ भर्गो॥ पूषणो॥ ब्रह्मणः॥ पतिं॥ प्रातरिति॥ सोमं॥ उत॥ रुद्रं॥ कुवेम॥
 प्रातः॥ जितं॥ भर्गो॥ उग्रं॥ कुवेम॥ वयं॥ पुत्रं॥ अदितेः॥ यः॥ वि॥ धर्त्ता॥ आ॥ ध्रः॥ चित्॥ यं॥ मन्य
 मानः॥ तुरः॥ चित्॥ राजा॥ चित्॥ यं॥ भर्गो॥ भक्षि॥ इति॥ आह॥ भर्गो॥ प्रनेतरिति॥ प्र॥ नेतः॥ भर्गो॥
 सत्यं॥ राधः॥ भर्गो॥ इमां॥ धियं॥ उत॥ अवा॥ ददत्॥ नः॥ भर्गो॥ प्र॥ नः॥ जनय॥ गोभिः॥ अश्वैः॥ भर्गो॥

प. पं. ४

॥३७॥

प्र। नृभिः। नृवंतः। स्याम। उत। इदानीं। भगवंतः। स्याम। उत। प्रऽपित्वे। उत। मध्ये। अङ्गो।
उत। उतऽइता। मघऽवन्। सूर्यस्य। वयं। देवानां। सुऽमते। स्याम। भग। एव। भगऽवान्। अस्त
देवाः। तेन। वयं। भगऽवंतः। स्याम। तं। त्वा। भग। सर्वः। इत। जोहवीति। सः। नः। भग। पुरऽह
ता। भव। इह। सं। अध्वराय। उषसः। नमंत। दधिक्वावाऽइव। शुचये। पूराय। अवचिनीं।
वसुऽविदं। भगं। नः। रथं। इव। अश्वः। वाजिनः। आ। वहंतु। अश्वऽवतीः। गोऽमतीः। नः। उ
षसः। वीरऽवतीः। सदं। उछंतु। भद्राः। घृतं। दुहानाः। विश्वतः। प्रऽपीताः। ॥ ८ ॥ ॥ प्र। ब्रह्मा
णः। अंगिरसः। नक्षंत। प्र। क्रंदनुः। नभन्यस्य। वेतु। प्र। धेनवः। उदऽप्रुतः। नवंत। युज्यातां। अ
द्दीति। अध्वरस्य। पेशः। सुऽगः। ते। अग्ने। सनऽवित्तः। अध्वो। युध्व। सुते। हरितः। रोहितः। च।
ये। वा। सयन्। अरुषाः। वीरऽवाहः। दुवे। देवानां। जनिमानि। सत्त। सं। ऊंइति। वः। यज्ञं। मह
यन्। नमः। भिः। प्र। होता। मंद्रः। शिखि। उपाके। यजस्व। सु। पुरुऽअनीक। देवान्। आ। यज्ञियां।

राम
॥३७॥

अरमतिं। ववृत्याः। यदा। वीरस्य। रेवतः। दुरोणे। स्योनः शीः। अतिथिः। आऽचिकेतत्। सुऽ
 प्रीतः। अग्निः। सुऽधितः। दमे। आ। सः। विशे। दाति। वायं। द्यत्ये। दमं। नः। अग्ने। अध्वरं। जु
 षस्व। मरुतऽसु। दंष्ट्रे। यशसं। रुधि। नः। आ। नक्त। बर्हिः। सदतां। उषसा। उशता। मित्राव
 रुणा। यज्ञ। इहा। एव। अग्निं। सहस्यं। वसिष्ठः। रायः। कामः। विश्वऽफुन्यस्य। स्तोत्र। द्रव्यं। रयिं।
 पप्रथत्। वाजं। अस्मेदति। ॥ २ ॥ ॥ प्र। वः। यज्ञेषु। देवऽयंतः। अर्चन्। द्यावा। नमऽभिः। ए
 थिवीदति। इष्ये। येषां। ब्रह्माणि। असमानि। विप्र। विष्वक्। विऽयंति। वनिनः। न। शा
 रवाः। प्र। यज्ञः। एतु। हेत्वः। ना। सप्तिः। उत्। यद्यध्वं। सऽमनसः। घृताचीः। स्तृणीत। बर्हिः। अ
 ध्वराय। साधु। ऊर्ध्वा। शोचीषि। देवऽयूनि। अस्तुः। आ। पुत्रासः। न। मातरं। विऽभृत्राः। सा
 नौ। देवासः। बर्हिषः। सदंतु। आ। विश्वाची। विदथ्यां। अनक्तु। अग्ने। मा। नः। देवऽताता। मृ
 धः। करितिकः। ते। सीषपंत। जोषं। आ। यज्ञत्राः। क्रतस्य। धाराः। सुऽदुघाः। दुहानाः। ज्येष्ठं।

प. पं. ४
॥ ३८ ॥

वः। अद्य। महः। आ। वसूनां। आ। गंतन। सः। मनसः। यति। स्थ। एव। नः। अग्ने। विक्षु। आ
। दशस्य। त्वया। वयं। सहसा। वन। आस्त्राः। राया। युजा। सधः। मादः। अरिष्टाः। ॥ १० ॥
॥ ॥ दधिः। कां। वः। प्रथम। अश्विना। उषसं। अग्निं। सं। ईदं। भर्गं। कृतये। द्रुवे। इंद्र। वि
ष्टुं। पूषणं। ब्रह्मणः। पतिं। आदित्यान्। द्यावा। एषिवीदति। अपः। स्व। रिति। स्वः। दधिः
कां। ऊं। इति। नमसा। बोधयंतः। उत्। ईराणाः। यज्ञं। उप। प्रयंतः। इकां। देवी। बर्हिषि।
सादयंतः। अश्विना। विप्रा। सुः। हवा। द्रुवेम। दधिः। कावाणि। बुबुधानः। अग्निं। उप। ब्र
वे। उषसं। सूर्यं। गां। ब्रध्नं। मं। श्रुतोः। वरुणस्य। बभ्रुं। ते। विश्वा। अस्मत्। दुः। इता। य
वयंतु। दधिः। कावा। प्रथमः। वाजी। अर्वा। अग्ने। रथानां। भवति। प्र। जानन्। सं। विदा। राम
नः। उषसा। सूर्येण। आदित्येभिः। वसुभिः। अंगिरः। भिः। आ। नः। दधिः। काः। पथ्यां। ॥ ३८ ॥
अनक्तुं। कृतस्य। पथा। अनुः। एतवे। ऊं। इति। शरणोतु। नः। देव्यं। शर्धः। अग्निः। शरणं

तु। विश्वे। महिषाः। अमूराः॥ ११॥ ॥ आ। देवः। यातु। सविता। सुऽरत्नः। अंतरिक्षऽप्राः
 । वहमानः। अश्वेः। हस्ते। दधानः। नयी। पुरुषि। निऽवेशयन्। च। प्रऽसुवन्। च। भूम। उ
 त्। अस्य। बाहू इति शिथिरा। बृहन्ता। हिरण्यया। दिवः। अंतान्। अनन्ता। नूनं। सः। अ
 स्य। महिमा। पतिष्ठ। स्मरः। वित्। अस्मे। अने। दातु। अपस्यां। सः। घ। नः। देवः। सविता।
 सह। वा। आ। माविषत्। वसुऽपतिः। वसूनि। विऽश्रयमाणः। अमर्ति। उरूची। मर्त्तऽभोज
 नं। अध। रासते। नः। इमाः। गिरः। सवितारं। सुऽजिह्वं। पूर्णऽगभस्ति। ईळते। सुऽपाणिं
 । चित्रं। वयः। बृहत्। अस्मे इति। दधातु॥ १२॥ ॥ इमाः। रुद्राय। स्थिरऽधन्वने। गि
 रः। क्षिप्रऽइषवे। देवाय। स्वधाऽत्रे। अवाक्याय। सहमानाय। वेधसे। तिग्मऽअयुधाय।
 भरत। शरणोतु। नः। सः। हि। क्षयेण। क्षम्यस्य। जन्मनः। सांऽराज्येन। दिव्यस्य। चेतति
 । अवन्। अवन्तीः। उप। नः। दुरः। चर। अनमीविः। रुद्र। जासु। नः। भव। याते। दिद्युत। अ

प. पं. ४
॥३८॥

वः सृष्टा । दिवः । परि । क्षमया । चरति । परि । सा । वृणक्तु । नः । सहस्रं । ते । सुः अपि वात । भे
षजा । मा । नः । तोकेषु । तनयेषु । रिषः । मा । नः । वधीः । रुद्र । मा । परा । दाः । मा । ते । भूम ।
प्रः सितो । ही कितस्य । आ । नः । भजा । बर्हिषि । जीवः शंसि ॥ १३ ॥ ॥ आपः । यं । वः ।
प्रथमं । देवः यंतः । इंद्रः पानं । ऊर्मि । अरुणवत । दुळः । तं । वः । वयं । शुचिं । अरि प्रं । अद्या ।
घृतः प्रुषं । मधुः मंतं । वने मा । ते । ऊर्मि । आपः । मधुः मत्स्यं । वः । अणं । नपात् । अवतु ।
आशुः हेमा । यस्मिन् । इंद्रः । वसुः भिः । मादयति । तं । अश्याम । देवः यंतः । वः । अद्या । श
तः पवित्राः । स्वधया । मदंतीः । देवीः । देवानां । अपि । यंति । पार्थः । ताः । इंद्रस्य । न । भिनति
। व्रतानि । सिंधुः भ्यः । हव्यं । घृतः वर्त । जुहोत । याः । सूर्यः । राश्मिः भिः । आः तताने । या
भ्यः । इंद्रः । अरुद्र । गातुं । ऊर्मि । ते । सिंधुवः । वरिवः । धातन । नः । ॥ १४ ॥ ॥ ऋषुक्षणाः ।
वाजाः । मादयध्वं । अस्मे इति । नरः । मघः वानः । सुतस्य । आ । वः । अर्वाचः । क्रतवः । न । यार्ता ।

राम
॥३८॥

विऽभ्वः। रथं। नयं। वर्तयंतु। ऋभुः। ऋभुऽभिः। अभि। वः। स्याम। विऽभ्वः। विभुऽभिः। शव
सा। शवांसि। वाजः। अस्मान्। अवतु। वाजऽसातो। इंद्रेण। युजा। तरुषेम। वृत्रं। ते। चित्र। हि। पू
र्वः। अमि। संति। शासा। विश्वानि। अर्यः। उपरऽताति। वृन्वन्। इंद्रः। विऽभ्वः। ऋभुक्षाः। वाजः
। अर्यः। शत्रोः। मिथत्या। कृपावन्। वि। नृमो। नु। देवासः। वरिवः। कर्त्तन। नः। भूत। नः। विश्वे
। अवसे। सऽजोषाः। सं। अस्मेइति। इषं। वसवः। ददीरन्। ॥ १५ ॥ ॥ समुद्रऽज्येष्ठाः। सलिल
स्य। मध्यात्। पुनानाः। यंति। अग्निऽविशमानाः। इंद्रः। याः। वज्री। वृषसः। रराट्। ताः। आपः।
देवीः। इह। मां। अवंतु। याः। आपः। दिव्याः। उत। वा। स्त्रवति। खनित्रिमाः। उत। वा। याः। स्वयं
जाः। समुद्रऽअर्थाः। याः। शुचयः। पावकाः। ॥ १० ॥ यासां। राजा। वरुणाः। याति। मध्ये। सत्यान्ते
इति। अवऽपश्यन्। जनानां। मधुऽश्रुतः। शुचयः। याः। पावकाः। ॥ १० ॥ यासु। राजा। वरुणाः। या
सु। सोमः। विश्वे। देवाः। यासु। ऊर्जं। मदति। वैश्वानरः। यासु। अग्निः। प्रऽविष्टः। ॥ १६ ॥ ॥

प.पं.४
॥४०॥

आ।मां।मित्रावरुणा।इह।रक्षतं।कुलाययत्।विश्वयत्।मा।नः।आ।गन्।अजकाऽवं।दुः
दृशीकं।तिरः।दधे।मा।मां।पद्येन।रपसा।विदत्।त्सरुः।यत्।विज्ञामन्।परुषि।वन्दनं।भु
वत्।अष्टीवन्तौ।परि।कुल्फौ।च।देहत्।अग्निः।तत्।शोचन्।अप।बाधतां।इतः।०।यत्।
शल्मलौ।भवति।यत्।नदीषु।यत्।ओषधीभ्यः।परि।जायते।विषं।विश्वे।देवाः।निः।इतः
।तत्।सुवन्तु।०।याः।प्रऽवतः।निऽवतः।उत्ऽवतः।उदन्।वतीः।अनुदकाः।च।याः।ताः।अस्म
भ्यं।पयसा।पिबन्मानाः।शिवाः।देवीः।अशिपदाः।भवन्तु।सर्वाः।नद्यः।अशिमिदाः।भवन्तु।
॥१७॥ ॥आदित्यानां।अवसा।नूतनेन।सक्षीमहि।शर्मणा।शंऽतमेन।अनागाः।त्वे।अ
दितिऽत्वे।तुरासः।इमं।यज्ञं।दधतु।श्रोषमाणाः।आदित्यासः।अदितिः।मादयन्तां।मित्रः
।अर्यमा।वरुणाः।रजिष्ठाः।अस्माकं।सन्तु।भुवनस्य।गोपाः।पिबन्तु।सोमं।अवसे।नः।अद्य।
आदित्याः।विश्वे।मरुतः।च।विश्वे।देवाः।च।विश्वे।ऋभवः।च।विश्वे।इन्द्रः।अग्निः।अश्वि

राम
॥४०॥

ना। तु सुवानाः। ०॥ १८ ॥ ॥ आदित्यासः। अदितयः। स्याम। पूः। देवऽत्रा। वसवः। मर्त्यऽत्रा।
 सनेम। मित्रावरुणा। सनेतः। भवेम। द्यावापृथिवी इति। भवतः। ०॥ मम हंत। शमी। तोकाय। त
 नयाय। गोपाः। मा। वः। भुजेम। अन्यऽजात। एतः। मा। तत्। कर्म। वसवः। यत्। चयध्वे। तुरण्य
 वः। अंगिरसः। नक्षत्र। रत्न। देवस्य। सवितुः। इयानाः। पिता। च। तत्। नः। महान्। यजत्रः। वि
 श्वे। देवाः। सऽमनसः। जुषत॥ १९ ॥ ॥ ०॥ नमः। ऽभिः। सऽबाधः। ईळे। बृहती इति। यजत्रे इति
 । ते इति। चित्। हि। पूर्वे। कवयः। गुणतः। पुरः। मही इति। दधिरे। देवपुत्रे इति। देवऽपुत्रे। प्र। पू
 र्वजे इति। पूर्वऽजे। पितरा। नव्यसीभिः। गीः। ऽभिः। रुणुध्वं। सदेने इति। ऋतस्य। आ। नः। द्या
 वापृथिवी इति। देव्येन। जनेन। यातुं। महि। वां। वरूथं। उतो इति। हि। वां। रत्नऽधेयानि। संति।
 पुरूणि। द्यावापृथिवी इति। सुऽदासे। अस्मे इति। धत्तं। यत्। असत्। अस्तु पोयु। ०॥ २० ॥ ॥ वा
 स्तोः। यते। प्रति। जानीहि। अस्मान्। सुऽअविशः। अनमीवः। भवान्। यत्। त्वा। ईमहे। प्रति। त

प-पं. ४
॥ ४१ ॥

त। नः। जुषस्व। शं। नः। भव। द्विः पदे। शं। चतुः। पदे। वास्तोः। पते। प्रः तरणाः। नः। एधि। गयः
स्फानः। गोभिः। अश्वेभिः। इंदो इति। अजरसः। ते। सरव्ये। स्याम। पिताः इव। पुत्रान्। प्रति। नः।
जुषस्व। वास्तोः। पते। शग्मया॥ सं। सदा। ते। सक्षीमहि। रणवया॥ गातुः मत्या॥ पाहि। क्षेमे। उ
त। योगे। वरं। नः॥ १०॥ २१॥ ॥ अमीवः हा। वास्तोः। पते। विश्वा। रूपाणि। आः विशन्। सरवा।
सुः शिवः। एधि। नः। यत्। अर्जुन। सारमेय। दतः। पिशंग। यच्छसे। विः इव। भ्राजते। क्रूरयः। उप।
त्रकैषु। वषतः। नि। सु। स्वप। स्तेनं। राय। सारमेय। तस्करं। वा। पुसन्ः। २। स्तोतृन्। इंद्रस्य। राय
सि। किं। अस्मान्। दुष्पुनः। यसे। ०। त्वं। सूकरस्य। दृष्टि। तव। दृष्टुं। सूकरः॥ ०। सस्तु। माता। स
स्तु। पिता। सस्तु। श्वा। सस्तु। विश्वतिः। ससंतु। सर्वे। ज्ञातयः। सस्तु। अयं। अभितः। जनः। यः। आस्ते
। यः। च। चरति। यः। च। पश्यति। नः। जनः। तेषां। सं। हन्मः। अक्षाणि। यथा। इदं। हर्म्यं। तथा।
सहस्रः। शंगः। वृषभः। यः। समुद्रात्। उत्। आवरत्। तेन। सहस्येन। वयं। नि। जनान्। स्वापयाम

राम
॥ ४१ ॥

सि। प्रोष्ठेऽशयाः। वक्ष्येऽशयाः। नारीः। याः। तल्पऽशीवरीः। स्त्रियः। याः। पुण्यऽगंधाः। ताः। सर्वाः।
 स्वापयामसि॥ २२ ॥ ॥ के। ई। वि। अन्ताः। नरः। सऽनीकाः। रुद्रस्य। मर्याः। अधः। सुऽअश्वः। नकिः।
 हि। एषा। जनूषि। वेद। ते। अंग। विद्वे। मिथः। जनित्रं। अभि। स्वऽप्रभिः। मिथः। वपंत। वातऽस्वन
 सः। श्येनाः। अस्पध्रन्। एतानि। धीरः। निण्या। चिकेत। एभिः। यत्। ऊर्ध्वः। मही। जसार। सा। वि
 द। सुऽवीरा। मरुतऽभिः। अस्तु। सनात्। सहती। पुष्यती। नृम्या। यामं। येषाः। शुभा। शोभिषाः। श्रि
 या। संऽमिश्रः। ओजः। अभिः। उग्राः। उग्रं। वः। ओजः। स्थिर। शवांसि। अधः। मरुतऽभिः। गणः।
 तुर्विष्मन्। शुभ्रः। वः। शुष्मः। कुध्री। मनांसि। धुनिः। मुनिः। इव। शर्धस्य। धृष्टोः। सनेमि। अ
 स्मत्। युयोत्। दिद्यु। मा। वः। दुः। मतिः। इह। प्रणक्। नः। प्रिया। वः। नाम। रुवे। तुराणां। आ। यत्।
 तपत्। मरुतः। वावशानाः॥ २३ ॥ ॥ सुऽआयुधासः। इक्षिणीः। सुऽनिष्काः। उत। स्वयं। तन्वः।
 शुभमानाः। शुची। वः। हव्या। मरुतः। शुचीनां। शुर्वि। हिनोमि। अध्वरं। शुर्विऽभ्यः। रुतेन। सत्यं।

प.पं. ४

॥४२॥

ऋतः सापः। आयन्। शुचिः जन्मानः। शुचयः। पावकाः। अंसेषु। आ। मरुतः। स्वादयः। वः। व
क्षः। सु। रुक्माः। उपः शिप्रियाणाः। वि। विः द्युतः। न। वृष्टिः भिः। रुचानाः। अनु। स्वधा। आयु
धैः। यद्वमानाः। प्र। बुध्या। वः। ईरते। महसि। प्र। नामानि। प्रः यद्वयवः। तिरध्वं। सहस्त्रिये।
दम्यं। भागं। एतं। गृहं मेधीयं। मरुतः। जुषध्वं। यदि। सुतस्य। मरुतः। अधिः इय। इत्था। वि
प्रस्य। वाजिनः। हवीमन्। मक्षु। रायः। सुः वीर्यस्य। दात। नु। चित्। यं। अन्यः। आः दक्षत। अरावा
॥२४॥ ॥ अत्यासः। नाये। मरुतः। सुः अंबः। यक्षः दृशः। न। शुभयंत। मर्याः। ते। हर्म्यः स्थाः।
शिशवः। न। शुभ्राः। वत्सासः। न। प्रः क्रीळिनः। पयः। धाः। दृशस्यंतः। नः। मरुतः। मृळंतु। व
रिवस्यंतः। रोदसी इति। सुमेके इति सुः मेके। अरिः। गोः हा। नृः हा। वधः। वः। अस्तु। सुम्नेभिः
। अस्मे इति। वसवः। नमध्वं। आ। वः। होता। जोहवीति। सत्तः। सन्नान्वी। रातिं। मरुतः। गृणा
नः। यः। ईवतः। वृषणः। अस्ति। गोपाः। सः। अद्वयावी। हवते। वः। उक्थेः। इमे। तुरं। मरुतः। र

राम

॥४२॥

मयंति। इमे। सहः। सहसः। आ। नमंति। इमे। शंसं। वनुष्यतः। नि। पांति। गुरु। द्वेषः। अ
रुचे। दधंति। इमे। रध्रं। वित्। मरुतः। जुनंति। भूमि। वित्। यथा। वसवः। जुषंत। अष
। बाधध्वं। वृषणः। तमांसि। धत्त। विश्वं। तनयं। लोकं। अस्मे इति॥ २५ ॥ ॥ मा। वः। दा
त्रात्। मरुतः। निः। अराम। मा। पश्चात्। दध्म। रथ्यः। विः। भागे। आ। नः। स्पहि। भुज
तन। वसव्ये। यत्। इं। सुः। जातं। वृषणः। वः। अस्ति। सं। यत्। हनंत। मन्युः। भिः। जनोसः।
शूराः। यद्दीषु। ओषधीषु। विक्ष्। अधा। स्म। नः। मरुतः। रुद्रियासः। त्रातारः। भूत। ए
तनासु। अर्यः। भूरि। चक्र। मरुतः। पित्र्याणि। उक्थानि। या। वः। शस्यंते। पुरा। वित्। म
रुतः। भिः। उग्रः। एतनासु। साक्। मरुतः। भिः। इत्। सनिता। वाजं। अवी। अस्मे इति। वी
रः। मरुतः। शुष्मी। अस्त। जनानां। यः। असुरः। विः। धत्त। अपः। येन। सुः। क्षितये। तरे
म। अध। स्व। ओकः। अभि। वः। स्याम। ॥ २६ ॥ ॥ मध्वः। वः। नाम। मारुतं। यजत्राः।

प. पं. ४
॥४३॥

प्र। यज्ञेषु। शर्वसा। मदंति। ये। रेजयति। रोदसीदति। चित्। उवीदति। पिन्वंति। उत्सं। यत्।
अयासुः। उग्राः। निःचेतारः। हि। मरुतः। गुणतं। प्रःनेतारः। यजमानस्य। मन्म। अस्माकं
। अद्य। विदयेषु। बर्हिः। आ। वीतये। सदत। पिप्रियाणाः। न। एतावत्। अन्ये। मरुतः। य
था। इमे। भ्राजंते। रुक्मैः। आयुधैः। तनूभिः। आ। रोदसीदति। विश्वः। पिशः। पिशानाः।
समानं। संजि। अंजते। शुभे। कं। सध्वं। सा। वः। मरुतः। दिद्युत्। अस्तु। यत्। वः। आगः।
पुरुषत। कराम। मा। वः। तस्यां। अपि। भूम। यजत्राः। अस्मेदति। वः। अस्तु। सुःमतिः। च
निष्ठा। कृते। चित्। अत्र। मरुतः। रणतं। अनवद्यासः। शुचयः। पावकाः। प्र। नः। अवत्। सु
मतिः। यजत्राः। प्र। वाज्जेभिः। तिरत। पुष्यसे। नः। उत। स्नुतासः। मरुतः। व्यंतु। विश्वेभिः
। नामः। नरः। हवीं। वि। ददात। नः। अमृतस्य। प्रःजाये। जिगृत्। रायः। स्तृता। मघानि
। आ। स्नुतासः। मरुतः। विश्वे। ऊती। अक्ष। सूरिन्। सर्वः। ताता। जिगात। ये। नः। त्मना। शतिनः।

राम
॥४३॥

वर्धयति॥०॥२७॥ ॥ प्र। साकं॥ उक्षे। अर्चत। गणाय। यः। देवस्य। धाम्नः। तुविष्मान्। उ
 त। क्षोदंति। रोदसीदति। महिः॥ त्वा। नक्षते। नाक। निः॥ ऋतेः। अवंशात्। जनूः। चित्र। वः।
 मरुतः। त्वेष्टेण। भीमासः। तुविः॥ मन्यवः। अयासः। प्र। ये। महः॥ निः। ओजसा। उत। संति
 । विश्वः। वः। यामन्। भयते। स्वः॥ दृक्। बृहत्। वयः। मघवत्। भ्यः। दधात। जुजोषन्। इत्
 । मरुतः। सु॥ स्तुतिं। नः। गतेः। न। अध्वा। वि। तिराति। जंतुं। प्र। नः। स्याद्गोभिः। ऋतिः॥ भिः
 । तिरेत। युष्मा॥ ऊतः। विप्रः। मरुतः। शतस्वी। युष्मा॥ ऊतः। अवी। सङ्गरिः। सहस्री। यु
 ष्मा॥ ऊतः। सं॥ राट्। उत। हंति। वृत्रं। तत्। प्र। वः। अस्तु। धूतयः। देह्यं। तान्। रुद्रस्य। मी
 कृषः। विवासे। कुवित्। नंसते। मरुतः। पुनः। नः। यत्। सस्वर्त्त। जिहीक्रे। यत्। आ
 विः। अवा। तत्। एनः। ईमहे। तुराणां। प्र। सा। वाचि। सु॥ स्तुतिः। मघोनां। इदं। सु॥ उक्तं।
 मरुतः। जुषत। आरात्। चित्र। द्वेषः। वृषणाः। युयोत॥०॥२८॥ ॥ यं। त्रायध्वे। इदं॥ इदं।

आ।

प.पं.२

॥४४॥

देवासः।यं।च।यैनेय।तस्मै।अग्ने।वरुण।मित्र।अर्यमन्।मरुतः।शर्म।यच्छत।०।
ईजानः।तरति।द्विषः।प्र।सः।क्षयं।तिरते।वि।महीः।इषः।यः।वः।वराय।दाशति।न
हि।वः।चरमं।चन।वसिष्ठः।परिः।मंसते।अस्माकं।अद्य।मरुतः।सुते।सन्वा।विश्वे।
पिबते।कामिनः।नहि।वः।ऊतिः।एतनासु।मर्धति।यस्मै।अराध्वं।नरः।अभि।
वः।आ।अवर्त।सुः।मृतिः।नवीयसी।तूर्यं।यात।विषीषवः।ओइति।सु।घृष्टिः।रा
धसः।यातने।अंधासि।पीतये।इमा।वः।हव्या।मरुतः।ररे।हि।कं।मोइति।सु।अन्य
त्रे।गंतन।आ।च।नः।वर्हिः।मदंत।अविते।च।नः।स्यार्हाणि।दातवे।वसु।अस्त्रधं
तः।मरुतः।सोम्ये।मधौ।स्वाहा।इह।मादयाध्वे॥२२॥॥सस्वरिति।चित्।हि।तुन्वः
।शुंभमानिः।आ।हंससः।नीलः।पृष्ठाः।अपस्तन्।विश्वं।शर्धः।अभितः।मा।नि।सेद।
नरः।न।रुषवाः।सर्वने।मदंतः।यः।नः।मरुतः।अभि।दुः।दृष्टायुः।तिरः।चित्तानि।व

राम
॥४४॥

सर्वः। जिघांसति। दुहः। पाशान्। प्रति। सः। मुचीष्ट। तपिष्ठेन। हन्मना। हन्तन। तं। सांऽतपनाः।
इदं। हविः। मरुतः। तत्। जुजुएन। युष्माकं। ऊती। रिशादसः। गृहऽमेधासः। आ। गत। मरु
तः। मा। अप। भूतन। युष्माकं। ऊती। सुऽदानवः। इहऽइह। वः। स्वऽतवसः। कवयः। सूर्यऽतवः।
यज्ञं। मरुतः। आ। वृणे॥ अंबकं यजा महे सुगंधि पुष्टिवर्धनं॥ उर्वारुकमिव बंधनान्मृत्यो
र्मुक्षीय मामृतात्॥ ३०॥ ॥ इति पंचमाष्टके चतुर्थोऽध्यायः॥ ॥ ॐ ॥
यत्। अद्य। सूर्यः। ब्रवः। अनागाः। उत्ऽयन्। मित्राय। वरुणाय। सत्यं। वयं। देवऽत्रा। अदिते।
स्याम। तव। प्रियासः। अर्यमन्। रुपांतः। एषः। स्यः। मित्रावरुणा। नऽचक्षाः। उभेऽक्षे। उत्।
एति। सूर्यः। अभि। जमन्। विश्वस्य। स्थातुः। जगतः। वा। गोपाः। ऋजु। मर्तेषु। वृजिना। वा। प
श्यन्। अयुक्त। सप्त। हरितः। सधऽस्थातुः। याः। ई। वहति। सूर्यः। घृताचीः। धामानि। मित्रा
वरुणा। युवाकुः। सं। यः। यूथाऽइव। जनिमानि। चष्टे। उत्। वां। पृक्षासः। मधुऽमंतः। अस्तुः।

प.पं.५

॥४५॥

आ॥सूर्यः॥अरुह॥शुक्रं॥अर्णः॥यस्मै॥आदित्याः॥अध्वनः॥रदति॥मित्रः॥अर्यमा॥वरुणः॥
सः॥लोषाः॥इमे॥चेतारः॥अनृतस्य॥भूरेः॥मित्रः॥अर्यमा॥वरुणः॥दि॥संति॥इमे॥क्रतस्य॥व
वृधुः॥दुरोणे॥शग्मासः॥पुत्राः॥अदितेः॥अदब्धाः॥इमे॥मित्रः॥वरुणः॥दुः॥दशमासः॥अचे
तसं॥चित्॥चितयंति॥दक्षैः॥अपि॥क्रतुं॥सु॥चेतसं॥वर्ततः॥तिरः॥चित्॥अहः॥सु॥पथा॥न
यंति॥१॥॥इमे॥दिवः॥अनि॥मिषा॥एथिव्याः॥चिकित्वांसः॥अचेतसं॥नयंति॥प्र॥व्रजि॥
चित्॥नद्यः॥गाधं॥अस्ति॥पारं॥नः॥अस्य॥विष्यितस्य॥पर्वन्॥यत्॥गोपावत्॥अदितिः॥शर्म॥भ
द्रं॥मित्रः॥यच्छंति॥वरुणः॥सु॥दासे॥तस्मिन्॥आ॥तोकं॥तनयं॥दधानाः॥मा॥कर्म॥देवः॥हेळ
नं॥तुरासः॥अव॥वेदिं॥होत्राभिः॥यजेत॥रिपः॥काः॥चित्॥वरुणाः॥ध्रुतः॥सः॥परि॥देवः॥भिः
॥अर्यमा॥वृणाकु॥उरुं॥सु॥दासे॥वृषपो॥ऊं॥इति॥लोकं॥०॥सः॥क्रतिः॥लेषी॥एषां॥अपीच्येन॥
सरुसा॥सहते॥युष्मत्॥भिया॥वृषणः॥रेजमानाः॥दृष्टस्य॥चित्॥महिना॥मृळत॥नः॥यः॥ब्रह्म

राम

॥४५॥

पो। सुऽमतिं। आऽयजति। वाजस्य। सातो। परमस्य। रायः। सीक्षंत। मन्युं। मघऽवानः। अर्यः।
 उरु। क्षयाय। चक्रिरे। सुऽधातु। इयं देवा। पुरऽदितिः। युवऽभ्यां। यज्ञेषु। मित्रावरुणो। अका
 रि। विश्वानि। दुऽगा। विष्टं। तिरः। नः। ॥ २ ॥ ॥ उत्तरं। वां। चक्षुः। वरुणा। सुऽप्रतीकं। देव
 योः। एति। सूर्यः। ततन्वान्। अभि। यः। विश्वा। भुवनानि। चष्टे। सः। मन्युं। मल्लेषु। आ। चिके
 त। प्र। वां। सः। मित्रावरुणो। क्रतुऽवा। विप्रः। मन्मानि। दीर्घऽश्रुत्। इयति। यस्य। ब्रह्मणा
 सुक्रतुइति सुऽक्रतु। अवायः। आ। यत्। क्रत्वा। न। शरदः। एणेथेइति। प्र। उरोः। मित्राव
 रुणा। एथिव्याः। प्र। दिवः। ऋषात्। बृहत्। सुदानूइति सुऽदानू। स्पशः। दधाथेइति। ओ
 वधीषु। विष्णु। ऋधक्। यतः। अनिऽमिषं। रक्षमाणा। शंस। मित्रस्य। वरुणस्य। धाम।
 शुष्मः। रोदसीइति। बद्धधे। महिऽत्वा। अयन्। मासाः। अयज्वनां। अवीराः। प्रायज्ञऽमन्मा
 वृजनं। तिराते। अमूरा। विश्वा। वृषणो। दुमाः। वां। न। यासु। चित्रं। दृष्टे। न। यश्ने। दुहं।

प. पं. ५

॥४६॥

सचंते। अनृता। जनानां। न। वां। निष्पानि। अचिते। अश्रुवन्। सं। ऊं इति। वां। यज्ञं। महयं
। नमः। भिः। दुवे। वां। मित्रावरुणा। सः। बाधः। प्र। वां। मन्मानि। रुचसे। नवानि। कृता
नि। ब्रह्म। जुजुषन्। इमानि। ॥ ३ ॥ ॥ उत्तर। सूर्यः। बृहत्। अन्वरीषि। अश्रेत। पुरु। वि
श्व। जनिमा। मानुषाणा। समः। दिवा। दृष्टो। रोचमानः। कृत्वा। कृतः। सु। कृतः। कर्तुः
भिः। भूत। सः। सूर्य। प्रति। पुरः। नः। उत्तर। गाः। एभिः। स्तोमेभिः। एतशेभिः। एवैः। प्र। नः
। मित्राय। वरुणाय। वोचः। अनागसः। अर्यम्यो। अग्नये। च। वि। नः। सहस्रं। शुरुधः।
रदंतु। कृतः। वानः। वरुणः। मित्रः। अग्निः। ॥ १० ॥ आ। नः। काम। पू। पुरंतु। स्तवानाः। द्यावा
भूमी इति। अदिते। त्रासीथां। नः। ये। वां। जुजुः। सु। जनिमानः। रुच्ये इति। मा। हे। के। भू
म। वरुणस्य। वायोः। मा। मित्रस्य। प्रियः। तमस्य। नृणां। प्र। बाहवा। सिंसृतं। जीवसे।
नः। आ। नः। गव्यूतिं। उक्षतं। घृतेन। आ। नः। जने। श्रवयतं। युवाना। श्रुतं। मे। मित्रा

राम

॥४६॥

वरुणा॥ हवा॥ इमा॥ नु॥ मित्रः॥ वरुणः॥ अर्यमा॥ नः॥ त्मने॥ तोकाय॥ वरिवः॥ दधंतु॥ सु॥
 गा॥ नः॥ विश्वा॥ सु॥ पथानि॥ संतु॥ ०॥ ४ ॥ ॥ उत्॥ ऊं इति॥ एति॥ सु॥ भगः॥ विश्वः॥ च॥
 क्षाः॥ साधारणः॥ सूर्यः॥ मानुषाणां॥ चक्षुः॥ मित्रस्य॥ वरुणस्य॥ दिवः॥ चर्म॥ इव॥ यः॥ स॥
 अविव्यक्॥ तर्मासि॥ ०॥ प्र॥ स॥ विता॥ जनानां॥ महान्॥ केतुः॥ अर्णवः॥ सूर्यस्य॥ समानं॥ च॥
 क्रं॥ परि॥ आविवृत्सन्॥ यत्॥ एतशः॥ वहति॥ धूः॥ सु॥ युक्तः॥ वि॥ भ्राजमानः॥ उषसा॥
 उप॥ स्थाति॥ रेक्षैः॥ उत्॥ एति॥ अनु॥ मद्यमानः॥ एषः॥ मे॥ दिवः॥ स॥ विता॥ च॥ छंद॥ यः॥ स॥
 मानं॥ न॥ प्र॥ मिनाति॥ धाम॥ दिवः॥ रुक्मः॥ उरु॥ चक्षुः॥ उत्॥ एति॥ दूरे॥ अर्थः॥ तरणिः॥
 भ्राजमानः॥ नूनं॥ जनाः॥ सूर्येणा॥ प्र॥ सूताः॥ अयन्॥ अथानि॥ कृणावन्॥ अपांसि॥ यत्र॥
 वक्रुः॥ अमृताः॥ गातुं॥ अस्मे॥ श्येनः॥ न॥ दीयन्॥ अनु॥ एति॥ पाथः॥ प्रति॥ वां॥ सूरैः॥ उत्॥
 इति॥ विधेम॥ नमः॥ भिः॥ मित्रावरुणा॥ उत्॥ ह॥ व्यैः॥ ०॥ ५ ॥ ॥ दिवि॥ क्षयता॥ रजसः॥ ए

प. पं. ५

॥४७॥

थिव्यां । प्र । वां । घृतस्य । निः । निजः । ददीरन् । हव्यं । नः । मित्रः । अर्यमा । सुऽजातः । राजा ।
सुऽक्षत्रः । वरुणः । जुषता । आ । राजाना । महः । ऋतस्य । गोपा । सिंधुपती इति सिंधुऽपती ।
क्षत्रिया । यातं । अवक्लि । इकां । नः । मित्रावरुणा । उत । वृष्टिं । अव । दिवः । इन्वतं । जीरदा
नूदति जीरऽदानू । ० । देवः । अर्यः । प्र । साधिष्ठेभिः । पथिऽभिः । नयंतु । ब्रवते । यथा । नः । आ
त । अरिः । सुऽदासे । इषा । मदेम । सह । देवऽगोपाः । यः । वां । गर्तं । मनसा । तक्षत । एतं । ऊ
र्ध्वं । धीतिं । दूषावत । धारयत । च । उक्षेथां । मित्रावरुणा । घृतेन । ता । राजाना । सुऽक्षि
तीः । तर्पयेथां । एषः । स्तोमः । वरुण । मित्र । तुष्यं । सोमः । शुक्रः । न । वायवे । अयाभि । ० ।
॥ ६ ॥ ॥ ० । सुऽउक्तेः । मित्रं । दुवे । वरुणा । पूतऽदक्षं । ययोः । असुर्यः । अक्षितं । ज्येष्ठं ।
विश्वस्य । यामेन । आऽविता । जिगलु । ता । हि । देवानां । असुरा । ती । अर्या । ता । नः । क्षि
तीः । करतं । ऊर्जयंतीः । अश्याम । मित्रावरुणा । वयं । वां । द्यावा । च । यत्र । पीपयन् । अहा ।

राम

॥४७॥

CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

प.पं.५

॥४८॥

सूरिभिः। सह। इषां। स्व। रिति स्वः। च। धीमहि। बहवः। सूरः चक्षसः। आन्तिः जिह्वाः। क्रु
तः वधः। त्रीणि। ये। येमुः। विदधानि। धीतिः। निः। विश्वानि। परिभ्रतिः। निः॥ २॥ ॥ वि। ये
। दधुः। शरदं। मासं। आत्। अहः। यज्ञं। अक्तुं। च। आत्। क्रुचं। अनाप्यं। वरुणः। मित्रः। अ
र्यमा। क्षत्रं। राजानः। आशत। तत्। वः। अद्य। मनामहे। सु। उक्तैः। सूरैः। उत्। इति। यत्। ओह
ते। वरुणः। मित्रः। अर्यमा। यूयं। क्रुतस्य। रथ्यः। क्रुतः वानः। क्रुतः जातः। क्रुतः वधः।
घोरासः। अनृतः द्विषः। तेषां। वः। सुम्ने। सुद्युर्दिः। तमे। नरः। स्याम। ये। च। सूरयः। उ
त्। ऊं इति। त्यत्। दर्शितं। वपुः। दिवः। एति। प्रति। द्वरे। यत्। ई। आशुः। वहति। देवः। एत
शः। विश्वस्मै। चक्षसे। अरं। शीर्षः। शीर्षः। जगतः। तस्त्रुषः। पतिं। समयो। विश्वं। आ।
रजः। सप्त। स्वसारः। सुविताय। सूर्ये। वहति। हरितः। रथे॥ १०॥ ॥ तत्। चक्षुः। देवः
हितं। शुक्रं। उत्। वरत्। पश्येम। शरदः। शतं। जीवेम। शरदः। शतं। कायेभिः। अदाभ्या। आ।

राम

॥४८॥

यातं। वरुणा। धुः मत्। मित्रः। च। सोमः। पीतये। दिवः। धामः। भिः। वरुणा। मित्रः। च। आ।
 यातं। अद्रुह। विवतं। सोमं। आनुजीइत्याः। तुजी। आ। यातं। मित्रावरुणा। जुषाणो। आ।
 ऊर्तिं। नरा। ॥ ११ ॥ ॥ प्रति। वां। रथं। नृपतीइतिनृः। पती। जुरध्ये। हविष्मत्। मनसा। य
 ज्ञियेन। यः। वां। दूतः। न। धिष्ये। अजीगः। अह्व। स्रुतुः। न। पितरा। विवस्मि। अशोचि।
 अग्निः। संऽइधानः। अस्मेइति। उपोइति। अदृश्रन्। तमसः। चित्। अन्ताः। अन्वेति। केतुः।
 उषसः। पुरस्तात्। श्रिये। दिवः। दुहितुः। जायमानिः। अभि। वां। नूनं। अश्विना। सुऽहोता
 स्तोमैः। सिसक्ति। नासत्या। विवक्त्रान्। पूवश्भिः। यातं। पथ्याभिः। अर्वाक्। स्वः। विदा। व
 सुऽमता। रथेन। अवोः। वां। नूनं। अश्विना। युवाकुः। दुवे। यत्। वां। सुते। माध्वीइति। व
 सुऽयुः। आ। वां। वहंतु। स्रविरासः। अश्वः। विवथः। अस्मेइति। सुऽसुता। मधूनि। प्राची।
 ऊर्ति। देवा। अश्विना। धियं। मे। अमृत्रां। सातये। कृतं। वसुऽयुं। विश्वाः। अविष्टं। वाजे। आ।

प.पं.५
॥४८॥

पुरं धीः। ता। नः। शक्तं। शचीपती इति शचीऽपती। शचीभिः॥१२॥ ॥ अविष्टं। धीषु। अश्वि
ना। नः। आसु। प्रजाऽवतरेतः। अक्रयं। नः। अस्तु। आ। वां। तोके। तनये। तूतुजानाः। सुऽरत्ना
सः। देवऽवीतिं। गमेम। एषः। स्यः। वां। पूर्वगत्वाऽइव। सख्ये। निऽधिः। हितः। माध्वी इति। रा
तः। अस्मे इति। अहेळता। मनसा। आ। यातं। अर्वाक। अश्रंतं। हव्यं। मानुषीषु। विश्वं। ए
कस्मिन्। योगे। भुरणा। समनि। परि। वां। सप्त। स्रवतः। रथः। गात्रं। न। वायंति। सुऽश्वः। दे
वऽयुक्ताः। ये। वां। धूः। सु। तरणायः। वहंति। असश्वता। मघवत्सभ्यः। हि। भूतं। ये। राया
। मघऽदेयं। जुनंति। प्र। ये। बंधुं। सूतताभिः। तिरंते। गव्या। एचंतः। अश्व्या। मघानि।
नु। मे। हव्यं। आ। शण्डुतं। युवाना। यासिष्टं। वर्तिः। अश्विनौ। इरऽवत। धत्तं। रत्नानि। जर
तं। च। सूरीन्। ॥१३॥ ॥ आ। शुश्रा। यातं। अश्विना। सुऽअश्वो। गिरः। दस्त्रा। जुजुषाणा
। युवाकोः। हव्यानि। च। प्रतिऽभृता। वीतं। नः। प्र। वां। अश्व्यासि। मघानि। अस्तुः। अरं। ग

राम
॥४८॥

तं। हविषः। वीतये। मे। तिरः। अर्यः। हवनानि। श्रुतं। नः। प्र। वां। रथः। मनः। जवाः। इयत्ति।
 तिरः। रजांसि। अश्विना। शतः। ऊतिः। अस्मभ्यं। सूर्याविसूदति। इयानः। अर्यं। ह। यत्। वां।
 देवः। याः। ऊंइति। अद्रिः। ऊर्ध्वः। विवक्ति। सोमः। सुत। युवः। भ्यां। आ। वल्गूइति। विप्रः। व
 वृतीत। हव्येः। वित्रं। ह। यत्। वां। भोजनं। नु। अस्ति। नि। अत्रये। महिषंतं। युयोतं। यः। वां।
 ओमाने। दधति। प्रियः। सन्॥१४॥ ॥उत। त्यत्। वां। जुरते। अश्विना। भूत। च्यवानाय।
 प्रतीत्यं। हविः। दे। अधि। यत्। वर्षः। इतः। ऊति। धृत्यः। उत। त्यं। भुज्यं। अश्विना। सखायः
 मध्ये। जङ्गुः। दुः। एवासः। समुद्रे। निः। ई। पर्वत। अरावा। यः। युवाकुः। वृकाय। चित्। जस
 मानाय। शक्तं। उत। श्रुतं। शयवे। ह्यमाना। यो। अघ्न्यां। अपिन्वतं। अपः। न। स्तर्यं। चित्। श
 क्ती। अश्विना। शचीभिः। एषः। स्यः। कारुः। जरते। सुः। उक्तेः। अग्रे। बुधानः। उषसां। सुः। मन्मा
 दुषा। तं। वर्धत। अघ्न्यां। पयः। भिः॥१०॥१५॥ ॥आ। वां। रथः। सेदसीइति। बद्धधानः। हि

प-पं-५

॥५०॥

रण्ययः। वृषः। भिः। यातु। अश्वैः। घृतः। वर्त्तनिः। पविः। भिः। रुचानः। इषां। वोक्ता। नृः। पतिः।
वातिनीः। वान्। सः। पप्रथानः। अभि। पंवा। भूम। त्रिः। वंधुरः। मनसा। आ। यातु। युक्तः। विशः।
येन। गच्छथः। देवः। यंतीः। कुत्र। चित्। यामं। अश्विना। दधाना। सुः। अश्वः। यशसा। आ। यातं।
। अर्वाकु। रस्त्रा। निः। धिं। मधुः। मंतं। विवाथः। वि। वां। रथः। वध्वा। यादमानः। अंतान्। दिवः।
वाधते। वर्त्तनिः। भ्यां। युवोः। श्रियं। परि। योषा। अवृणीति। सूरः। दुहिता। परिः। तक्म्यो
यां। यत्। देवः। यंतं। अवथः। शन्वीभिः। परि। घ्रंसं। ओमना। वां। वयः। गात्र। यः। ह। स्यः
। वां। रथिरा। वस्ते। उस्त्राः। रथः। युजानः। परिः। याति। वर्त्तिः। तेन। नः। शं। योः। उषसः। विः
उष्टो। नि। अश्विना। वहतं। यत्ते। अस्मिन्। नरा। गोराः। देव। विः। द्युतं। तृषाणा। अस्मा
कं। अद्य। सर्वना। उप। यातं। पुरुः। त्रा। हि। वां। मतिः। भिः। हवंते। मरं। वां। अन्ये। नि। यमन्
। देवः। यंतः। युवं। भुज्युं। अवः। विद्धं। समुद्रे। उत। ऊहयुः। अर्णसः। अस्त्रिधानैः। पतत्रिः।

राम

॥५०॥

भिः। अश्रमेः। अव्यथिः। भिः। दंसनाभिः। अश्विना। पारयंता। ०॥१६॥ ॥ आ। विश्वः। वा
 रा। अश्विना। गतं। नः। प्रातर्। स्थानं। अवाचि। वा। एथिव्यां। अश्वः। ना। वाजी। शुनः। एष्टः
 । अस्त्रात्। आ। यत्। सेदथुः। ध्रुवसे। ना। योनिं। सिसृके। सा। वां। सुः। मतिः। चनिष्ठा। अतापि
 । घर्मः। मनुषः। दुरोणे। यः। वां। समुद्रान्। सरितः। पिपति। एतः। ग्वा। चित्। ना। सुः। युजा। यु
 जानः। यानि। स्थानानि। अश्विना। दधाथेइति। दिवः। यद्दीषु। ओषधीषु। विष्णु। नि। पवति
 स्य। मूर्धनि। सदंता। इषं। जनाय। दाशुषे। वहंता। चनिष्ठं। देवौ। ओषधीषु। अपः। सु। यत्।
 योग्याः। अश्वेथेइति। ऋषीणां। पुरुषि। रत्ना। दधत्तौ। नि। अस्मेइति। अनु। पूर्वाणि। च
 रव्यथुः। युगानि। शुश्रुः। वांसा। चित्। अश्विना। पुरुषि। अभि। ब्रह्माणि। वक्ष्माथेइति।
 ऋषीणां। प्रति। प्रायातं। वरं। आ। जनाय। अस्मेइति। वां। अस्तु। सुः। मतिः। चनिष्ठा। यः। वां।
 यज्ञः। नासत्या। हविष्मान्। कृतः। ब्रह्मा। सः। मर्यः। भवति। उप। ०। वसिष्ठं। इमा। ब्रह्माणि।

प.पं.५
॥५१॥

रुच्यंते। युवऽभ्या। इयं। मनीषा। इयं। अश्विना। गीः। इमां। सुऽवृत्तिं। वृषणा। जुषेथां। इ
मा। ब्रह्मणा। युवऽयूति। अगमन्। ॥ १० ॥ ॥ अप। स्वसुः। उषसः। नक्। जिहीते। रिणाक्ति।
हृष्टीः। अरुषाय। पंथां। अश्वऽमघा। गोऽमघा। वां। दुवेम। दिवा। नक्तं। शरुं। अस्मत्। यु
योतं। उपऽआयातं। दाशुषे। मर्त्याय। रथेन। वामं। अश्विना। वहता। युयुतं। अस्मत्। अनि
रां। अमीवां। दिवा। नक्तं। माध्वीदति। त्रासीथां। नः। आ। वा। रथं। अवमस्यां। विऽउष्टौ। सु
न्नऽयवः। वृषणः। वर्त्तयंतु। स्यूमऽगभस्ति। क्रतयुकुऽभिः। अश्वैः। आ। अश्विना। वसुऽ
मंतं। वहेथां। यः। वा। रथः। नृपतीदतिनृऽपती। अस्ति। वोक्ता। त्रिऽबंधुरः। वसुऽमान्।
उत्तऽयोमा। आ। नः। एना। नासत्या। उप। यातं। अभि। यत्। वां। विश्वऽफन्यः। जिगाति।
युवं। अवानं। जरसः। अमुमुक्ते। ॥ निः। अंहसः। तमसः। स्पन्तं। अत्रिं। नि। जाहुषं।
शिथिरे। घातं। अंतरिति। ॥ १० ॥ १८ ॥ ॥ आ। गोऽमता। नासत्या। रथेन। अश्वऽवता। पुरुऽ

राम
॥५१॥

चंद्रेण। यातं। अभि। वां। विश्वाः। निऽयुतः। सवन्ते। स्याह्या। श्रिया। तन्वा। शुभाना।
आ। नः। देवेभिः। उप। यातं। अर्वाकू। सऽजोषसा। नासत्या। रथेन। युवोः। हि। नः। सरव्या
। पित्र्याणि। समानः। बंधुः। उत। तस्य। वित्तं। उत। ऊदति। स्तोमासः। अश्विनोः। अबु
ध्नन्। जामि। ब्रह्माणि। उषसः। च। देवीः। आऽविवसन्। रोदसीदति। धिष्येदति
। इमेदति। अद्यु। विप्रः। नासत्या। विवक्ति। वि। च। इत्। उच्छंति। अश्विनो। उषसः।
प्र। वां। ब्रह्माणि। कारवः। भरन्ते। ०। बृहत्। अग्नयः। संऽइधा। जरन्ते। आ। पश्चा
तात्। नासत्या। आ। पुरस्तात्। आ। अश्विना। यातं। अधरात्। उदक्तात्। आ। विश्व
तः। पांचऽजन्येन। राया। ०। १२ ॥ ॥ ०। स्तोमं। देवऽयंतः। दधानिः। पुरुऽदंसा।
पुरुऽतमा। पुराऽजा। अमर्त्या। हवन्ते। अश्विना। गीः। नि। ऊदति। प्रियः। मनुषः।
सादि। होता। नासत्या। यः। यजन्ते। वंदते। च। अश्वीति। मध्वः। अश्विनो। उपाके।

प.पं.५

॥५२॥

आ। वां। वोचे। विदयेषु। प्रयस्वान्। अहेम। यज्ञं। पथां। उराणाः। इमां। सुऽवृत्तिं।
वृषणा। जुषेथां। शुष्णीवाऽइव। प्रऽद्वितः। वां। अबोधि। प्रति। स्तोमैः। जरमाणाः।
वसिष्ठः। उप। त्या। वद्रीइति। गमतेः। विशं। नः। रक्षः। हना। संऽभृता। वीकपाणी
इतिवीकुऽपाणी। सं। अंधांसि। अगमत। मत्सराणि। मा। नः। मर्धिष्टं। आ। गतं। शिवे
न। ॥२०॥ ॥०॥ दिविष्टयः। उस्त्रा। हवते। अश्विना। अयं। वां। अद्वे। अवसे। वा
चीवसूइतिवा। वीऽवसू। विशं। विशं। हि। गच्छथः। युवं। चित्रं। ददथुः। भोज
नं। नरा। वोदेथां। सूनृताऽवते। अर्वाकू। रथं। सं। मनसा। नि। यच्छतं। ॥०॥ आ। यातं। उ
प। भूषतं। मध्वः। पिबतं। अश्विना। दुग्धं। पयः। वृषणा। जेन्यावसूइति। ॥०॥ अश्वि
सः। ये। वां। उप। दाशुषः। गृहं। युवां। दीर्यति। विभ्रतः। मधुयुऽभिः। नरा। हयेभिः।
अश्विना। आ। देवा। यातं। अस्मयूइत्यस्मयू। अध। हा। यतः। अश्विना। पृक्षः। सचतं।

राम

॥५२॥

सूरयः। ता। यंसतः। मघवत्सभ्यः। ध्रुवं। यशः। छर्दिः। अस्मभ्यं। नासत्या। प्र। ये। ययुः।
अवकासः। रथाः। इव। नृपातारः। जनानां। उत। स्वेन। शवसा। शशुबुः। नरः। उत। क्षि
यंति। सुक्षितिं॥ २१ ॥ ॥ वि। उषाः। आवः। दिविः। जाः। कृतेन। आविः। दृष्वाना। म
हिमान्। आ। अगात्। अप। दुहः। तमः। आवः। अजुष्टं। अंगिरः। तमा। पथ्याः। अजीग
रिति। महे। नः। अद्य। सुविताय। बोधि। उषः। महे। सोसगाय। प्र। यंधि। चित्रं। रथिं। य
शसं। धोहि। अस्मेइति। देवि। मर्तेषु। मानुषि। श्रवस्यं। एते। त्ये। भानवः। दर्शतायाः। चि
त्राः। उषसः। अमृतासः। आ। अगुः। जनयंतः। देव्यानि। वृतानि। आ। पृणतः। अंतरि
क्षा। वि। अस्तुः। एषा। स्या। युजानि। पराकात्। पंच। क्षितीः। परि। सद्यः। जिगाति। अ
भिः। पश्यंती। वयुना। जनानां। दिवः। दुहिता। भुवनस्य। पत्नी। वाजिनी। वती। सूर्यस्य
। योषा। चित्रमघा। रायः। ईशे। वसूना। ऋषिः। सुता। जरयंती। मघोनी। उषाः। उद्य

प. पं. ५

॥५३॥

ति। वद्विऽभिः। गृणाना। प्रति। द्युतानां। अरुषासः। अश्वः। चित्राः। अदृश्रन्। उषसं। वहं
तः। याति। शुभ्रा। विश्वऽपिशा। रथेन। दधाति। रत्नं। विधत्ते। जनाय। सत्या। सत्येभिः। म
हती। महत्तऽभिः। देवी। देवेभिः। यजता। यजत्रैः। रुजत। दृक्कानि। ददत्। उस्त्रियाणां।
प्रति। गावः। उषसं। वावशंत। नु। नः। गोऽमत्। वीरऽवत्। धेहि। रत्नं। उषः। अश्वऽवत्।
पुरुऽभोजः। अस्मेदति। मा। नः। बर्हिः। पुरुषता। निदे। कः॥१०॥३२॥ ॥ उत। ऊंइति। ज्यो
तिः। अमृतं। विश्वऽजन्यं। विश्वानरः। सविता। देवः। अश्रेत्। कृत्वा। देवानां। अजनिष्ट।
वसुः। आविः। अकः। भुवनं। विश्वं। उषाः। प्रामे। पंथाः। देवयानाः। अदृश्रन्। अमर्ध
तः। वसुऽभिः। इष्टतासः। अश्रूत्। ऊंइति। केतुः। उषसः। पुरस्तात्। प्रतीची। आ। अगात्।
अधि। हर्म्येभ्यः। तानि। इत्। अहानि। वक्रलानि। आसन्। या। प्राचीनं। उत। इता। स्त
र्यस्यायतः। परि। जारः। देव। आ। चरन्ती। उषः। दृष्टे। न। पुनः। यतीऽइव। ते। इत्। देवानां।

राम

॥५३॥

सधऽमादः। आसन्। कृतऽवानः। कवयः। पूर्व्यासः। गूढं। ज्योतिः। पितरः। अनु। अविन्दन्।
सत्यऽमंत्राः। अज्ञनयन्। उषसा। समाने। ऊर्वे। अधि। संऽगतासः। सं। जानते। न। यतंते। मि
थः। ते। ते। देवानां। न। मिनंति। व्रतानि। अमर्धतिः। वसुऽभिः। यादमानाः। प्रति। त्वा। स्तोमैः।
ईकते। वसिष्ठाः। उषः। बुधः। सुऽभगे। तुस्तुऽवांसः। गवां। नेत्री। वाजऽपत्नी। नः। उच्छ। उ
षः। सुऽजाते। प्रथमा। जस्व। एषा। नेत्री। राधसः। सूनृतानां। उषाः। उच्छंती। रिश्यते। वसिष्ठेः
। दीर्घऽश्रुतं। रयि। अस्मेइति। दधाना॥०॥२३॥ ॥ उपोइति। रुरुवे। युवतिः। न। योषा। विश्वं।
जीवं। प्रऽसुवंती। वरायै। अश्रुत्। अग्निः। संऽद्धे। मानुषाणां। अकः। ज्योतिः। बाधमाना
। तमांसि। विश्वं। प्रतीची। सऽप्रथोः। उत्तर। अस्छात्। रुशत्। वासः। विभ्रती। शुक्रं। अश्वैर
। हिरण्यऽवर्णा। सुदृशीकऽसंदृक्। गवां। माता। नेत्री। अङ्गां। अरोचि। देवानां। चक्षुः। सुऽ
भगा। वहंती। श्वेतं। नयंती। सुऽदृशीकं। अश्वं। उषाः। अदर्शि। रश्मिऽभिः। विऽअक्ता। चित्रऽ

प. पं. ५
॥ ५४ ॥

मघा॥ विश्वं॥ अनु॥ प्रभूत॥ अंति॥ वामा॥ हरे॥ अमित्रं॥ उच्छ॥ उर्व॥ गव्यूतिं॥ अभयं॥ कृ
धि॥ नः॥ यवय॥ द्वेषः॥ आ॥ भर॥ वसूनि॥ बोदय॥ राधः॥ गृणते॥ मघोति॥ अस्मेइति॥ श्रे
ष्ठेभिः॥ भानुः॥ भिः॥ वि॥ भाहि॥ उषः॥ देवि॥ प्रतिरती॥ नः॥ आयुः॥ इषं॥ च॥ नः॥ दधती॥ विश्वः
वारे॥ गोः॥ मत्त॥ अश्वः॥ वत्त॥ रथः॥ वत्त॥ च॥ राधः॥ यो॥ त्वा॥ दिवः॥ दुहितः॥ वर्धयति॥ उषः॥ सुज्जा
ते॥ मतिः॥ भिः॥ वसिष्ठाः॥ सा॥ अस्मासु॥ धाः॥ रयिं॥ कुरुष्व॥ बृहत्॥ ॥ २४ ॥ ॥ प्रति॥ केतवः॥ प्र
थमा॥ अदृश्रन्॥ ऊर्ध्वाः॥ अस्याः॥ अंजयः॥ वि॥ श्रयंते॥ उषः॥ अर्वा॥ बृहता॥ रथेन॥ ज्योति
ष्मता॥ वामा॥ अस्मभ्यं॥ वक्षि॥ प्रति॥ सी॥ अग्निः॥ जरेते॥ सं॥ इन्द्रः॥ प्रति॥ विप्रासः॥ मतिः॥ भिः॥
गृणंतः॥ उषाः॥ याति॥ ज्योतिषा॥ बाधमाना॥ विश्वा॥ तमसि॥ दुः॥ इता॥ अप॥ देवी॥ ॥ प्रति॥
अदृश्रन्॥ पुरस्तात्॥ ज्योतिः॥ यच्छंतीः॥ उषसः॥ वि॥ सातीः॥ अजीजनन्॥ सूर्य॥ यज्ञं॥ अग्निं
॥ अपावीनं॥ तमः॥ अगात्॥ अजुष्टं॥ अचेति॥ दिवः॥ दुहिता॥ मघोनी॥ विश्वे॥ पश्यति॥ उषसं॥ वि॥

राम

॥ ५४ ॥

भाती ॥०॥ स्वधया ॥ युज्यमानं ॥ आ ॥ यं ॥ अश्वासः ॥ सुयुजः ॥ वर्हति ॥ प्रति ॥ त्वा ॥ अद्य ॥ सुम
 नसः ॥ बुधंत ॥ अस्माकसः ॥ मघऽवानः ॥ वयं ॥ च ॥ तिल्विलायध्वं ॥ उषसः ॥ विऽसातीः ॥ ॥ २५ ॥
 ॥ ॥०॥ पथ्या ॥ जनानां ॥ पंच ॥ क्षितीः ॥ मानुषीः ॥ बोधयती ॥ सुसंदृक् ॥ भिः ॥ उक्ष ॥ भिः ॥ भानुं ॥ अ
 श्रेत ॥ वि ॥ सूर्यः ॥ रोदसी इति ॥ वक्षसा ॥ आवरित्यावः ॥ वि ॥ अंजते ॥ दिवः ॥ अंतेषु ॥ अक्षुर् ॥ वि
 शः ॥ न ॥ युक्ताः ॥ उषसः ॥ यतंते ॥ सं ॥ ते ॥ गावः ॥ तमः ॥ आ ॥ वर्तयति ॥ ज्योतिः ॥ यच्छंति ॥ सवि
 ताऽइव ॥ बहू इति ॥ अश्रुत ॥ उषाः ॥ इद्रऽतमा ॥ मघोनी ॥ अजीजिनत ॥ सुविताय ॥ श्रवांसि ॥
 वि ॥ दिवः ॥ देवी ॥ दुहिता ॥ दधाति ॥ अंगिरः ॥ तमा ॥ सुदृते ॥ वसूनि ॥ तावत् ॥ उषः ॥ राधः ॥ अस्म
 न्यं ॥ रास्व ॥ यावत् ॥ स्तोतृष्यः ॥ अरुदः ॥ गणानां ॥ यं ॥ त्वा ॥ जजुः ॥ वृषभस्य ॥ स्वेणा ॥ वि ॥ दृक् ॥ स्य ॥
 दुरः ॥ अद्रिः ॥ ओणोः ॥ देवं ॥ देवं ॥ राधसि ॥ बोधयती ॥ अस्मद्वक् ॥ सूरताः ॥ ईरयती ॥ वि ॥ उच्छंती
 नः ॥ सनये ॥ धियः ॥ धाः ॥ ॥ २६ ॥ ॥ प्रति ॥ स्तोमेभिः ॥ उषसं ॥ वसिष्ठाः ॥ गीः ॥ भिः ॥ विप्रासः ॥

प.पं.५

॥५५॥

प्रथमाः।अबुध्नः।विःवर्त्तयंती।रजसीइति।समंतेइतिसंऽअंते।आविःऽवृण्वती।भुव
नानि।विश्वो।एषा।स्या।नव्यं।आयुः।दधाना।गूढी।तमः।ज्योतिषा।उषाः।अबोधि।अ
ग्रे।एति।युवतिः।अद्रयाणा।प्र।अविकिततर।सूर्य।यज्ञं।अग्निं।॥२७॥

॥ इतिपंचमाष्टकेपंचमोऽध्यायः॥ ॥ॐ॥ ॥प्रति।ऊंइति।अदर्शि।आऽय
ती।उच्छंती।दुहिता।दिवः।अपोइति।महि।व्ययति।चक्षसे।तमः।ज्योतिः।कृणोति।सून
री।उत्।उस्त्रियाः।सृजते।सूर्यः।सन्वा।उत्स्यत।नक्षत्रं।अर्विऽवत्।तव।इत्।उषः।विऽ
उषि।सूर्यस्या।च।स।भक्तेन।गमेमहि।प्रति।त्वा।दुहितः।दिवः।उषः।जीराः।असुत्स
हि।या।वहसि।पुरु।स्याहं।वनन्ऽवति।रत्नं।न।दाशुषे।मयः।उच्छंती।या।कृणोवि।मंह
ना।महि।प्रऽरव्ये।देवि।स्वः।दृशे।तस्याः।ते।रत्नं।भाजः।ईमहे।वयं।स्यामि।मातुः।न।सू
नवः।तत्।चित्रं।राधः।आ।भर।उषः।यत्।दीर्घश्रुत्।तमं।यत्।ते।दिवः।दुहितः।मूर्त्तं।भो

राम

॥५५॥

जनं। तत्। रास्व। भुनजामहे। श्रवः। सूरिभ्यः। अमृतं। वसुः। त्वनं। वाजान्। अस्मभ्यः। गोः
 मतः। वोदयित्री। मघोनः। सूनता। वती। उषाः। उद्युता। अप। मिथः॥१॥ ॥ इंद्रावरुणा॥
 युवां। अध्वराय। नः। विशे। जनाय। महि। शर्म। यद्युतं। दीर्घः। प्रयज्युं। अति। यः। वनुष्यति। व
 यं। जयेम। एतनासु। दुः। ध्यः। सं। राट। अन्यः। स्व। राट। अन्यः। उच्यते। वां। महांतौ। इंद्राव
 रुणा॥ महावसू इति महावसू। विश्वे। देवासः। परमे। वि। ओमनि। सं। वां। ओजः। वृषणा।
 सं। बलं। दधुः। अनु। अपां। रवानि। अतंतं। ओजसा। आ। सूर्ये। ऐरयतं। दिवि। प्रभु। इंद्रा
 वरुणा। मदे। अस्या। मायिनः। अपिन्वतं। अपितः। पिन्वतं। धियः। युवा। इत्। युत्सु। एतना
 सु। वद्वयः। युवां। क्षेमस्य। प्रसवे। मितः। जवः। ईशाना। वस्वः। उषयस्य। कारवः। इंद्रावरुणा
 सु। हवा। हवामहे। इंद्रावरुणा। यत्। दुमानि। चक्रथुः। विश्वा। जातानि। भुवनस्य। मज्मना
 क्षेमेण। मित्रः। वरुणं। दुवस्यति। मरुत्। मिः। उग्रः। शुभं। अन्यः। इयते॥२॥ ॥ महे। शुल्का

प. पं. ६
॥ १६ ॥

या। वरुणास्या। नु। त्विषे। ओजः। मिमाते इति। ध्रुवं। अस्य। यत्। स्वं। अजा। मिं। अन्यः। श्रुथयंतं
। आ। अतिरत्। दभ्रेभिः। अन्यः। प्र। वृणोति। भूयसः। ०। दुः। इतानि। मर्त्ये। इंद्र। वरुणा। न। त
पः। कुतः। चन। यस्य। देवा। गच्छथः। वीथः। अध्वरं। नातं। मर्त्तस्य। नशते। परिः। दूतिः। अर्वा
कू। नरा। देव्येन। अवसा। आ। गतं। शरणुतं। हवं। यदि। मे। जुजोषथः। युवोः। हि। सरव्यं। उत।
वा। यत्। आर्यं। माडु३कं। इंद्र। वरुणा। नि। यच्छतं। अस्माकं। इंद्र। वरुणा। भरेऽभरे। पुरः। योधा
। भवतं। कृष्टिः। ओजसा। यत्। वां। हवंते। उभये। अधा। सृधि। नरः। लोकस्य। तनयस्य। सातिषु।
अस्मे इति। इंद्रः। वरुणः। मित्रः। अर्यमा। द्युम्नं। यच्छंतु। महि। शर्म। सुः। प्रथः। अवध्रं। ज्योतिः। अ
दितेः। ऋतः। वृधः। देवस्य। श्लोकं। सवितुः। मनामहे॥ ३ ॥ ॥ युवां। नरा। पश्यमानासः। आर्य
। प्रान्वा। गव्यंतः। एषुः। पर्शवः। ययुः। दासा। च। वृत्रा। हतं। आर्याणि। च। सुः। दासं। इंद्र। वरुणा
। अवसा। अवतं। यत्र। नरः। सं। अर्यते। कृतः। ध्वजः। यस्मिन्। आजग। भवति। किं। चन। प्रियं। य

राम
॥ १६ ॥

॥ ४ ॥ ॥ त्रि। भयंते। भुवना। स्वः। दृशः। तत्र। नः। इंद्रावरुणा। अधि। वोचतं। सं। भूम्याः। अंताः। ध्वसिराः।
 अदृष्टत। इंद्रावरुणा। दिवि। घोषः। ओ। अरुहत्। अस्तुः। जनानां। उप। मां। अरातयः। अर्वाक्।
 अवसा। हवनः। श्रुता। आ। गतं। इंद्रावरुणा। वधनाभिः। अप्रति। भेदं। वन्वंता। प्र। सुऽदासं।
 आवतं। ब्रह्माणि। एषां। शृणुतं। हवीमनि। सत्या। तत्सूनां। असवत्। पुरः। हितिः। इंद्रावरुणौ।
 अभि। आ। तपंति। मा। अघानि। अर्यः। वनुषां। अरातयः। युवं। हि। वस्वः। उषयस्य। राजथः।
 ॥ ४ ॥ ॥ अध। स्म। नः। अवतं। पार्ये। दिवि। युवां। हवते। उषयासः। आजिषु। इंद्रं। च। वस्वः। वरुणं। च।
 सातये। यत्र। राज्ञः। भिः। दशः। भिः। निः। बोधितं। प्र। सुऽदासं। आवतं। तत्सुऽभिः। सह। दश।
 राजानः। सं। इताः। अयज्यवः। सुऽदासं। इंद्रावरुणा। न। युयुधुः। सत्या। नृणां। अघः। सदा।
 उपऽस्तुतिः। देवाः। एषां। अभवन्। देवऽकृतिषु। दशऽराज्ञे। परिऽयत्ताय। विश्वतः। सुऽदा
 से। इंद्रावरुणौ। अशिष्टतं। श्रित्यं चः। यत्र। नमसा। कपार्दिनः। धिया। धीऽवंतः। असंपत। तत्स

प.पं.६
॥६७॥

वः। वृत्राणि। अन्यः। संऽइथेषु। जिघ्रति। व्रतानि। अन्यः। अभि। रक्षते। मदा। हवामहे। वां। व
षणा। सुवृत्तिऽभिः। अस्मेइति। इंद्रावरुणा। शर्म। यच्छतं॥०॥ ५॥ ॥ आ। वां। राजानो। अध्व
रे। वृत्त्या। हव्येभिः। इंद्रावरुणा। नमः। भिः। प्र। वां। घृताची। बाह्वेः। दधाना। परि। त्मना। वि
षुऽरूपा। जिगाति। युवोः। राष्ट्रं। बृहत्। इन्वति। द्यौः। यो। सेतऽभिः। अरज्जुऽभिः। सिनीथः।
परि। नः। हेळः। वरुणास्या। वृज्याः। उरुं। नः। इंद्रः। वृणवत्। ऊइति। लोकं। कृतं। नः। यज्ञं। विद
थेषु। चारुं। कृतं। ब्रह्माणि। सूरिषु। प्रऽशस्ता। उपोइति। रथिः। देवऽजतः। नः। एतु। प्र। नः। स्या
हीभिः। ऊतिऽभिः। तिरेतं। अस्मेइति। इंद्रावरुणा। विश्वऽवारं। रथिं। धत्तं। वसुऽमंतं। पुरुऽक्षुं।
प्रायः। आदित्यः। अनृता। मिनाति। अमिता। शरः। द्यते। वस्तुनि। इयं। इंद्रः। वरुणा। अष्ट। मे। गीः
। प्र। आवत्। तोके। तनये। त्रुजाना। सुऽरत्नासः। देवऽवीतिं। गमेम॥०॥ ६॥ ॥ पुनीषे। वां।
अरक्षसं। मनीषां। सोमं। इंद्राय। वरुणाय। जुह्वत्। घृतऽप्रतीकां। उपसं। न। देवी। ता। नः। या

राम
॥६७॥

मन्। उरुष्यतां। जभीके। स्पधते। वै। ऊंइति। देवः दूये। अत्र। येषु। ध्वजेषु। दिद्यवः। पतति।
युवं। तान्। इंद्रावरुणो। अमित्रान्। हतं। पराचः। शर्वी। विषूचः। आपः। चित्। हि। स्वः यशसः।
सदः। सु। देवीः। इंद्रं। वरुणं। देवता। धुरितिधुः। कृषीः। अन्यः। धारयति। प्रः विक्ताः। वृत्राणि।
अन्यः। अप्रतीनि। हंति। सः। सुः क्रतुः। क्रतुः चित्। अस्तु। होता। यः। आदित्या। शर्वसा। वां। न
मस्वान्। आः ववर्त्तत्। अवसे। वां। हविष्मान्। असत्। इत्। सः। सुविताय। प्रयस्वन्। ॥ ७ ॥
॥ ॥ धीरा। तु। अस्या। महिना। जनूंषि। वि। यः। तस्मै। रोदसीइति। चित्। उर्वरइति। प्र। नाकं।
क्रुषं। नुनुदे। बृहंतं। हित्। नक्षत्रं। पप्रथत्। च। भूम। उत। स्वया। तन्वा। सं। वदे। तत्। कदा। उ।
अंतः। वरुणो। भुवानि। किं। मे। हव्यं। अहणानिः। जुषेत। कदा। मृळीकं। सुः मनः। अभि। रव्यं।
एषे। तत्। एनः। वरुण। दिदृक्षु। उपोइति। एमि। चिकितुषः। विः एषं। समानं। इत्। मे। कवयः
चित्। आहुः। अयं। हा। तुभ्यं। वरुणः। हृणीति। किं। आगः। आस। वरुण। ज्येष्ठं। यत्। स्तोतारं।

प.पं.६

॥५८॥

जिघांसि।सखायं।प्र।तत्।मे।वोचः।दुः।दम्।स्वधाऽवः।अव।त्वा।अनेनाः।नमसा।तुरः।
इयां।अव।द्रुधानि।पित्र्या।सृजानः।अव।या।वयं।चक्रम।तनूभिः।अव।राजन्।पशुऽतये।
न।तायुं।सृज।वत्सं।न।दाम्नः।वसिष्ठं।न।सः।स्वः।दक्षः।वरुणा।धृतिः।सा।सुरा।मन्युः।
विऽभीदेकः।अचित्तिः।अस्ति।ज्यायान्।कनीयसः।उपऽअरे।स्वप्नः।चन।इत्।अनृतस्य।प्रऽ
योता।अरं।दासः।न।मीढुषे।करणि।अहं।देवाय।भूर्णये।अनागाः।अवेतयत्।अचितः।
देवः।अर्यः।गृत्सं।राये।कविऽतरः।जुनाति।अयं।सु।तुश्यं।वरुणा।स्वधाऽवः।हृदि।स्तोमः।
उपऽश्रितः।चित्।अस्तु।शं।नः।क्षेमे।शं।ऊइति।योगे।नः।अस्तु॥०॥८॥॥रदत्।पथः।व
रुणः।सूर्याय।प्र।अणो।सि।समुद्रिया।नदीनां।सर्गः।न।सृष्टः।अर्वतीः।ऋतऽयन्।चकार।
महीः।अवनीः।अहऽभ्यः।आत्मा।ते।वातः।रजः।आ।नवीनोत्।पशुः।न।भूर्णिः।यवसे।
सुसुऽवान्।अंतः।मही।इति।वृहती।इति।रोदसी।इति।इमे।इति।विश्वी।ते।धाम।वरुणा।प्रि

राम

॥५८॥

पाणि। परि। स्पर्शः। वरुणस्य। स्मत्। दृष्टाः। उभेदूति। पश्यंति। रोदसीदूति। सुमेकेदूति।
 सुमेके। क्रतु। वानः। कवयः। यज्ञ। धीराः। प्र। चेतसः। ये। इषयंत। मन्म। उवाच। मे। वरु
 णः। मेधिराय। त्रिः। सप्त। नाम। अध्या। वि। सति। विद्वान्। पदस्य। गुह्या। न। वोचत। युगा
 य। विप्रः। उपराय। शिष्यन्। तिस्रः। द्यावः। नि। हिताः। अंतः। अस्मिन्। तिस्रः। भूमीः। उप
 राः। षट्संविधानाः। गत्सः। राजा। वरुणः। चक्रे। एतं। दिवि। प्र। ईश्वं। हिरण्ययं। शु
 भे। कं। अवा। सिंधुं। वरुणाः। द्यौः। इव। स्थात। द्रुमः। न। श्वेतः। मृगः। तुविष्मान्। गं
 शीरुशंसः। रुजसः। वि। मानः। सुपारु। क्षत्रः। सतः। अस्य। राजा। यः। मृळयाति। वक्रु
 षे। चित्। आगः। वयं। स्याम। वरुणे। अनागाः। अनु। व्रतति। अदितेः। क्रुधंतः॥१॥
 ॥२॥ ॥ प्र। शुंध्युव। वरुणाय। प्रेक्षा। मतिं। वसिष्ठ। मीकृषे। भरस्व। यः। ई। अवचि
 करति। यज्ञत्र। सहस्रं। मघं। वृषणं। बृहत्। अध। नु। अस्य। सं। दृशं। जगन्वान्। अ

प.पं.६

॥५५॥

निः।अनीकं।वरुणस्य।मंसि।स्वः।यत्।अश्मन्।अधिःपाः।ऊंइति।अंधः।अभि।मा।
वपुः।दृशये।निनीयात्।आ।यत्।रुहाव।वरुणः।च।नावं।प्र।यत्।समुद्रं।ईरयाव।म
ध्यं।अधि।यत्।अपां।स्नुःभिः।चराव।प्र।प्रःईस्वे।ईरवयावहे।शुभे।क।वसिष्ठं।ह
वरुणः।नावि।आ।अधात्।ऋषिं।चकार।सुःअपाः।महः।भिः।स्तोतारं।विप्रः।सुदि
नः।त्वे।अङ्गं।यात्।नु।द्यावः।ततनन्।यात्।उषसः।क्व।त्यानि।नो।सरव्या।वभूवुः।
सचावहेइति।यत्।अवृकं।पुरा।वित्।बृहंतं।मानं।वरुण।स्वधाःवः।सहस्रं।द्वारं।ज
गम।गृहे।ते।यः।आपिः।नित्यः।वरुण।प्रियः।सन्।त्वा।आर्गासि।कृपावत्।सखा।
ते।मा।ते।एनस्वतः।यक्षिन्।भुजेम।यधि।स्म।विप्रः।स्तुवते।वरुणं।ध्रुवासु।त्वा।आ
सु।क्षितिषु।क्षियतः।वि।अस्मत्।पार्श्वं।वरुणः।मुमेचत्।अवः।वन्वानोः।अदितेः।
उपः।स्यत्।॥१०॥ ॥मोइति।सु।वरुण।मृत्।मयं।गृहं।राजन्।अहं।गमं।मृक।सुः

राम

॥५५॥

क्षत्र। मृळया। यत्र। एभि। प्रस्फुरन्। इव। दृतिः। न। ध्यातः। अद्रिः। वः। ॥ १० ॥ कृत्वः। समह। दीन
 ता। प्रति। ईयं। जगम। शुचे। ॥ अपां। मध्ये। तस्मि। वासं। तृष्णा। अविदत्। जरितारं। ॥ य
 त्। किं। च। इदं। वरुणा। देव्ये। जने। अक्षि। द्रोहं। मनुष्याः। चरामसि। अचिन्ती। यत्। तव। ध
 र्म। युयोपिमा। मानः। तस्मात्। एनसः। देव। शिष्यः॥ ११ ॥ ॥ प्र। वीरया। शुचयः। दद्रे। वां।
 अध्वर्युः। भिः। मधुः। मंतः। सुतासः। वह। वायोइति। निः। युतः। याहि। अब्। पिब। सुतस्य।
 अंधसः। मदाया। ईशानाय। प्रः। दुतिं। यः। ते। आनद्। शुचिं। सोम। शुचिः। पाः। तुभ्यं। वायोइ
 ति। कृणोषि। तं। मर्त्येषु। प्रः। शस्तं। जातः। जातः। जायते। वाजी। अस्य। राये। नु। यं। जज्ञतुः
 । रोदसीइति। इमेइति। राये। देवी। धिषणा। धाति। देव। अध। वायुं। निः। युतः। सश्वत। स्वाः।
 उत। श्वेतं। वसुः। धितिं। निरेके। उच्छ्रन्। उषसः। सुः। दिनाः। अरिप्राः। उरु। ज्योतिः। विविदुः
 । दीध्यानाः। गन्धं। चित्र। ऊर्व। उशिजः। वि। वव्रुः। तेषां। अनु। प्रः। दिवः। सस्रुः। आपः। ते। स

प.पं.६
॥६०॥

त्येन। मनसा। दीध्यानाः। स्वेन। युक्तासः। क्रतुना। वहन्ति। इंद्रवायू इति। वीरः। वाहं। रथं। वां।
ईशानयोः। अभि। पृक्षः। सचन्ते। ईशानासः। ये। दधते। स्वः। नः। गोभिः। अश्वेभिः। वसुभिः।
। हिरण्येः। इंद्रवायू इति। सूरयः। विश्वं। आयुः। अर्वत्सभिः। वीरैः। एतनासु। सङ्क्रः। अर्वतः।
। न। श्रवसः। भिक्षमाणाः। इंद्रवायू इति। सुस्तुतिभिः। वसिष्ठाः। वाजस्यंतः। सु। अवसे। दु
वेम। ॥१२॥ ॥ कुवित्। अंगानमसा। ये। वृधासः। पुरा। देवाः। अनवद्यासः। आसन्। ते
। वायवे। मनवे। बाधिताय। अवासयन्। उषसं। सूर्येण। उशन्ता। दूता। न। दक्षाय। गोपा।
मासः। च। पाथः। शरदः। च। पूर्वः। इंद्रवायू इति। सुस्तुतिः। वा। इयाना। माउ३कं। ईदु।
सुवितं। च। नव्यं। पीवः। अन्नान्। रयिः। वृधः। सुमेधाः। श्वेतः। मिसक्ति। निः। युता। अ
भिः। श्रीः। ते। वायवे। सः। मनसः। वि। तस्तुः। विश्वा। इत्। नरः। सुः। अपत्यानि। चक्रुः।
यावत्। तरः। तन्वः। यावत्। ओजः। यावत्। नरः। चक्षसा। दीध्यानाः। शुचि। सोमं। शुचिः।

राम
॥६०॥

पा। पातं। अस्मे इति। इंद्रवायू इति। सदतं। बर्हिः। आ। इदं। निऽयुवाना। निऽयुतः। स्पार्हः
वीराः। इंद्रवायू इति। सऽरथं। यातं। अर्वाक्। इदं। हि। वा। प्रऽभृतं। मध्वः। अग्रं। अधः। प्री
पाना। वि। मुमुक्तं। अस्मे इति। याः। वा। शतं। निऽयुतः। याः। सहस्रं। इंद्रवायू इति। विश्वः
वाराः। सचंते। आ। आभिः। यातं। सुऽविदत्राभिः। अर्वाक्। पातं। नरा। प्रतिऽभृतस्य। म
ध्वः। ॥ १३ ॥ ॥ आ। वायो इति। भूष। शुचिऽपाः। उप। नः। सहस्रं। ते। निऽयुतः। विश्वऽ
वार। उपो इति। ते। अंधः। मद्यं। अयामि। यस्य। देवा दधिषे। पूर्वऽपेयं। प्र। द्योता। जी
रः। अध्वरेषु। अस्मात्। सोमं। इंद्राय। वायवे। विबध्ये। प्र। यतं। वा। मध्वः। अग्रियं। भ
रति। अध्वर्यवः। देवऽयंतः। शन्वीभिः। प्र। यामिः। यासि। दाश्वासं। अब्रू। नियुतऽभिः।
वायो इति। इष्टये। दुरोणे। नि। नः। रयिं। सुऽभोजसं। युवस्व। नि। वीरं। गव्यं। अभ्व्यं।
च। राधं। ये। वायवे। इंद्रऽमादनासः। आऽदेवासः। निऽतेशनासः। अर्यः। घ्नंतः। वृत्रा

प. पं. ६
॥ ६९ ॥

णि। सूरिऽभिः। स्याम। ससक्तांसः। युधा। नऽभिः। अमित्रान्। ॥ वायो इति। अस्मिन्।
सवने। मादयस्व। ॥ १५ ॥ ॥ शुचि। नु। स्तोमं। नवऽजातं। अद्य। इंद्राग्नी इति। वृत्रऽह
ना। जुषेथा। उभा। हि। वां। सुऽहवा। जोहवीमि। ता। वाजं। सद्यः। उशते। धेष्ठा। ता। सा
नसी इति। शवसाना। हि। भूतं। साकंऽवृधा। शवसा। शूशुऽवांसा। क्षयंते। रायः। यवस
स्य। भूरेः। एतं। वाजस्य। स्रविरस्य। घृषेः। उपो इति। ह। यत्। विदथे। वाजिनः। गुः। धी
भिः। विप्राः। प्रऽमतिं। इच्छमानः। अर्वतः। न। काष्ठा। नक्षमाणाः। इंद्राग्नी इति। जोहू
वतः। नरः। ते। गीऽभिः। विप्रः। प्रऽमतिं। इच्छमानः। ईदृ। रयिं। यशसं। पूर्वऽभार्जं। इंद्रा
ग्नी इति। वृत्रऽहना। सुऽवज्रा। प्र। नः। नव्येभिः। तिरतं। देष्टेः। सं। यत्। मही इति। मिथती राम
इति। स्यर्धमाने इति। तनूऽरुचा। शूरऽसाता। यतेते इति। अदेवऽयुं। विदथे। देवयुऽभिः। ॥ ६९ ॥
सत्रा। हतं। सोमऽसुता। जनेन ॥ १५ ॥ ॥ इमां। ऊं इति। सु। सोमऽसुतिं। उप। नः। आ। इंद्रा

ग्नीइति। सौमनसाय। यातां। नु। चित्। हि। परिमम्नाथेइतिपरिऽमम्नाथे। अस्मान्। आ
 । वां। शश्वत्ऽभिः। ववतीय। वाजैः। सः। अगते। एना। नमसा। संऽइन्द्रः। अर्द्ध। मित्रं। वरु
 णं। इन्द्रं। वोचेः। ०। मृळ। तत्। अर्यमा। अदितिः। शिश्रथंतु। एताः। अगते। आशुषाणासः
 । इष्टीः। युवोः। सचा। अभि। अश्याम। वाजान्। मा। इन्द्रः। नः। विष्णुः। मरुतः। परि। स्व्यन्।
 । ०। १६॥ ॥ इयं। वां। अस्य। मन्मनः। इन्द्राग्नीइति। पूर्व्यऽस्तुतिः। अभ्रात्। वृष्टिः। इव।
 अजनि। शृणुतं। जरितुः। हवं। इन्द्राग्नीइति। वनतं। गिरः। ईशाना। पिप्यतं। धियः। मा।
 पापऽत्वाय। नः। नरा। इन्द्राग्नीइति। मा। अभिऽशस्तये। मा। नः। शिरधतं। निदे। इन्द्रे। अ
 ग्ना। नमः। बृहत्। सुऽवृत्तिं। आ। ईरयामहे। धिया। धेनाः। अवस्यवः। ता। हि। शश्वतः।
 । ईळते। इत्या। विप्रसः। ऊतये। सऽबाधः। वाजऽसातये। ता। वां। गीऽभिः। विपन्यवः।
 प्रयस्वतः। हवामहे। मेधऽसाता। सनिष्यवः॥ १७॥ ॥ इन्द्राग्नीइति। अवसा। आ। गतं।

प.पं.६
॥६२॥

अस्मभ्यं चर्षाणिऽसहा॥०॥ मा॥ कस्य॥ नः॥०॥ गोऽमत्र॥ हिरण्यऽवत्॥ वसु॥ यत्॥ वां॥ अश्वऽ
वत्॥ ईमहे॥ इंद्राग्नी॥ इति॥ तत्॥ वने॥ माहि॥ यत्॥ सोमे॥ आ॥ सुते॥ नरः॥ इंद्राग्नी॥ इति॥ अजो॥ हवुः॥
॥ सप्तिऽवंता॥ सपर्यवः॥ उक्थ्येभिः॥ वृत्रहन्ऽतमा॥ या॥ मंदाना॥ वित॥ आ॥ गिरा॥ आंगूषेः॥
आ॥ विवासतः॥ तो॥ इत्॥ दुः॥ शंसं॥ मर्त्ये॥ दुः॥ विद्वांसं॥ रक्षस्विनं॥ आ॥ भोगं॥ हन्मना॥ हतं॥
उद॥ धिं॥ हन्मना॥ हतं॥ ॥१८॥ ॥ प्रा॥ क्षोदसा॥ धायसा॥ सस्त्रे॥ एषा॥ सरस्वती॥ धरुणा॥ आय
सी॥ पूः॥ प्र॥ बावेधाना॥ रथ्या॥ इवा॥ याति॥ विश्वाः॥ अपः॥ माहिना॥ सिंधुः॥ अन्याः॥ एका
॥ अचेतत्॥ सरस्वती॥ नदीनां॥ शुचिः॥ यती॥ गिरिऽभ्यः॥ आ॥ समुद्रात्॥ रायः॥ चेतती॥ भुवनस्य
॥ भूरेः॥ घृतं॥ पयः॥ दुदुहे॥ नाडुषाय॥ सः॥ ववृधे॥ नर्यः॥ योषणासु॥ वृषा॥ शिशुः॥ वृषसः॥
यज्ञियासु॥ सः॥ वाजिनं॥ मघवत्ऽभ्यः॥ दधाति॥ वि॥ सातये॥ तन्वं॥ ममृजीत॥ उत्॥ स्या॥
नः॥ सरस्वती॥ जुषाणा॥ उप॥ श्रवत्॥ सु॥ भगा॥ यज्ञे॥ अस्मिन्॥ मित॥ जु॥ भिः॥ नमस्येः॥ इया

राम
॥६२॥

ना। राया। युजा। चित्। उत्तरा। सरिर्विभ्यः। इमा। जुह्वानाः। युष्मत्। आ। नमः। भिः।
 प्रति। स्तोमं। सरस्वति। जुषस्व। तवा। शर्मन्। प्रियः। तमे। दधानाः। उप। स्त्रियाम। शरणं। न।
 वृक्षं। अयं। ऊंइति। ते। सरस्वति। वसिष्ठः। द्वारो। क्रतस्य। सुभगे। वि। आवरित्यावः। व
 र्ध। शुभ्रे। स्तुवते। रासि। वाजनि। ०॥१२॥ ॥ बृहते। ऊंइति। गाविषे। वचः। असुर्या। न
 दीनां। सरस्वती। इत्। मह्य। सुवृत्तिः। भिः। स्तोमैः। वसिष्ठ। रोदसीइति। उभेइति। यत्।
 ते। महिना। शुभ्रे। अंधसीइति। अधिः। क्षियंति। पूरवः। सा। नः। बोधि। अवित्री। मरुत्। स
 खा। चोद। राधः। मघोनां। भद्रं। इत्। भद्रा। कृणावत्। सरस्वती। अकवः। अरी। चेतति। वाजि
 नीः। वती। गृणाना। जमदग्निः। वत्। स्तुवाना। च। वसिष्ठः। वत्। जनिः। यंतः। नु। अग्रवः। पुत्रिः।
 यंतः। सुदानवः। सरस्वती। हवामहे। ये। ते। सरस्वः। ऊर्मयः। मधुः। मंतः। घृतः। श्रुतः। तेभिः।
 नः। अविता। भव। पीयः। वांसै। सरस्वतः। स्तनं। यः। विश्वः। दर्शतः। भक्षीमहि। प्रजां। इष्य ॥

प.पं.६
॥६३॥

॥२०॥ ॥यज्ञे।दिवः।नृः।सर्दने।एथिव्याः।नरः।यत्र।देवः।यवः।मदंति।इंद्राय।यत्र।सर्व
नानि।सुन्वे।गमते।मदाय।प्रथम।वयः।च।आ।दैव्या।वृणीमहे।अवांसि।बृहस्पतिः।नः।
महे।आ।सखायः।यथा।भवेम।मीकृषे।अनागाः।यः।नः।दाता।पराः।वतः।पिताः।इवातं।
ऊंइति।ज्येष्ठ।नमसा।हविः।भिः।सुः।शेवं।ब्रह्मणः।पति।गृणीषे।इंद्र।श्लोकः।महि।
दैव्यः।सिषक्तु।यः।ब्रह्मणः।देवः।कृतस्य।राजा।सः।आ।नः।योनि।सद्वु।प्रेष्ठः।बृह
स्पतिः।विश्वः।वारः।यः।अस्ति।कामः।रायः।सुः।वीर्यस्य।तं।दति।पर्वत।नः।अति।सश्रुतः।
अरिष्टान्।तं।आ।नः।अर्कं।अमृताया।जुष्टं।दुमे।धासुः।अमृतसिः।पुराः।जाः।शुचिः।नः।
दे।यजतं।पस्त्यानां।बृहस्पतिं।अनर्वाणं।दुवेम॥२१॥ ॥तं।शग्मासः।अरुषासः।अ
श्वः।बृहस्पतिं।सहः।वाहः।वहंति।सहः।चित्।यस्य।नीलः।वत्।सधः।सहः।नभः।न।रू
पं।अरुषं।वसानाः।सः।हि।शुचिः।शतः।पत्रः।सः।शुंध्युः।हिरण्यः।वाशीः।इविरः।स्वः।

राम
॥६३॥

साः। बृहस्पतिः। सः। सुः। आवेशः। ऋषः। पुरु। सखिः। भ्यः। आः। सुति। करिष्ठः। देवी इति।
 देवस्य। रोदसी इति। जनित्री इति। बृहस्पति। ववृधतुः। महिः। त्वा। दक्षाय्याय। दक्षत। सरवा
 यः। करत्। ब्रह्मणो। सुः। तरा। सुः। गाधा। इयं। वा। ब्रह्मणः। पते। सुः। वृत्तिः। ब्रह्म। इंद्राय। व
 जिणे। अकारि। बृहस्पते। युवं। इंद्रः। च। वस्वः। दिव्यस्य। ईशाथे इति। उत। पार्थिवस्य।
 धत्ते। रयि। स्तुवते। कीरये। चित्। ॥ २२ ॥ ॥ अध्वर्यवः। अरुणः। दुग्धं। अंशुं। जुहोत न। वृ
 षभाय। क्षितीनां। गौरात्। वेदीयान्। अवः। पानं। इंद्रः। विश्वाहा। इत्। याति। सुतः। सोमं।
 इच्छन्। यत्। दधिषे। प्रः। दिवि। चारु। अन्नं। दिवेः। दिवे। पीतिं। इत्। अस्य। वक्षि। उत
 । हृदा। उत। मनसा। जुषाणः। उशन्। इंद्रः। प्रः। स्थितान्। पाहि। सोमान्। जज्ञानः। सोमं।
 सहसे। पपाथ। प्राते। माता। महिमान्। उवाच। आ। इंद्रः। पप्राथ। उरु। अंतरिक्षं। युधा।
 देवेभ्यः। वारिवः। वृकथं। यत्। योधयाः। महत्। मन्यमानान्। साक्षाम। तान्। बाहुभिः

प.पं.६
॥६४॥

॥शाशदानान्।यत्।वा।नृभिः।वृतः।इंद्र।अभिः।युध्याः।तं।त्वया।आजिं।सोश्रवसं।
जयेम।प्र।इंद्रस्य।वोचं।प्रथमा।कृतानि।प्र।नूतना।मघः।वा।या।चकार।यदा।इत्।अ
देवीः।असहिष्ट।मायाः।अथ।अभवत्।केवलः।सोमः।अस्य।तव।इदं।विश्वे।अभितः।
पशव्यं।यत्।पश्यसि।चक्षसा।सूर्यस्य।गवां।असि।गोः।पतिः।एकः।इंद्र।भक्षी।महि
ते।प्र।यतस्य।वस्वः।॥२३॥ ॥परः।मात्रया।तन्वा।वृधान।नाते।महिः।त्वं।अनु।अ
श्रुवन्ति।उभे।इति।ते।विद्म।रजसी।इति।एथिव्याः।विष्णो।इति।देव।त्वं।परमस्य।वि
त्सी।नाते।विष्णो।इति।जायमानः।न।जातः।देव।महिम्नः।परं।अंतं।आप।उत्।अ
स्तभ्नाः।नाकं।ऋषं।वृहंतं।दाधर्यं।प्राची।कुकुर्भे।एथिव्याः।इरावती।इतीरा।वेती।
धेनुमती।इति।धेनुः।मती।हि।भूतं।सुयवसिनी।इति।सुयवसिनी।मनुषे।दशस्या।वि
अस्तभ्नाः।रोदसी।इति।विष्णो।इति।एते।इति।दाधर्यं।एथिवी।अभितः।मयूरैवेः।उरं।

राम
॥६४॥

यज्ञाय। वक्रथुः। ऊं इति। लोकं। जनयंता। सूर्ये। उषसं। अग्निं। दासस्य। चित्र। वृषः। शिप्रस्य
। मायाः। जघ्नथुः। नरा। एतनाज्येषु। इंद्रविष्णु इति। दं हिताः। शंकरस्य। नव। पुरः। नवतिं।
चा। अथिष्ट। शतं। वर्विनः। सहस्रं। चा। साकं। हथः। अप्रति। असुरस्य। वीरान्। इयं। मनीषा।
बृहती। बृहन्ता। उरुः। क्रमा। तवसा। वर्धयंती। ररे। वा। स्तोमं। विदथेषु। विष्णो इति। पितृवतं।
इषः। वृजनेषु। इंद्र। वषट्। ते। विष्णो इति। आसः। आ। हृणोमि। तत्। मे। जुषस्व। शिपिः
विष्ट। हव्यं। वर्धतु। त्वा। सुः। स्तुतयः। गिरः। मे। ॥ २४ ॥ ॥ नु। मर्त्तः। दयते। सनिष्ठान्। यः।
विष्णवे। उरुः। गायाय। दाशत्। प्रायः। सत्रान्वा। मनसा। यजति। एतावतं। नयं। आः। विवा
सात्। त्वं। विष्णो इति। सुः। मतिं। विश्वः। जन्यां। अप्रः। युतां। एवः। यावः। मतिं। दाः। पर्वः। य
था। नः। सुवितस्य। भूरेः। अश्वः। वतः। पुरुः। चंद्रस्य। रायः। त्रिः। देवः। एथिवी। एषः। एता
वि। वक्रमे। शतः। अर्चसं। मद्दि। त्वा। प्र। विष्णुः। असु। तवसः। तवीयान्। तेषां। हि। अस्य।

प.पं.६
॥६५॥

स्थविरस्य। नाम। वि। चक्रमे। पृथिवी। एषः। एतां। क्षेत्राया। विष्णुः। मनुषे। दशस्यन्। ध्रुवासः।
अस्य। कीरयः। जनासः। उरुऽक्षितिं। सुऽजनिमा। चकार। प्र। तत्। ते। अद्य। शिपिऽविष्टः। ना
म। अर्यः। शंसामि। वयुनानि। विद्वान्। तं। त्वा। गृणामि। तवसं। अतव्यान्। क्षयंतं। अस्य।
रजसः। पराके। किं। इत्। ते। विष्णोइति। परिऽचक्ष्य। भूत्। प्र। यत्। ववक्षे। शिपिऽविष्टः। अ
स्मि। मा। वर्षः। अस्मत्। अप। गूहः। एतत्। यत्। अन्यऽरूपः। संऽदृष्टे। वभूथ। ॥२५॥ ॥
॥ इति पंचमाष्टकेष्वष्टोऽध्यायः ॥ ॥ अं ॥ ॥ तिस्रः। वाचः।

प्र। वद्। ज्योतिः। अग्राः। याः। एतत्। दुक्के। मधुऽदोघं। ऊधः। सः। वत्सं। वृषवन्। गर्भं। ओ
षधीनां। सद्यः। जातः। वृषभः। शेरवीति। यः। वर्धनः। ओषधीनां। यः। अपां। यः। विश्वस्य
। जगतः। देवः। ईशे। सः। त्रिऽधातु। शरणां। शर्म। यंसत्। त्रिऽवर्तु। ज्योतिः। सुऽअभिष्टि।
अस्मेइति। स्रुरीः। ऊंइति। त्वत्। भवति। मूते। ऊंइति। त्वत्। यथाऽवशं। तन्वी। वक्त्रे। ए

राम
॥६५॥

षः। पितुः। पयः। प्रति। गृह्णाति। माता। तेन। पिता। वर्धते। तेन। पुत्रः। यस्मिन् विश्वानि
 । भुवनानि। तस्मिन्। तिस्रः। द्यावः। त्रेधा। सस्त्रुः। आपः। त्रयः। कोशासः। उपः। सेवनासः।
 मध्वः। श्वेतति। अभितः। विः। रप्रा। इदं। वचः। पर्जन्याय। स्वः। राजे। हृदः। अस्तु। अंतरं।
 तत्। जुजोषत्। मयः। भुवः। वृष्टयः। संतु। अस्मे इति। सुः। पिप्पलः। ओषधीः। देवः। गोपाः।
 । सः। रेतः। धाः। वृषभः। शश्वतीनां। तस्मिन्। आत्मा। जगतः। तस्मिन् षः। च। तत्। मा। कृते।
 पातु। शतः। शारदाय। ॥ १ ॥ ॥ पर्जन्याय। प्र। गायत। दिवः। पुत्राय। मीकृषे। सः। नः।
 यवसं। इष्टुतु। यः। गर्भं। ओषधीनां। गवं। कृणोति। अर्वतां। पर्जन्यः। पुरुषीणां। तस्मै।
 इत्। आस्ये। हविः। जुहोत। मधुमत्। तमं। इकं। नः। संः। यतं। कर्त॥ २ ॥ ॥ संवत्सरं।
 शशयानाः। ब्राह्मणाः। व्रतः। चारिणः। वार्वं। पर्जन्यः। जिन्विता। प्र। मंडकाः। अवादिषुः।
 । दिव्याः। आपः। अभि। यत्। एनं। आयत्। हति। न। शुष्कं। सरसी इति। शयोनं। गर्वा। अ

प. पं. ७

॥ ६६ ॥

ह। न। मायुः। वृत्तिनीनां। मंडुकानां। वग्नुः। अत्र। सं। एति। यत्। ई। एनान्। उशतः।
अभि। अवर्षित। तृष्य। वतः। प्रावृषि। आ। गतायां। अश्वलीकृत्य। पितरं। न। पुत्रः।
अन्यः। अन्यं। उप। वदंतं। एति। अन्यः। अन्यं। अनु। गृह्णाति। एनोः। अपां। प्र। सर्गे।
यत्। अमंदिषातां। मंडकः। यत्। अभि। वृष्टः। कनिस्कन्। पृश्निः। सं। पृक्ते। हरितेन। वा
चं। यत्। एषां। अन्यः। अन्यस्य। वाचं। शाक्तस्य। इव। वदति। शिश्नमाणः। सर्वे। तत्। ए
षां। समृधा। इव। पर्व। यत्। सु। वाचः। वदथन। अधि। अपु। सु॥ ३॥ ॥ गोः। मायुः। एकः।
अजः। मायुः। एकः। पृश्निः। एकः। हरितः। एकः। एषां। समानं। नाम। विभ्रतः। वि। स्तृपाः।
पुरुः। त्रा। वाचं। पिपिशुः। वदंतः। ब्राह्मणासः। अति। रात्रे। न। सोमे। सरः। न। पूर्णं। अभि
तः। वदंतः। संवत्सरस्य। तत्। अहरिति। परि। स्तृ। यत्। मंडकाः। प्रावृषीणं। वक्ष्वं। ब्रा
ह्मणासः। सोमिनः। वाचं। अक्रत। ब्रह्म। कृष्वंतः। परिवत्सरीणं। अध्वर्यवः। घृमिणः। सि

राम
॥ ६६ ॥

स्विदानाः। आविः। भवन्ति। गुह्याः। न। के। चित्। देवः। हिति। जुगुपुः। द्वादशस्य। क्रतुं। नरः।
 न। प्र। मिनन्ति। एते। संवत्सरे। प्रावृषि। आः। गतायां। तप्ताः। घर्माः। अश्रुवते। विः। सर्ग।
 गोः। मायुः। अदात्। अजः। मायुः। अदात्। एभिः। अदात्। हरितः। नः। वसूनि। गवां। मंडकाः।
 दहतः। शतानि। सहस्रः। सावे। प्रातिरन्ते। आयुः॥ ४ ॥ ॥ इंद्रसोमा। तपतं। रक्षः। उब्धो
 तं। नि। अर्पयतं। वृषणा। तमः। वृधः। परा। शृणीतं। अचितः। नि। ओषतं। हतं। नुदेशं।
 नि। शिशीतं। अत्रिणः। इंद्रसोमा। सं। अघः। शंसं। अभि। अघं। तपुः। ययस्तु। चरुः। अ
 त्रिवान्। द्रव। ब्रह्म। द्विषे। क्रव्यः। अदे। घोरः। चक्षसे। द्वेषः। धृतं। अनवायं। किमीदिने।
 इंद्रसोमा। दुः। वृतः। वव्रे। अंतः। अनारंभणे। तमसि। प्र। विध्यतं। यथा। न। अतः। पुनः।
 एकः। चन। उत्। अयत्। तत्। वा। अस्तु। सहसे। मन्युः। मत्। शवः। इंद्रसोमा। वर्त्तयतं। दिवः।
 वधं। सं। पृथिव्याः। अघः। शंसाय। तर्हणं। उत्। तक्षतं। स्वर्ग्यं। पर्वतेभ्यः। येन। रक्षः। ववृधा

प.पं. ७
॥ ६७ ॥

नं। निऽऽर्चयः। ०। परि। अग्निऽतमेभिः। युवं। अश्महन्मऽभिः। तपुऽवधेभिः। अजरेभिः।
। अत्रिणाः। नि। पर्शाने। विध्यतं। यंतु। निऽस्वरं॥ ५॥ ॥ इंद्रासोमा। परि। वां। भूतु। विश्वतः।
इयं। मतिः। कक्ष्या। अश्वाऽद्व। वाजिना। यो। वां। होत्रां। परिऽदिनोमि। मिधया। इमा। ब्रह्मा
णि। नृपती। इवेतिनृपतीऽइवे। जिन्यतं। प्रति। स्मरेथां। तुजयत्सभिः। एवेः। हते। द्रुहः। रक्षे
सः। भंगुरऽवतः। इंद्रासोमा। दुऽकृते। मा। सुऽग। भूत। यः। नः। कदा। वित्। अभिऽदास
ति। द्रुहा। यः। मा। पाकेन। मनसा। चरतं। अभिऽचष्टे। अन्तेभिः। वचः। मिः। आपः। इ
व। काशिना। संऽगृहीताः। असन्। असु। असतः। इंद्र। वक्ता। ये। पाकऽशंसं। विऽहरं
ते। एवेः। ये। वा। भद्रं। दूषयंति। स्वधाभिः। अहये। वा। तान्। प्रऽददातु। सोमः। आ। वा। द
धातु। निऽऽर्चतेः। उपऽस्ते। यः। नः। रसं। दिष्मति। पित्वः। अग्ने। यः। अश्वानां। यः। ग
वां। यः। तनूनां। रिपुः। स्तेनः। स्तेयऽकृत। दभ्रं। एतु। नि। सः। हीयतां। तन्वा। तना। च ॥

राम
॥ ६७ ॥

॥६॥ ॥परः।सः।अस्तु।तन्वा।तना।च।तिस्त्रः।पृथिवीः।अधः।अस्तु।विश्वः।प्रति।
 शुष्यतु।यशः।अस्य।देवाः।यः।नः।दिवा।दिशति।यः।च।नक्तं।सुः।विज्ञानं।चिकि
 तुष।जनाय।सत्।च।असत्।च।वचसीइति।पस्पधातेइति।तयोः।यत्।सत्यं।यत्तरत्।
 ऋजीयः।तत्।इत्।सोमः।अवति।हंति।असत्।न।वे।ऊंइति।सोमः।वृजिनं।हिनो
 ति।न।क्षत्रियं।मिथुया।धारयंतं।हंति।रक्षः।हंति।असत्।वदंतं।उभौ।इंद्रस्य।प्रः
 सितो।शयातेइति।यदि।वा।अहं।अनृतः।देवः।आसा।मोघं।वा।देवान्।अपिः।ऊहे।
 अग्ने।किं।अस्मभ्यं।जातः।वेदः।दृषीषे।द्रोघः।वाचः।ते।निः।रूथं।संवता।अद्य।
 मुरीय।यदि।यातुः।धानः।अस्मि।यदि।वा।आयुः।तत्तप।पुरुषस्य।अधः।सः।वी
 रेः।दशः।भिः।वि।यूयाः।यः।मा।मोघं।यातुः।धानः।इति।आह॥७॥ ॥यः।मा।अ
 यातु।यातुः।धानः।इति।आह।यि।वा।रक्षाः।शुचिः।अस्मि।इति।आह।इंद्रः।तं।हंतु।

प. पं. ७
॥ ६८ ॥

महता॥ वधेन॥ विश्वस्य॥ जंतोः॥ अधमः॥ पदीष्ट॥ प्राया॥ जिगाति॥ खर्गलः॥ इव॥ नर्त
॥ अप॥ द्रुहा॥ तन्वं॥ गृहमाना॥ वव्रान्॥ अनंतान्॥ अव॥ सा॥ पदीष्ट॥ ग्रावाणः॥ घ्नंतु॥ रक्ष
सः॥ उप॥ द्यैः॥ वि॥ तिष्ठध्वं॥ मरुतः॥ विष्णु॥ इच्छत॥ गृभायत॥ रक्षसः॥ सं॥ पिनष्टन॥ वयः॥
ये॥ भूर्त्वी॥ पतयंति॥ नृक्तः॥ भिः॥ ये॥ वा॥ रिपुः॥ दधिरे॥ देवे॥ अध्वरे॥ प्र॥ वर्त्तय॥ दिवः॥ अ
श्माने॥ इंद्र॥ सोमः॥ शितं॥ मघः॥ वन॥ सं॥ शिशोधि॥ प्राक्तात्॥ अपक्तात्॥ अधरात्॥
उदक्तात्॥ अभि॥ जहि॥ रक्षसः॥ ॥ पर्व॥ तेन॥ एते॥ ऊंइति॥ त्ये॥ पतयंति॥ श्वः॥ यातवः॥
॥ इंद्र॥ दिष्मंति॥ दिष्मवः॥ अदाभ्यं॥ शिशीते॥ शक्रः॥ विशुनेभ्यः॥ वधं॥ भूने॥ सृजत॥
अशनिं॥ यातुमत्भ्यः॥ ॥ ८ ॥ ॥ इंद्रः॥ यातूना॥ असवत्॥ पराः॥ शरः॥ हविः॥ मथीना॥
अभि॥ आः॥ विवासतां॥ अभि॥ इत्॥ ऊंइति॥ शक्रः॥ परशुः॥ यथा॥ वनं॥ पात्राः॥ इव॥ भिं
दन॥ सतः॥ एति॥ रक्षसः॥ उलूकः॥ यातुं॥ शुशुलूकः॥ यातुं॥ जहि॥ श्वः॥ यातुं॥ उत॥ कीकः॥

राम
॥ ६८ ॥

यातुं। सुपर्णः। यातुं। उत। गृध्रः। यातुं। दृषदाः। इव। प्र। मृण। रक्षः। इंद्र। मा। नः। रक्षः। अ
 नि। नट्। यातुः। मावतां। अप। उष्टु। मिथुना। या। किमीदिना। पृथिवी। नः। पार्थिवात्।
 पातु। अंहसः। अंतरिक्षं। दिव्यात्। पातु। अस्मान्। इंद्र। जहि। पुमांसं। यातुः। यानं। उत।
 स्त्रियं। मायया। शाशदानां। विः। ग्रीवासः। मूरः। देवाः। ऋदंतु। मा। ते। दृशन्। सूर्यं। उतः।
 चरंतं। प्रति। चक्ष्व। वि। चक्ष्व। इंद्रः। च। सोम। जागृतं। रक्षः। भ्यः। वधं। अस्यतं। अश
 निं। यातुमत्। भ्यः॥ २॥ ॥ इति मंडलं ॥ ॥ मा। चित्। अन्यत्। वि। शंसत। सर्वायः।
 मा। रिषण्यत। इंद्र। इत्। स्तोत। वृषणं। सचा। सुते। मुद्गुः। उक्था। च। शंसत। अवः। ऋ
 क्षिणं। वृषसं। यथा। अजुरं। गां। न। चर्षणिः। सह। विः। द्वेषणं। सं। वनना। उभयं। करं।
 महिष्ठं। उभयाविनं। यत्। चित्। हि। त्वा। जिनाः। इमे। नाना। हवंते। ऊतये। अस्माकिं। ब्रह्म।
 दूदं। इंद्र। भूतु। ते। अहा। विश्वा। च। वर्धनं। वि। तत्तूर्यते। मघः। वन्। विपः। चितः। अर्यः।

प. पं. ७

॥ ६५ ॥

विपः। जनानां। उप। क्रमस्व। पुरुः। रूपं। आ। भर। वाजं। नेदि। वं। ऊतये। महे। वन। त्वां।
अद्रिः। वः। परा। शुल्काय। देया। न। सहस्राय। न। अयुताय। वज्रिः। वः। न। शताय। शतः।
मघ॥ १०॥ ॥ वस्यन्। इंद्र। असि। मे। पितुः। उत। भ्रातुः। अभुजतः। माता। च। मे। सु
दयथः। समा। वसोदति। वसुः। त्वनाय। राधसे। कं। दयथ। कं। इत्। असि। पुरुः। त्रा। चित्
। हि। ते। मनः। अलर्षि। युध्मा। खजः। कृत्। पुरं। दर। प्रा। गायत्रा। अगासिषुः। प्रा। अस्मे। गा
यत्रं। अर्चत। ववातुः। यः। पुरं। दरः। याभिः। कायवस्य। उप। बर्हिः। आ। सदे। यासत्। व
ज्री। भिनत्। पुरः। ये। ते। सति। दश। दिनः। शतिनः। ये। सहस्रिणः। अश्वसः। ये। ते। व
षणाः। रघुः। दुवः। तेभिः। नः। तूयं। आ। गहि। आ। तु। अद्य। सत्। दुघां। कुवे। गायत्रं
वेपसं। इंद्र। धेनुं। सुदुघां। अन्यौ। दुष्य। उरुः। धारां। अरुं। कर्त॥ ११॥ ॥ यत्। तुदत्। स्म
रः। एतेशां। वंकूदति। वातस्य। पणिनि। वहत्। कुत्सं। आर्जुनेयं। शतः। क्रतुः। त्सरत्। गंध

राम
॥ ६५ ॥

वं। अस्तुतं। यः। ऋते। चित्। अभिऽश्रियः। पुरा। शत्रुऽभ्यः। आऽतदः। संऽधाता। संऽधि
 । मघऽवा। पुरुऽवसुः। इक्ष्कर्त्ता। विऽद्रुतं। पुनरिति। मा। भूम। निष्प्याः। इव। इंद्र। त्वत्। अ
 रणाः। इव। वनाति। न। प्रऽतहिताति। अद्रिऽवः। दुरोषासः। अमन्महि। अमन्महि।
 इत्। अनाशवः। अनुग्रासः। च। वृत्रऽहन्। सक्ते। सु। ते। महता। शूर। राधया। अनु। स्तो
 मं। मुदीमहि। यदि। स्तोमं। मम। श्रवत्। अस्माकं। इंद्र। इंद्रवः। तिरः। पवित्रं। ससृऽवा
 सः। आशवः। मंदतु। तुय्यऽवृधः॥ १२॥ ॥ ७॥ सधऽस्तुतिं। ववातुः। सख्युः। आ। गहि। उपऽस्तु
 तिः। मघोनां। प्र। त्वा। अवतु। अधाते। वशिमे। सुऽस्तुतिं। सोत। हि। सोमं। अद्रिऽभिः। आ।
 ई। एनं। अशुऽसु। धावत। गव्या। वस्त्राऽइव। वासयंतः। इत्। नरः। निः। धुक्षन्। वक्षणाभ्यः
 । अधा। जमः। अधा। वा। दिवः। बृहतेः। रोचनात्। अधि। अया। वर्धस्व। तन्वा। गिरा। मम।
 आ। जाता। सुक्रतो इति सुऽक्रतो। एणा। इंद्राया। सु। मदिन्ऽतमं। सोमं। सोत। वरेण्यं। शक्रः।

प. पं. ७

॥ ७० ॥

एतं। पीपयत्। विश्वया। धिया। हिन्वानं। न। वाजः। युं। मा। त्वा। सोमस्य। गल्हया। सदा।
यावन्। अहं। गिरा। भूरि। मृगं। न। सर्वनेषु। चुक्रुध। कः। ईशानं। न। याविषत्॥ १३॥
॥ ॥ मदेन। इषितं। मदे। उग्रं। उग्रेण। शवसा। विश्वेषां। तरुतारं। मदः। व्युतं। मदे। हि।
स्म। ददाति। नः। शेवरी। वार्या। पुरु। देवः। मर्त्याय। दाशुषे। सः। सुन्वते। च। सुवते। च।
रासते। विश्वः। गूर्तः। अरिः। स्तुतः। आ। इंद्र। याहि। मत्स्व। चित्रेण। देव। राधसा। सरः।
न। प्राप्ति। उदरं। सपीतिः। भिः। आ। सोमेभिः। उरु। स्फिरं। आ। त्वा। सहस्रं। आ। शतं।
युक्ताः। रथे। हिरण्यये। ब्रह्म। युजः। हरयः। इंद्र। केशिनः। वहंतु। सोमः। पीतये। आ।
त्वा। रथे। हिरण्यये। हरीदति। मयूरः। शेष्या। शितिः। पृष्ठा। वहतां। मध्वः। अंधसः।
विवक्षणस्य। पीतये॥ १४॥ ॥ विबं। तु। अस्य। गिर्वणः। सुतस्य। पूर्वपाः। इव। प
रिः। कृतस्य। रसिनः। इयं। आ। सुतिः। चारुः। मदाय। पत्यते। यः। एकः। अस्ति। इत्यना॥

राम
७०॥

महान्। उग्रः। अभि। व्रतैः। गमत्। सः। शिप्री। न। सः। योषत्। आ। गमत्। हव। न। प
रि। वर्जति। त्वं। पुर। वरिष्णु। वधेः। शुल्लस्य। सं। पिणक्। त्वं। भाः। अनु। चरः। अध। द्वि
ता। यत्। इन्द्र। हव्यः। भुवः। मम। त्वा। सूरै। उत्। इते। मम। मध्यंदिने। दिवः। मम। प्र।
पित्वे। अपि। शर्वरे। वसोइति। आ। स्तोमासः। अवत्सत। स्तुहि। स्तुहि। इत्। एते। घाते।
महिष्ठासः। मघोना। निदितः। अश्वः। प्र। पथी। परमः। ज्याः। मघस्य। मेध्यः। अतिथे।
॥१५॥ ॥ आ। यत्। अश्वान्। वनन्। वतः। श्रद्धया। अहं। रथे। रुहं। उत्। वामस्य। वसु
नः। विकेतति। यः। अस्ति। याद्वः। पशुः। यः। ऋज्जा। मद्यं। ममहे। सह। त्वचा। हिरण्य
या। एषः। विश्वानि। अभि। अस्तु। सौभगा। आ। संगस्य। स्वनत्। रथः। अध। पू।
योगिः। अति। दासत्। अन्यान्। आ। संगः। अग्ने। दश। भिः। सहस्रेः। अध। उक्ष्णः।
। दश। मद्यं। रुशतः। नळाः। इव। सरसः। निः। अतिष्ठन्। अनु। अस्या। स्वरं। ददशो।

प. पं. ७
॥ ७१ ॥

पुरस्तात्। अनस्यः। ऊरुः। अवः रं व मा णाः। शश्वती। नारी। अभिः वक्ष्य। आह। सुः
भद्रं। अर्यं। भोजनं। विमर्षि॥ १६ ॥ ॥ इदं व सो इति। सुतं। अंधः। पिब। सुः पूर्णं। उ
दरं। अनाभयिन्। ररिमाते। नृभिः। धूतः। सुतः। अश्वैः। अव्यः। वारैः। परिः पूतः। अ
श्वः। न। निक्तः। नदीषु। तं। ते। यवं। यथा। गोभिः। स्वादुं। अकर्म। श्रीणंतः। इंद्रं। त्वा। अ
स्मिन्। सधः। मादे। इंद्रः। इत्। सोमः। पाः। एकः। इंद्रः। सुतः। पाः। विश्वः। आयुः। अंतः। दे
वान्। मर्त्यान्। च। न। यं। शुक्रः। न। दुः। आशीः। न। तैः। प्राः। उरुः। व्यचसं। अपः। स्पृण्व
ते। सुः। हार्दं॥ १७ ॥ ॥ गोभिः। यत्। इंद्रं। अन्ये। अस्मत्। मृगं। न। ब्राः। मृगयते। अभिः
त्सरंति। धेनुभिः। त्रयः। इंद्रस्य। सोमाः। सुतासः। संतु। देवस्य। स्वे। क्षये। सुतः। पात्रः। राम
त्रयः। कोशसः। श्रोतंति। तिस्रः। चम्बः। सुः। पूर्णः। समाने। अधि। भार्मन्। शुचिः। अ॥ ७१ ॥
सि। पुरुनिः। स्थाः। क्षीरैः। मध्यतः। आः। शीर्त्तः। दध्ना। मंदिष्ठः। शूरस्य। दूमे। ते। इंद्रं।

सोमाः। तीव्राः। अस्मे इति। सुतासः। शुक्राः। आऽशिरं। याचन्ते ॥ १८ ॥ ॥ तान्। आऽ
 शिरं। पुरोक्ताशं। इंद्र। इमं। सोमं। श्रीणीहि। रेवंतं। हि। त्वा। शृणोमि। हृत्। सु। पीता
 सः। युध्यन्ते। दुः। मदसि। न। सुरायां। ऊर्ध्वः। न। नग्नाः। जरन्ते। रेवान्। इत्। रेवतः। स्तोता
 । स्यात्। त्वाऽवतः। मघोनः। प्र। इत्। ऊर्ध्वः। हरिऽवः। श्रुतस्य। उक्थं। वन। शस्यमानं।
 अगोः। अरिः। आ। चिकेत। न। गायत्रं। गीयमानं। मा। नः। इंद्र। पीयलवे। मा। शर्धते।
 परा। दाः। शिष्टा। शन्वीऽवः। शन्वीभिः ॥ १९ ॥ ॥ तदित्। अर्थाः। इंद्र। त्वाऽयंतः। सरवा
 यः। कण्वाः। उक्थेभिः। जरन्ते। न। घ। ई। अन्यत्। आ। पपन। वज्रिन्। अपसः। नविष्टो
 । तव। इत्। ऊर्ध्वः। स्तोमं। चिकेत। इष्टेति। देवाः। सुन्वन्ते। न। स्वप्रायं। स्पृहयन्ति। यं
 ति। प्र। मादं। अतंद्राः। ओदति। सु। प्र। याहि। वाजेभिः। मा। हृणीथाः। अभि। अस्मान्।
 महान्। इव। युवऽजानिः। मोदति। सु। अद्य। दुः। हनावान्। सोयं। करत्। आरे। अस्मत्।

प.पं.७

॥७२॥

अश्रीरःऽइव। जामाता ॥ २० ॥ ॥ विद्म। हि। अस्य। वीरस्य। भूरिऽदावरी॥ सुऽमतिं। त्रि
षु। ज्ञातस्य। मनोसि। आ। तु। सिंच। कण्वऽमंतं। न। घ। विद्म। शवसानात्। यशःऽतरं। श
तंऽऊतेः। ज्येष्ठेन। सोतः। इंद्राय। सोमं। वीराय। शक्राय। भर। पिवित्। नर्याय। यः। वेदिष्ठः
। अव्यथिषु। अश्वऽवंतं। जरित्। भ्यः। वाजं। स्तोतुऽभ्यः। गोऽमंतं। पन्यं। पन्यं। इत्। सो
तारः। आ। धावत्। मद्याय। सोमं। वीराय। शूराय ॥ २१ ॥ ॥ पाता। वृत्रऽह। सुतं। आ।
घ। गमत्। न। आरे। अस्मत्। नि। यमते। शतंऽऊतिः। आ। इह। हरीइति। ब्रह्मऽयुजा।
शग्मा। वक्षतः। सरवाय। गीः। भिः। श्रुतं। गिर्वणसं। स्वादस्वः। सोमाः। आ। याहि। श्री
ताः। सोमाः। आ। याहि। शिप्रिन्। ऋषिऽवः। शन्वीऽवः। न। अयं। अष्टु। सधुऽमादे। स्तुतः
। च। या। त्वा। वर्धति। महे। राधसे। नृम्णाय। इंद्र। कारिणं। वृधंतः। गिरः। च। या। ते। गि
र्वहः। उक्था। च। तुभ्ये। तानि। सुत्रा। दधिरे। शवांसि ॥ २२ ॥ ॥ एव। इत्। एषः। तुविऽ

राम

॥७२॥

कूर्मिः। वाजान्। एकः। वज्रऽहस्तः। सनातः। अमृक्तः। द्यते। हंता। वृत्रं। दक्षिणे
 ने। इंद्रः। पुरु। पुरुऽदूतः। महान्। महीभिः। शचीभिः। यस्मिन्। विश्वाः। वर्षणायः।
 उत। च्योला। ज्ञयासि। च। अनु। घ। इत्। मंदी। मघोनः। एषः। एतानि। चकार।
 इंद्रः। विश्वा। यः। अति। शृण्वे। वज्रऽदावा। मघोनो। प्रऽभर्ता। रथे। गव्यंते। अपा
 कात्। चित्। यं। अवति। इनः। वसु। सः। हि। वोक्ता॥ २३ ॥ ॥ सनिता। विप्रः। अ
 र्वत्। भिः। हंता। वृत्रं। नृऽभिः। शूरः। सत्यः। अविता। विधंतं। यजध्व। एनं। प्रियऽ
 मेधाः। इंद्रः। सत्राच। मनसा। यः। भूत्। सोमैः। सत्यऽमहा। गाथऽश्रवसं। सत्तऽ
 पति। श्रवः। कामं। पुरुऽत्मानं। कण्वासः। गात। वाजिनं। यः। क्रते। चित्। गाः। प
 देभ्यः। दात्। सर्वा। नृऽभ्यः। शचीऽवान्। ये। अस्मिन्। कामं। अश्रियन्। इत्था।
 धीऽवंतं। अद्रिऽवः। काण्व। मेध्यऽअतिथिं। मेषः। भूतः। अभि। यन्। अयः। शि

प. पं. ७
॥ ७३ ॥

क्ष। विभिंदो इति विऽभिंदो। अस्मे। चत्वारि। अयुता। ददत्। अष्ट। परः। सहस्रा। उत। सु।
त्ये इति। पयः। वृधा। माकी इति। रणस्य। नप्त्या। जनिऽत्वनाय। ममहे ॥ २४ ॥ ॥ विब।
सुतस्य। रसिनः। मत्स्व। नः। इंद्र। गोऽमतः। आपिः। नः। बोधि। सधऽमाद्यः। वृधे। अ
स्मान्। अवंतु। ते। धियः। भूयाम। ते। सुऽमती। वाजिनः। वयं। मानः। स्तः। अभिऽ
मातये। अस्मान्। चित्राभिः। अवतात्। अभिष्टिऽभिः। आ। नः। सुम्नेषु। यमय। इमाः। ऊं
इति। त्वा। पुरुवसो इति पुरुऽवसो। गिरः। वर्धतु। या। मम। पावकऽवर्णाः। शुचयेः। वि
पः। चितः। अभि। स्तोमैः। अनूषत। अयं। सहस्र। ऋषिऽभिः। सहः। वृत्तः। समुद्रः। इं
व। पप्रथे। सत्यः। सः। अस्य। माहिमा। गृणो। शवः। यज्ञेषु। विप्रऽराज्ये। इंद्रं। इत्। देवऽ
तातये। इंद्रं। प्रऽयति। अध्वरे। इंद्रं। संऽईके। वनिनः। हवामहे। इंद्रं। धनस्य। सातये ॥
॥ २५ ॥ ॥ इंद्रः। मद्रा। रोदसी इति। पप्रथत्। शवः। इंद्रः। सूर्य। अरोचयत्। इंद्रं। ह। वि

राम
॥ ७३ ॥

श्वा॥ भुवनानि॥ येमिरे॥ इंद्रे॥ सुवानासः॥ इंद्रवः॥ १०॥ इंद्र॥ स्तोमेभिः॥ आयवः॥ संऽईचीना
 सः॥ क्रभवः॥ सं॥ अस्वरन॥ रुद्राः॥ गृणांत॥ पूर्व्य॥ अस्य॥ इत॥ इंद्रः॥ ववृधे॥ वृष्ट्यं॥ शवः॥
 मदे॥ सुतस्य॥ विष्मवि॥ अद्यातं॥ अस्य॥ महिमानं॥ आयवः॥ अनु॥ स्तुवति॥ पूर्वस्था॥ तत्
 त्वा॥ यामि॥ सु॥ वीर्यं॥ तत्॥ ब्रह्मा॥ पूर्व॥ चित्तये॥ येन॥ यति॥ भ्यः॥ भृगवे॥ धने॥ हिते॥ येन॥
 प्रस्कृण्वं॥ आविथ॥ येन॥ समुद्रं॥ असृजः॥ महीः॥ अपः॥ तत्॥ इंद्र॥ वृष्टि॥ शवः॥ सद्यः॥
 सः॥ अस्य॥ महिमा॥ न॥ सं॥ नशे॥ यं॥ क्षोणीः॥ अनु॥ चक्रदे॥ २६॥ ॥ शग्धि॥ नः॥ इंद्र॥
 यत्॥ त्वा॥ रयि॥ यामि॥ सु॥ वीर्यं॥ शग्धि॥ वाजाय॥ प्रथमं॥ सिसासते॥ शग्धि॥ स्तोमे
 य॥ पूर्व्य॥ शग्धि॥ नः॥ अस्य॥ यत्॥ ह॥ पोरं॥ आविथ॥ धियः॥ इंद्र॥ सिसासतः॥ शग्धि॥ य
 थी॥ रुशमं॥ श्यावकं॥ वृषं॥ इंद्र॥ प्रा॥ आवः॥ स्वः॥ नरं॥ कत्॥ नव्यः॥ अतसीनां॥ तुरः॥ गृणी
 त॥ मर्त्यः॥ नहि॥ नु॥ अस्य॥ महिमानं॥ इंद्रियं॥ स्वः॥ गृणांतः॥ आनयुः॥ कत्॥ ऊं॥ इति॥ स्तुवतः॥

प. पं. ७
॥ ७४ ॥

ऋतऽयंत। देवता। ऋषिः। कः। विप्रः। ओ हते। कदा। हवं। मघऽवन्। इंद्र। सुन्वतः। क
ते। ऊं इति। सुवतः। आ। गमः। उत। ऊं इति। ल्ये। मधुमतेऽतमाः। गिरः। स्तोमासः। ईर
ते। सत्राऽजितः। धनऽसाः। अक्षितऽऊतयः। वाजऽयंतः। रथाः। इव॥ २७ ॥ ॥ कण्वीऽ
इव। भृगवः। सूर्याः। इव। विश्वे। इत। धीतिं। आनशुः। इंद्र। स्तोमेभिः। महयंतः। आ
यवः। प्रियऽमेधासः। अस्वरन्। युष्ट्वा हि। वृत्रहन्ऽतम। हरी इति। इंद्र। पराऽवतः।
अर्वाचीनः। मघऽवन्। सोमऽपीतये। उग्रः। ऋषेभिः। आ। गहि। इमे। हि। ते। कारवः
। वावशुः। धिया। विप्रसः। मेधऽसातये। सः। त्वं। नः। मघऽवन्। इंद्र। गिर्वणाः।
वेनः। न। शृणुधि। हवं। निः। इंद्र। बृहतीभ्यः। वृत्रं। धनुऽभ्यः। अस्फुरः। निः। अ
बुद्ध्य। मृगयस्य। मायिनः। निः। पर्वतस्य। गाः। आजः। निः। अग्नयेः। रुरुचुः। निः।
। ऊं इति। सूर्यः। निः। सोमः। इंद्रियः। रसः। निः। अंतरिक्षात्। अधमः। महा। अहि। वृ

राम
॥ ७४ ॥

षे। तत्। इंद्र। पौंस्ये॥ २८ ॥ ॥ यं। मे। दुः। इंद्रः। मरुतः। पाकः। स्त्रामा। कौरयाणाः। वि
 श्वेषां। त्मना। शोभिषुं। उपः। इव। दिवि। धावमानं। रोहितं। मे। पाकः। स्त्रामा। सुः। धुरं। क
 ष्यः। प्रां। अदात्। रायः। विः। बोधनं। यस्मै। अन्ये। दश। प्रति। धुरं। वहति। वद्भयः। अस्त
 वयः। न। तुर्यं। आत्मा। पितुः। तनूः। वासः। ओजः। दाः। अभि। अंजनं। तुरीयं। इत्। रो
 हितस्य। पाकः। स्त्रामानं। भोजं। दातारं। अब्रव॥ २८ ॥ ॥ यत्। इंद्र। प्राक्। अपाक्। उ
 दक्। न्यक्। वा। दूयसे। नृभिः। सिम। पुरु। नृः। सूतः। असि। आनेवे। असि। प्रः। शर्ध। तु
 र्वशे। यत्। वा। रुमे। रुशमे। श्यावके। कृपे। इंद्र। मादयसे। सन्वा। कण्वासः। त्वा। ब्रह्म
 भिः। सोमः। वाहसः। इंद्र। आ। यच्छति। आ। गहि। यथा। गौरः। अपा। कृतं। तृष्यन्। एति
 अव। इरिणं। आः। पित्वे। नः। प्रः। पित्वे। तूर्यं। आ। गहि। कण्वेषु। सु। सन्वा। विब। मंदेतु।
 त्वा। मघः। वनः। इंद्र। इंद्रवः। राधः। देयाय। सुन्वते। आः। मुष्य। सोमं। अपि बः। चमूइति।

प.पं. ७५

सुतं। ज्येष्ठं। तत्। दधिषे। सहः। प्रा-वक्त्रे। सहसा। सहः। वृषंजं। मन्युं। ओजसा। वि-
श्वे। ते। इंद्र। एतनाऽयवः। यहो इति। नि। वृक्षाः। इव। येमिरे ॥ ३० ॥ ॥ सहस्रेणाऽइव।
सचते। यविऽयुधा। यः। ते। आनद्। उपऽस्तुतिं। पुत्रं। प्रावर्गं। कृणुते। सुऽवीर्ये। दा-
श्रोति। नमउक्तिऽभिः। मा। भेम। मा। श्रमिष्वा। उग्रस्य। सख्ये। तव। महत्। ते। वृक्षः।
अभिऽवश्यं। कृतं। पश्येम। तुर्वशं। यदु। सव्या। अनु। स्मिग्यं। ववसे। वृषा। न। दानः।
अस्य। रोषति। मध्वा। संऽष्टकाः। सारधेणा। धेनवः। तूयं। आ। इहि। द्रव। पिव। अश्वी-
रथी। सुऽरूपः। इत्। गोऽमान्। इत्। इंद्र। ते। सर्वा। श्वात्रऽभाजा। वयसा। सचते। सदा-
चंद्रः। याति। सभां। उप। क्रश्यः। ना। तृष्यन्। अवऽपाने। आ। गहि। पिव। सोमं। वशा-
न। अनु। निऽमेघमानः। मघऽवनः। दिवेऽदिवे। ओजिष्ठं। दधिषे। सहः ॥ ३१ ॥ ॥ अ-
ध्वयेदिति। द्रवय। त्वं। सोमं। इंद्रः। पिपासति। उप। नूनं। युयुजे। वृषणा। हरी इति। आ।

राम
७५

च। जगाम। वृत्रऽहा। स्वयं। चित्। सः। मन्यते। दाशुरिः। जनः। यत्र। सोमस्य। तं पसि।
 इदं। ते। अन्नं। युज्यं। सं। उक्षितं। तस्य। आ। इहि। प्र। द्रव। पिव। रथेऽस्थाय। अध्वर्य
 वः। सोमं। इंद्राय। सोतन। अधि। ब्रध्नस्य। अद्र्यः। वि। चक्षते। सुन्वतः। दाशुऽअध्व
 रं। उप। ब्रध्नं। ववाता। वृषणा। हरीइति। इंद्र। अपऽसु। वक्षतेः। अर्वावा। त्वा। ७। प्र। पू
 षणं। वृणीमहे। युज्याय। पुरुऽवसुं। सः। शक्र। शिश्वा। पुरुऽद्वत। नः। धिया। तुजे।
 राये। विऽमोचन॥ ३२॥ ॥ स। नः। शिशीहि। भुरिजोऽद्व। धुरं। रास्व। रायः। विऽ
 मोचन। त्वेइति। तत्। नः। सुऽवेदं। उस्त्रियं। वसु। यं। त्वं। दिनोषि। मर्त्यं। वेमि। त्वा।
 पूषन्। क्रंजसो। वेमि। स्तोतवे। आद्यणे। न। तस्य। वेमि। अरणं। हि। तत्। वसोइति
 । स्तुषे। पज्जाय। साम्ने। परा। गावः। यवसं। कत्। चित्। आद्यणे। नित्यं। रेक्पाः। अ
 मर्त्यं। अस्माकं। पूषन्। अविता। शिवः। भव। मंहिष्ठः। वाजऽसातये। स्वरं। राधः।

प. पं. ७
॥ ७६ ॥

शतऽअश्वं। कुरुंगस्य। दिविष्टिषु। राज्ञः। त्वेषस्य। सुऽभगस्य। रातिषु। तुर्वशेषु। अ-
मन्माहि। धीभिः। सातानि। काण्वस्य। वाजिनः। प्रियऽमेधेः। अभिद्युऽभिः। षष्टिः।
सहस्रा। अनु। निः। मजां। अजे। निः। यूथानि। गवां। ऋषिः। वृक्षाः। चित्र। मे। अभिऽ
पित्वे। अररुणुः। गां। भजंत। मेहना। अश्वं। भजंत। मेहना॥ ३३॥ ॥ इति

पंचमाष्टके सप्तमोऽध्यायः॥ ॥ ७७ ॥ ॥ दूरात्। इहऽदेव। यत्। सुती। अ-
रुणाऽसुः। अशिऽश्वितत्। वि। भानुं। विश्वधा। अतनेत्। नृऽवत्। दस्त्रा। मनऽ
युजा। रथेन। पृथुऽपाजसा। सर्वथेदति। अश्विना। उपसं। युवाभ्यां। वाजिनी
वसूदतिवाजिनीऽवसू। प्रति। स्तोमाः। अदृक्षत्। वाचं। दूतः। यथा। ओदृष्टे। राम
पुरुऽप्रिया। नः। रुतये। पुरुऽमंद्रा। पुरुवसूदतिपुरुऽवसू। स्तुवे। कण्वसः॥ ७८ ॥
। अश्विना। महिष्ठा। वाजऽसातमा। इषयता। शुभः। पतीदति। गंतारा। दाशु

षः। गृहं॥१॥ ॥ ता। सुऽदेवाय। दाशुर्वे। सुऽमेधां। अविऽतारिणी। घृतेः। गव्यू
 ति। उक्षेतं। आ। नः। स्तोमं। उप। द्रुवत्। तूयं। श्येनेभिः। आशुऽभिः। यातं। अश्वे
 भिः। अश्विना। येभिः। तिस्रः। पराऽवतः। दिवः। विश्वानि। रोचना। त्रीन्। अ
 रून्। परिऽदीयथः। उत। नः। गोऽमतीः। इषः। उत। सातीः। अहः। विदा। वि
 पथः। सातये। सितं। आ। नः। गोऽमंतं। अश्विना। सुऽवीरं। सुऽरथं। रथिं। वो
 क्त्वा। अश्वेऽवतीः। इषः॥२॥ ॥ ववृधाना। शुषः। पतीइति। दस्त्रा। हिरण्यवर्त
 नीइति। हिरण्यऽवर्तनी। पिबंतं। सोम्यं। मधु। अस्मश्यं। वाजिनीवसूइति। वाजि
 नीऽवसू। मघवत्। भ्यः। वा। सऽप्रथः। छर्हिः। यंतं। अदाश्यं। नि। सु। ब्रह्म। ज
 नाना। या। अविष्टं। तूयं। आ। गतं। मोइति। सु। अन्यान्। उप। अस्तं। अस्य। पि
 बतं। अश्विना। युवं। मदस्य। वारुणः। मध्वः। रातस्य। धिष्ट्या। अस्मेइति। आ॥

प.पं.७

॥७७॥

महाराजो.

वहंतं।रयिं।शतऽवतं।सहस्रिणं।पुरुऽक्षुं।विश्वऽधायसं॥३॥॥पुरुऽना।वि
होहि।वां।नरा।विऽक्षयते।मनीषिणः।वाघतऽभिः।अश्विना।आ।गते।जनासः
।वृक्तेऽवर्हिषः।हविष्मंतः।अरुंऽकृतः।युवां।हवते।अश्विना।अस्माकं।अद्यावां।
अयं।स्तोमः।वाहिष्ठः।अंतमः।युवाभ्यो।भूतु।अश्विना।यः।ह।वां।मधुनः।ह
तिः।आऽहितः।रथऽवर्षणो।ततः।पिबतं।अश्विना।तेन।नः।वाजिनीवसूइति
वाजिनीऽवसू।पश्वे।तोकायाशं।गवे।कहतं।पीवरीः।इषः॥४॥॥उत।नः।दिव्याः
।इषः।उत।सिंधून्।अहः।विदा।अप।द्वाराऽइव।वर्षथः।कदा।वां।तेय्यः।वि
धत्।समुद्रे।जहितः।नरा।वि।युवं।कण्वाय।नासत्या।अपिऽरिप्ताय।हर्म्ये।शश्व
त्।ऊतीः।दशस्यथः।ताभिः।आ।यातं।ऊतिऽभिः।नव्यसीभिः।सुशास्तिऽभिः।
यत्।वां।वृषण्वसूइतिवृषण्वसू।दुवे।यथा।वित्।कण्वं।आवतं।प्रियः

राम
॥७७॥

तेन नो वाजिनी वस्

मेधं। उपऽस्तुतं। अत्रिं। शिंजारं। अश्विना॥ ५॥ ॥ यथा। उत। कृत्वे। धने। अं
शुं। गोषु। अगस्त्यं। यथा। वाजेषु। सोमं। एतावत्। वां। वृषण्वसू इति वृषण्व
वसू। अतः। वा। भूयः। अश्विना। गृणंतः। सुम्नं। ईमहे। रथं। हिरण्यऽवंधुरं। हिर
ण्यऽअसीशुं। अश्विना। आ। हि। स्थायः। दिविऽस्पर्शं। हिरण्ययी। वां। रभिः। ईषा
। अक्षः। हिरण्ययः। उसा। चक्रं। हिरण्ययी। ६। पराऽवतः। चित्। आ। गतं। उप। इ
मां। सुऽस्तुतिं। मम॥ ६॥ ॥ आ। वह्ये इति। पराकात्। पूर्वं। अश्वेते। अश्विना।
इषः। दासीः। अमर्त्या। आ। नः। द्युम्नैः। आ। श्रवः। भिः। आ। राया। यातं। अश्वि
ना। पुरुऽचंद्रा। नासत्या। आ। इहे। वां। प्रुषितऽसंवः। वयः। वहंतु। पुषिनिः। अ
ष्ट। सुऽअध्वरं। जनै। रथं। वां। अनुऽगायसायः। इषा। वर्तते। सह। न। चक्रं। अभि
वाधते। हिरण्ययेन। रथेन। द्रवत्पाणिभिः। अश्वैः। धीऽज्वना। नासत्या॥ ७॥

प.पं.७
॥७८॥

युवं। मृगं। जागृ॥ वांसं। स्वदथः। वा। वृषपवसूइति वृषण॥ वसू। ता। नः। ए॥ क्तं। इ
षा। रुधिं। ता। मे। अश्विना। सनीनां। विघातं। नवानां। यथा। चित्र। वेद्यः। कशुः।
शतं। उष्ट्रानां। ददत्। सहस्र॥ दश। गोनं। यः। मे। हिरण्य॥ संदशः। दश। राज्ञः।
अमं हत। अधः॥ पदाः। इत्। वेद्यस्य। कृष्टयः। चर्म॥ म्नाः। अभितः। जनाः। मकिः।
एना॥ पथा। गात्र। येन। इमे। यंति। वेद्यः। अन्यः। न। इत्। सूरिः। ओदते। भूरिदा
वत्॥ तरः। जनः॥ ८ ॥ ॥ महान्। इंद्रः। यः। ओजसा॥ पर्जन्यः। वृष्टिमान्॥ देव। स्तो
मैः। वत्सस्य। ववधे। प्र॥ ज्ञां। क्रतस्य। पिप्रतः। प्र। यत्। भरत। वद्वयः। विप्राः। क्र
तस्य। वाहसा। कण्वाः। इंद्र। यत्। अक्रत। स्तोमैः। यज्ञस्य। साधनं। जामि। ब्रुव
ते। आयुधं। सं। अस्य। मन्यवे। विशः। विश्वाः। नमंत। कृष्टयः। समुद्राय॥ इव।
सिंधवः। ओजः। तत्। अस्य। तिलिषे। उमेइति। यत्। स॥ अवर्त्तयत्। इंद्रः। चर्म॥ इ

राम
॥७८॥

व।रोदसीइति॥२॥ ॥वि।वित्।वृत्रस्य।दोधतः।वज्रेण।शतःपर्वणा।शि
 रः।विभेद।वृहन्ना।इमाः।अभि।प्र।नोनुमः।विपां।अग्रेषु।धीतयः।अग्नेः।
 शोचिः।न।दिद्युतः।गुहा।सतीः।उप।त्मना।प्र।यत्।शोचंत।धीतयः।कण्वाः।
 ऋतस्य।धारया।प्र।तं।इंद्र।नशीमहि।रयिं।गोऽमंत।अश्विनं।प्र।ब्रह्म।पूर्वः
 चित्तये।अहं।इत्।हि।पितुः।परि।मेधो।ऋतस्य।जग्रत्।अहं।सूर्यः।इव।अजनि
 ॥९०॥ ॥अहं।प्रलेन।मन्मना।गिरः।शुभामि।कण्वः।वत्।येन।इंद्रः।शुष्म।
 इत्।दधे।ये।त्वा।इंद्र।न।तुस्तुवुः।ऋषये।ये।चा।तुस्तुवुः।मम।इत्।वर्धस्व।मुः
 स्ततः।यत्।अस्य।मन्युः।अध्वनीत्।वि।वृत्रं।पर्वः।शः।रुजन।अपः।समुद्रं।एरयत्।
 नि।शुष्मे।इंद्र।धर्षसि।वज्रं।जघंथ।दस्यवि।वृषा।हि।उग्र।शृण्विषे।न।द्याविः।इंद्र।
 ओजसा।न।अंतरिक्षाणि।वज्रिणी।न।विव्यचंत।भूमयः॥९१॥ ॥यः।ते।इंद्र।महीः।

प-पं-प
॥७८॥

अपः।स्तभुः।यमानः।आ।अशयत्।नि।तं।पद्यासु।शिश्नयः।यः।इमेइति।रोदसी
इति।महीइति।समीचीइतिसं।ईची।सं।अजयसीत्।तमः।भिः।इंद्र।तं।गुहः।ये।
इंद्र।यतयः।त्वा।भृगवः।ये।वा।तुस्तुवुः।मम।इत्।उग्र।श्रुधि।हृवा।इमाः।ते।इं
द्र।एश्रयः।घृतं।दुहते।आ।शिरं।एनां।कृतस्य।पिप्युषीः।याः।इंद्र।प्र।स्वः।त्वा।
आसा।गर्भं।अचक्रिरन्।परि।धर्मः।इव।सूर्य॥१२॥ ॥त्वां।इत्।शवसः।पते।
कण्वाः।उक्थेन।वृधुः।त्वां।सुतासः।इंदेवः।तव।इत्।इंद्र।प्र।नीतिषु।उत।प्र।
शस्तिः।अद्रिः।वः।यज्ञः।वितंतसाय्यः।आ।नः।इंद्र।मही।इव।पुरं।न।दुर्वि।गो।
मती॥उत।प्र।जा।सु।वीर्यं।उत।त्यत्।आशु।अश्व्यं।यत्।इंद्र।नाहुवीषु।आ।अ
ग्रे।विष्क।प्र।दीदयत्।अभि।व्रजं।न।तलिषे।सरः।उपाकः।वक्षसं।यत्।इंद्र।
मृळयासि।नः॥१३॥ ॥यत्।अंगं।तविषी।यसे।इंद्र।प्र।राजसि।क्षितीः।महान्।

राम

॥७८॥

अपारः। ओजसा। तं। त्वा। हविष्मतीः। विशः। उप। ब्रुवते। ऊतये। उरुः। ज्ञयसं।
 इदुः। भिः। उपः। करे। गिरीणां। सं। गथे। च। नदीनां। धिया। विप्रः। अजायत। अतः।
 समुद्रं। उत्तः। वतः। चिकित्वा। न। अव। पश्यति। यतः। विपानः। एजति। आत्। इत्। प्र
 लस्ये। रेतसः। ज्योतिः। पश्यति। वासुर। परः। यत्। इध्यते। दिवा॥१४॥ ॥ कण्वा
 सः। इन्द्र। ते। मतिं। विश्वे। वर्धति। पोंस्यं। उत्तुति। शविष्ठ। वृह्यं। इमां। मे। इन्द्र।
 सुस्तुतिं। जुषस्व। प्र। सु। मा। अव। उत्त। प्र। वर्धय। मतिं। उत्त। ब्रह्मण्या। वय। तुह्ये।
 प्रः। वृद्ध। वज्रिः। वः। विप्राः। अतस्म। जीवसे। अभि। कण्वाः। अनूषत। आपः। न।
 प्रः। वता। यतीः। इन्द्र। वननूः। वती। मतिः। इन्द्र। उक्थानि। ववृधुः। समुद्रः। इव। सिंध
 वः। अनुत्तः। मन्युं। अजरं॥१५॥ ॥ आ। नः। याहि। पराः। वतः। हरिः। भ्या। हयता
 भ्यां। इमां। इन्द्र। सुतं। पिब। त्वां। इत्। वृत्रहन्। तम। जनीसः। वृक्तः। बर्हिषः। हवते।

प.पं.८

॥ ८० ॥

वाजः सातये । अनु । त्वा । रोदसी इति । उभे इति । चक्रं । न । वर्ति । एतशं । अनु । सुवा
नासः । इन्द्रवः । मंदस्व । सु । स्वः । नरे । उत । इन्द्र । शर्यणाः । वति । मत्स्व । विवस्वतः । मती
। ववृधानः । उप । द्यवि । वषा । वज्री । अरोरवीत् । वृत्र । हा । सोमः । पातमः ॥ १६ ॥
ऋषिः । हि । पूर्वः । जाः । असि । एकः । ईशानः । ओजसा । इन्द्र । वोधूयसे । वसु । अस्मा
कं । त्वा । सुतान् । उप । वीतः । पृष्ठाः । अभि । प्रयः । शतं । वहंतु । हरयः । इमां । सु । पूव्या । धि
यं । मधीः । घृतस्य । पिपुषी । कण्वाः । उक्थेन । ववृधुः । इन्द्र । इत् । वि । महीना । मेघे ।
वृणीत । मर्त्यः । इन्द्र । सनिष्ठुः । ऊतये । अवांचिं । त्वा । पुरुः । स्तुत । प्रियमेधः । स्तुत । ह
रीति । सोमः । पेयाय । वक्षतेः । शतं । अहं । तिरिदिरे । सहस्रं । पशोः । आ । ददे । राधा
सि । यादूनां । त्रीणि । शतानि । अवीतां । सहस्रं । दश । गोनां । ददुः । पूज्जाय । साम्ने ।
उत । आनदः । कुकुहः । दिवं । उष्ट्रान् । चतुः । युजः । ददतु । श्रवसा । यादू । जनं ॥ १७ ॥

राम

॥ ८० ॥

प्र। यत्। वः। त्रिः। सुभं। इषं। मरुतः। विप्रः। अक्षरत्। वि। पर्वतेषु। राजतथ। यत्। अंग।
 तविषीः। यवः। यामं। शुभ्राः। अविध्वं। नि। पर्वताः। अहासत। उत। ईरयत्। वायुः। भिः।
 वाश्रासः। एभिः। मातरः। धुक्षंत। पिथुषी। इषं। वपति। मरुतः। मिहं। प्र। वेपयति।
 पर्वतान्। यत्। यामं। यांति। वायुः। भिः। नि। यत्। यामाय। वः। गिरिः। नि। सिध्वः। विः।
 धर्मणे। महे। शुष्माय। येमिरे॥१०॥ ॥ युष्मान्। ऊर्इति। नत्तं। ऊतये। युष्मा
 न्। दिवा। हवामहे। युष्मान्। प्रः। यति। अध्वरे। उत। ऊर्इति। से। अरुणः। प्रवः।
 चित्राः। यामैभिः। ईरते। वाश्राः। अधि। सुना। दिवः। सृजति। रश्मिं। ओजसा।
 पंथां। सूर्याय। यातवे। ते। भानुः। भिः। वि। तस्थिरे। इमां। मे। मरुतः। गिरं। इमं। स्तो
 मं। क्रमुक्षणाः। इमं। मे। वनत। हवै। त्रीणि। सरसि। एश्रयः। दुदुक्ते। वज्रिणे। म
 धु। उत्सं। कवेधं। उद्रिणं॥११॥ ॥ मरुतः। यत्। हवः। दिवः। सुम्नः। यंतः। हवामहे।

यमंहिषासु०

प. प. ८
॥८१॥

आ। तु। नः। उप। गंतन। ०। रुद्राः। क्रभुक्षणाः। दमे। उत। प्रऽचेतसः। मदे। आ। नः।
। रथि। मरुऽव्युते। पुरुऽक्षुं। विश्वऽधायस। इयर्त। मरुतः। दिवः। अधिऽइव। यत्।
गिरीणां। यामे। शुभ्राः। अन्विध्वं। सुवानैः। मरुध्वे। ईदुऽभिः। एतावतः। वित्। एषां।
सुम्नं। भिक्षेत। मर्त्यः। अदाभ्यस्य। मन्मऽभिः॥ २०॥ ॥ ये। द्रुमाः। इव। रोदसी।
इति। धर्मंति। अनु। वृष्टिऽभिः। उत्सं। दुहंतः। अक्षितं। उत। ऊं इति। स्वानेभिः।
ईरते। उत। एथेः। उत। ऊं इति। वायुऽभिः। उत। स्तोमेः। एभिऽमातरः। येन। आ।
वा। तुर्वशी। यदु। येन। कण्वं। धनऽस्यतं। राये। सु। तस्य। धीमहि। इमाः। ऊं इति।
वः। सुऽदानवः। घृतं। न। पिष्युषीः। दूषः। वर्धन्। काण्वस्य। मन्मऽभिः। क्वा। नूनं।
सुऽदानवः। मरुथ। वृक्तऽवर्हिषः। ब्रह्मा। कः। वः। सपर्यति॥ २१॥ ॥ नहि। स्म।
यत्। ह। वः। पुरा। स्तोमेभिः। वृक्तऽवर्हिषः। शर्धान्। क्रतस्य। जिन्वथ। स। ऊं इति।

राम

॥८१॥

त्ये। महतीः। अपः। सं। क्षोणी इति। सं। ऊं इति। सूर्यः। सं। वज्रं। पर्वशः। दधुः। वि। व
 त्रं। पर्वशः। ययुः। वि। पर्वतान्। अराजिनः। चक्राणाः। वृष्टिः। पौंस्यः। अनु। त्रितस्या। यु
 ध्यतः। शुष्मः। आवन्। उत। कर्तुं। अनु। इंद्रं। वृत्रं। तूर्यः। विद्युत्। हस्ताः। अभिः। द्यवः।
 शिप्राः। शीर्षन्। हिरण्ययीः। शुभ्राः। वि। अंजत। श्रियो॥ २२ ॥ ॥ उशना। यत्। पुराः
 वतः। उष्ट्याः। रं ध्रं। अयातन। द्यौः। न। चक्रदत्। भिया। आ। नः। मरवस्य। दावने। अ
 श्वैः। हिरण्यपाणिः। भिः। देवासः। उपा। गतन। यत्। एषां। पृषतीः। रथे। प्रष्टिः। वहति
 । रोहितः। यांति। शुभ्राः। रिणान्। अपः। सुः। सोमे। शर्यणाः। वति। आजरीके। पस्त्यः। व
 ति। ययुः। निः। चक्रया। नरः। कदा। गच्छाथ। मरुतः। इत्था। विप्रं। हवमानं। माउः। के
 भिः। नाधमानं॥ २३ ॥ ॥ यत्। इंद्रं। अजहातन। केः। वः। सखिः। त्वे। ओहते। सहो
 इति। सु। नः। वज्रं। हस्तैः। कप्वासः। अग्निं। मरुत्। भिः। सुषे। हिरण्यः। वाशीभिः।

तेजोभिर्विताहरे॥

प.पं.८

॥८२॥

ओ इति। सु। वृक्षः। प्र। यज्यन्। आ। नव्यसे। सुविताय। ववृत्यां। चित्रः वाजान्। गिर
यः। चित्रानि। जिह्वे। पर्शनासः। मन्यमानाः। पर्वताः। चित्रानि। येमिरे। आ। अक्ष्याः
यावानः। वहन्ति। अंतरिक्षेण। पततः। धातारः। सुवते। वयः। अग्निः। हि। जनि। पूर्व्यः
। छंदः। न। सूरः। अर्चिषा। ॥२४॥ ॥ आ। नः। विश्वाभिः। ऊतिः। अभिना। गच्छ
तं। युवं। दस्रो। हिरण्यवर्तनी इति। हिरण्यः। वर्तनी। पितृतं। सोम्यं। मधु। आ। नूनं।
यातं। अभिना। रथेन। सूर्यः। त्वचा। भुजी इति। हिरण्यः। पेशसा। कवी इति। गंसिरः
चेतसा। आ। यातं। नडुषः। परि। आ। अंतरिक्षात्। सुवृक्तिः। अभिः। पिबार्थः। अश्वि
ना। मधु। कण्वानां। सर्वने। सुतं। आ। नः। यातं। दिवः। परि। आ। अंतरिक्षात्। अधः। राम
प्रिया। पुत्रः। कण्वस्य। वां। इह। सुसाव। सोम्यं। मधु। ॥२५॥ उपः। श्रुति। अश्विना। सोमः। ॥८२॥
पीतये। स्वाहा। स्तोमस्य। वर्धना। प्र। कवी इति। धीतिः। अभिः। नरा। ॥२५॥ ॥ यत्। चित्र।

आनोयान्

हि। वां। पुरा। ऋषयः। जुहूरे। अवसे। नरा। आ। यातं। अश्विना। आ। गतं। उप। इमं।
 सुस्तुतिं। मम। दिवः। चित्। रोचनात्। अधि। आ। नः। गतं। स्वः। विदा। धीभिः। वत्सः।
 प्रचेतसा। स्तोमेभिः। हवनः। श्रुता। किं। अन्ये। परि। आसते। अस्मत्। स्तोमेभिः। अ
 श्विना। पुत्रः। कण्वस्य। वां। ऋषिः। गीः। भिः। वत्सः। अवीवृधत्। आ। वां। विप्रः। इ
 ह। अवसे। अकृत्। स्तोमेभिः। अश्विना। अरिप्रा। वृत्रहन्। तमा। ता। नः। भूतं। मयः।
 भुवा। आ। यत्। वां। योषणा। रथं। अतिष्ठत्। वाजिनीवसूदतिवाजिनी। वसू। विश्वा
 नि। अश्विना। युव। प्र। धीतानि। अगच्छतं॥ २६॥ अतः। सहस्रं। निर्निजा। रथे
 न। आ। यातं। अश्विना। वत्सः। वां। मधुः। मत्। वचः। अशंसीत्। काव्यः। कविः। पुरुः
 मद्रा। पुरुवसूदतिपुरुः। वसू। मनोतरा। रथीणां। स्तोमं। मे। अश्विनो। इमं। अभि। व
 द्मीदति। अनूषातां। आ। नः। विश्वानि। अश्विना। धत्तं। राधासि। अक्रया। कृतं। नः। ऋ

यन्त्रासत्या अतः सहस्रं

प.पं.८
॥ ८३ ॥

आनोगं नं

खियऽवतः। मा। नः। रीरधतं। निदे। ०। अंबरे। ०। यः। वां। नासत्यौ। ऋषिः। गीः। भिः। वत्सः।
अवीवृधत। तस्मै। सहस्रं। निर्निजं। इवं। धत्तं। घृतऽश्रुतं॥ २७ ॥ ॥ प्र। अस्मै। ऊर्जे। घृ
तऽश्रुतं। अश्विना। यच्छतं। युवं। यः। वां। सुम्नाय। तुस्तवते। वसुऽयात। दानुनः। पतीइति।
आ। नः। गंतं। रिशादसा। इमं। स्तोमं। पुरुऽभुजा। कृतं। नः। सुऽश्रियः। नरा। इमा। दातं। अ
भिष्टये। आ। वां। विश्वाभिः। ऊतिऽभिः। प्रियऽमेधाः। अद्रुषत। राजंतौ। अध्वराणां। अश्वि
ना। यामऽहृतिषु। ०। मयः। भुवा। अश्विना। शं। भुवा। युवं। यः। वां। विपन्यूइति। धीतिऽ
भिः। गीः। भिः। वत्सः। अवीवृधत। याभिः। कण्वं। मेधऽअतिथिं। याभिः। वशं। दशऽव्र
जं। याभिः। गोऽशर्यं। आवतं। ताभिः। नः। अवतं। नरा॥ २८ ॥ ॥ याभिः। नरा। त्रसदस्यं
। आवतं। कृत्ये। धने। ताभिः। सु। अस्मान्। अश्विना। प्र। अवतं। वाजऽसातये। प्र। वां। स्तो
माः। सुऽवृक्तयः। गिरः। वर्धतु। अश्विना। पुरुऽत्रा। ०। पुरुऽस्पृहा। त्रीणि। पदानि। अश्वि

राम
॥ ८३ ॥

वृत्रहंतमानानोभृतं

नोः। आविः। संति। गुहा। परः। कवी इति। क्रतुस्य। पत्नः। अर्वाक्। जीवेभ्यः। परि।
 ॥२२॥ ॥ आ। नूनं। अश्विना। युवं। वत्सस्य। गंतं। अवसे। प्र। अस्मे। यच्छतं। अवकं। ए
 थु। छुर्दिः। युयुते। याः। अरातयः। यत्। अंतरिक्षे। यत्। दिवि। यत्। पंच। मानुषान्। अनु।
 नृम्णां। तत्। धत्तं। अश्विना। ये। वां। दंसांसि। अश्विना। विप्रासः। परिः। ममृशुः। एव। इत्
 । काण्वस्य। बोधतं। अयं। वां। घर्मः। अश्विना। स्तोमेन। परि। सिच्यते। अयं। सोमः। म
 धुः। मान्। वाजिनीवसू इति वाजिनीः। वसू। येन। वृत्रं। चिकेतथः। यत्। अप्सु। यत्।
 वनस्पतौ। यत्। ओषधीषु। पुरुः। दंससा। कृतं। तेन। मा। अविष्टं। अश्विना॥ ३०॥ ॥ य
 त्। नासत्या। भुरण्यथः। यत्। वा। देवा। भिषज्यथः। अयं। वा। वत्सः। मातिः। नि। विं
 धते। हविष्यंतं। हि। गच्छथः। आ। नूनं। अश्विनोः। क्रविः। स्तोमं। चिकेत। वामया। आ।
 सोमं। मधुमत्सतमं। घर्मं। सिचात्। अथर्वणि। आ। नूनं। रघुः। वर्त्तनि। रथं। तिष्ठथः। अ

प.पं.८
॥८४॥

श्विना। आ। वां। स्तोमाः। इमे। मम। नभः। न। चुच्यवीरत। यत्। अद्य। वां। नासत्या। उक्थैः
 आः। चुच्यवीमहि। यत्। वाणीभिः। अश्विना। यत्। वां। कसीवान्। उत। यत्। विः
 अश्वः। ऋषिः। यत्। वां। दीर्घः। तमाः। जुहाव। पृथी। यत्। वां। विन्यः। सद्नेषु। एव। इत्
 अतः। अश्विना। चेतयेथा॥ ३१॥ ॥ यातं। इतिः। पो। उत। नः। परः। पा। भूतं। जगत्
 पो। उत। नः। तनूः। पा। वार्तिः। तोकाय। तनयाय। यातं। यत्। इद्रेणा। सः। रथं। याथः। अश्वि
 ना। यत्। वा। वायुना। भवथः। सः। ओकसा। यत्। आदित्येभिः। ऋभुः। भिः। सः। जोषसा। य
 त्। वा। विष्मोः। विः। क्रमणेषु। तिष्ठथः। यत्। अद्य। अश्विनो। अहं। दुवेय। वाजः। सात
 ये। यत्। एतः। सु। तुर्वणो। सहः। तत्। श्रेष्ठ। अश्विनोः। अवः। आ। नूनं। यातं। अश्विना। इ
 मा। हव्यानि। वां। हिता। इमे। सोमासः। अधि। तुर्वशे। यदो। इमे। कण्वेषु। वां। अथ। यत्।
 नासत्या। पराके। अर्वाके। अस्ति। भेषजं। तेन। नूनं। विः। मदाय। प्रः। चेतसा। इतिः। वत्सा

राम
॥८४॥

य। यच्छतं ॥ ३२ ॥ ॥ अभुत्सि। ऊं इति। प्र। देव्या। साकं। वाचा। अहं। अश्विनोः। वि। आवः।
 देवि। आ। मतिं। वि। रातिं। मर्त्येभ्यः। प्र। बोधय। उषः। अश्विना। प्र। देवि। स्मृते। महि। प्र।
 यज्ञः होतः। आनुषक्। प्र। मदाय। श्रवः। बृहत्। यत्। उषः। यासि। भानुना। सं। सूर्येण।
 रोचसे। आ। ह। अयं। अश्विनोः। रथः। वर्तिः। याति। नृः पाय्यं। यत्। आः पीतासः। अंशवः।
 गावः। न। दुद्रे। ऊधः। भिः। यत्। वा। वाणीः। अनूषत। प्र। देवः यतः। अश्विना। प्र। युम्ना
 य। प्र। शवसे। प्र। नृः सहाय। शर्मणे। प्र। दृष्टाय। प्र। वेतसा। यत्। नूनं। धीभिः। अश्वि
 ना। पितुः। योना। निःसीदथः। यत्। वा। सुम्नेभिः। उक्थ्या ॥ ३३ ॥ ॥ यत्। स्त्रः। दीर्घः
 प्रसन्ननि। यत्। वा। अदः। रोचने। दिवः। यत्। वा। समुद्रे। अधि। आः कृते। गृहे। अतः। आ
 यातं। अश्विना। यत्। वा। यज्ञ। मनवे। सं। मिमिक्षथुः। ॥ ॥ बृहस्पतिं। विश्वान्। देवान्।
 अहं। कुवे। इंद्राविष्टइति। अश्विनोः। आशुः। हवसा। त्या। नु। अश्विना। कुवे। सुः। दंससा।

एवेकाण्वस्यबोधनं॥

प.पं.८
॥८५॥

गृभे। कृता। ययोः। अस्ति। प्र। नः। सरब्धं। देवेषु। अधि। आप्यं। ययोः। अधि। प्र। यज्ञाः। अ
सुरे। संति। सूरयः। ता। यज्ञस्य। अध्वरस्य। प्रऽवेतसा। स्वधाभिः। या। पितृतः। सोम्यं। म
धु। यत्। अद्य। अश्विनो। अपक्व। यत्। प्राक्। सः। वाजिनीवसूदतिवाजिनीऽवसू। य
त्। दुह्यवि। अनवि। तुर्वपो। यदो। कुवे। वां। अथ। मा। आ। गतं। यत्। अंतरिक्षे। पतथः
। पुरुऽभुजा। यत्। वा। इमेइति। रोदसीइति। अनु। यत्। वा। स्वधाभिः। अधिऽतिष्ठथः।
रथं। ॥३४॥ ॥ त्वं। अग्ने। व्रतऽपाः। असि। देवः। आ। मर्त्येषु। आ। त्वं। यज्ञेषु। ईड्यः।
त्वं। असि। प्रऽशस्यः। विदथेषु। सहंत्या। अग्ने। रथीः। अध्वराणां। सः। त्वं। अस्मत्। अ
प। द्विषः। युयोधि। जातऽवेदः। अदेवीः। अग्ने। अरतीः। अंति। चित्। संतं। अह। यज्ञं। म
र्तस्य। रिपोः। न। उप। वेषि। जातऽवेदः। मर्ताः। अमर्त्यस्य। ते। भूरि। नाम। मनामहे। वि
प्रासः। जातऽवेदसः॥३५॥ ॥ विप्रः। विप्रासः। अवसे। देवं। मत्तसिः। ऊतयो। अग्नि। गीः।

राम
॥८५॥

भिः। हवामहे। आ। ते। वत्सः। मनः। यमत्र। परमात्र। चित्र। सुधः। स्थात्र। अग्ने। त्वां।
कामया। गिरा। पुरुः। ना। हि। सः। दृडः। असि। विशः। विश्वोः। अनु। प्रः। भुः। समत्रः। सु।
त्वा। हवामहे। समत्रः। सु। अग्नि। अवेसे। वाजः। यंतः। हवामहे। वाजेषु। चित्रः। राधसं।
प्रलः। हि। के। ईज्यः। अध्वरेषु। सनात। च। होता। नव्यः। च। सत्सि। स्वां। च। अग्ने। त
न्वे। विप्रयस्व। अस्मथ्यं। च। सोमेगं। आ। यजस्व॥ ३६॥ ॥ इति पंचमाष्ट
के अष्टमोऽध्यायः॥ ॥ शुभं भवतु॥ ॥ ॥ ॥

॥ पंचमाष्टकः समाप्तः ॥

[OrderDescription]
,CREATED=25.02.20 12:28
,TRANSFERRED=2020/02/25 at 12:45:33
,PAGES=173
,TYPE=STD
,NAME=S0002880
,Book Name=M-2726-PANCHAMASHSTAK
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF

FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF
,FILE14=00000014.TIF
,FILE15=00000015.TIF
,FILE16=00000016.TIF
,FILE17=00000017.TIF
,FILE18=00000018.TIF
,FILE19=00000019.TIF

FILE20=00000020.TIF
,FILE21=00000021.TIF
,FILE22=00000022.TIF
,FILE23=00000023.TIF
,FILE24=00000024.TIF
,FILE25=00000025.TIF
,FILE26=00000026.TIF
,FILE27=00000027.TIF
,FILE28=00000028.TIF
,FILE29=00000029.TIF
,FILE30=00000030.TIF
,FILE31=00000031.TIF
,FILE32=00000032.TIF
,FILE33=00000033.TIF

FILE34=00000034.TIF
,FILE35=00000035.TIF
,FILE36=00000036.TIF
,FILE37=00000037.TIF
,FILE38=00000038.TIF
,FILE39=00000039.TIF
,FILE40=00000040.TIF
,FILE41=00000041.TIF
,FILE42=00000042.TIF
,FILE43=00000043.TIF
,FILE44=00000044.TIF
,FILE45=00000045.TIF
,FILE46=00000046.TIF
,FILE47=00000047.TIF

FILE48=00000048.TIF
,FILE49=00000049.TIF
,FILE50=00000050.TIF
,FILE51=00000051.TIF
,FILE52=00000052.TIF
,FILE53=00000053.TIF
,FILE54=00000054.TIF
,FILE55=00000055.TIF
,FILE56=00000056.TIF
,FILE57=00000057.TIF
,FILE58=00000058.TIF
,FILE59=00000059.TIF
,FILE60=00000060.TIF
,FILE61=00000061.TIF

FILE62=00000062.TIF
,FILE63=00000063.TIF
,FILE64=00000064.TIF
,FILE65=00000065.TIF
,FILE66=00000066.TIF
,FILE67=00000067.TIF
,FILE68=00000068.TIF
,FILE69=00000069.TIF
,FILE70=00000070.TIF
,FILE71=00000071.TIF
,FILE72=00000072.TIF
,FILE73=00000073.TIF
,FILE74=00000074.TIF
,FILE75=00000075.TIF

FILE76=00000076.TIF
,FILE77=00000077.TIF
,FILE78=00000078.TIF
,FILE79=00000079.TIF
,FILE80=00000080.TIF
,FILE81=00000081.TIF
,FILE82=00000082.TIF
,FILE83=00000083.TIF
,FILE84=00000084.TIF
,FILE85=00000085.TIF
,FILE86=00000086.TIF
,FILE87=00000087.TIF
,FILE88=00000088.TIF
,FILE89=00000089.TIF

FILE90=00000090.TIF
,FILE91=00000091.TIF
,FILE92=00000092.TIF
,FILE93=00000093.TIF
,FILE94=00000094.TIF
,FILE95=00000095.TIF
,FILE96=00000096.TIF
,FILE97=00000097.TIF
,FILE98=00000098.TIF
,FILE99=00000099.TIF
,FILE100=00000100.TIF
,FILE101=00000101.TIF
,FILE102=00000102.TIF
,FILE103=00000103.TIF

FILE104=00000104.TIF
,FILE105=00000105.TIF
,FILE106=00000106.TIF
,FILE107=00000107.TIF
,FILE108=00000108.TIF
,FILE109=00000109.TIF
,FILE110=00000110.TIF
,FILE111=00000111.TIF
,FILE112=00000112.TIF
,FILE113=00000113.TIF
,FILE114=00000114.TIF
,FILE115=00000115.TIF
,FILE116=00000116.TIF
,FILE117=00000117.TIF

FILE118=00000118.TIF
,FILE119=00000119.TIF
,FILE120=00000120.TIF
,FILE121=00000121.TIF
,FILE122=00000122.TIF
,FILE123=00000123.TIF
,FILE124=00000124.TIF
,FILE125=00000125.TIF
,FILE126=00000126.TIF
,FILE127=00000127.TIF
,FILE128=00000128.TIF
,FILE129=00000129.TIF
,FILE130=00000130.TIF
,FILE131=00000131.TIF

FILE132=00000132.TIF
,FILE133=00000133.TIF
,FILE134=00000134.TIF
,FILE135=00000135.TIF
,FILE136=00000136.TIF
,FILE137=00000137.TIF
,FILE138=00000138.TIF
,FILE139=00000139.TIF
,FILE140=00000140.TIF
,FILE141=00000141.TIF
,FILE142=00000142.TIF
,FILE143=00000143.TIF
,FILE144=00000144.TIF
,FILE145=00000145.TIF

FILE146=00000146.TIF
,FILE147=00000147.TIF
,FILE148=00000148.TIF
,FILE149=00000149.TIF
,FILE150=00000150.TIF
,FILE151=00000151.TIF
,FILE152=00000152.TIF
,FILE153=00000153.TIF
,FILE154=00000154.TIF
,FILE155=00000155.TIF
,FILE156=00000156.TIF
,FILE157=00000157.TIF
,FILE158=00000158.TIF
,FILE159=00000159.TIF

FILE160=00000160.TIF
,FILE161=00000161.TIF
,FILE162=00000162.TIF
,FILE163=00000163.TIF
,FILE164=00000164.TIF
,FILE165=00000165.TIF
,FILE166=00000166.TIF
,FILE167=00000167.TIF
,FILE168=00000168.TIF
,FILE169=00000169.TIF
,FILE170=00000170.TIF
,FILE171=00000171.TIF
,FILE172=00000172.TIF
,FILE173=00000173.TIF

